सच बोलने की हिम्मत

राजधानी चौपाल

RNI No. HARHIN/25/A3341

राजधानी चौपाल

समाचार पत्र में किसी भी प्रकार के समाचार, विज्ञप्ति और विज्ञापन देने के लिए संपर्क करें...

94169-26329
93068-13001

अंक : 14 | वर्ष : 01 | साप्ताहिक (15 से 21 अप्रैल 2026) | पृष्ठ 8 | मूल्य : 5/- रुपये | E-mail : rajdhanichoupal@gmail.com

ट्रम्प बोले-ईरान से 2 दिन में बातचीत हो सकती है : आसिम मुनीर का काम बेहतर

तेल अवीव/तेहरान/वॉशिंगटन डीसी (राजधानी चौपाल)| मेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा है कि ईरान के साथ बातचीत अगले 2 दिनों में फिर से शुरू हो सकती है और इसके लिए पाकिस्तान सबसे ज्यादा संभावित जगह है। उन्होंने एक इंटरव्यू में कहा कि हालात तेजी से बदल रहे हैं, इसलिए बातचीत जल्द शुरू हो सकती है। ट्रम्प ने यह भी कहा कि पाकिस्तान के सेना प्रमुख आसिम मुनीर अच्छा काम कर रहे हैं, इसलिए वहां बातचीत होने की संभावना बढ़ गई है। इससे पहले ईरान और अमेरिका के बीच 11 अप्रैल को पाकिस्तान के इस्लामाबाद में 21 घंटे सीजफायर वार्ता हुई थी। हालांकि यह वार्ता बिना किसी नतीजे के खत्म हो गई थी।

रूस ने होर्मुज संकट पर बातचीत की वकालत की, ईरान के परमाणु रुख का समर्थन : होर्मुज स्ट्रेट को लेकर बढ़ते तनाव के बीच रूस ने बातचीत के जरिए समाधान निकालने की अपील की है। विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने कहा कि ईरान की प्रतिक्रिया अमेरिकी आक्रामकता का नतीजा है और इसका हल बातचीत से ही संभव है। चीन दौरे के दौरान लावरोव ने कहा कि खाड़ी के अरब देश भी मानते हैं कि अगर अमेरिका की ओर से आक्रामक कदम नहीं उठाए जाते, तो ईरान होर्मुज स्ट्रेट को बंद करने की स्थिति में नहीं आता। ईरान के परमाणु कार्यक्रम पर बोलते हुए लावरोव ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी ने कभी यह दर्ज नहीं किया कि ईरान का यूरेनियम संवर्धन सैन्य उद्देश्यों के लिए हो रहा है। इसलिए रूस किसी भी ऐसे समझौते को स्वीकार करेगा, जो तेहरान के हितों के अनुरूप हो। लावरोव ने अमेरिका से अपील की कि वह मध्य पूर्व में अपनी आक्रामक नीति को रोके, क्योंकि इससे उसके सहयोगी देशों को भी नुकसान हो रहा है।

चीनी टैंकर अमेरिकी नाकाबंदी तोड़ने में नाकाम : मेथेनॉल लेकर UAE से आ रहा था...

अमेरिकी प्रतिबंध झेल रहा टैंकर रिच स्टैरी बुधवार को फिर से अमेरिकी नाकाबंदी नहीं तोड़ पाया। यह टैंकर संयुक्त अरब अमीरात के हमरियाह पोर्ट से चला था। वहां से इसने करीब 2.5 लाख बैरल मेथेनॉल लोड किया था। यह टैंकर खाड़ी से निकलने की कोशिश कर रहा था। लेकिन होर्मुज के आगे अमेरिकी नाकाबंदी की वजह से इसे वापस लौटना पड़ा। इससे पहले भी इस टैंकर ने मंगलवार को होर्मुज पार करने की कोशिश की थी। रॉयटर्स के मुताबिक एक अमेरिकी अधिकारी ने बताया कि मंगलवार को अमेरिकी युद्धपोत ने दो तेल टैंकरों को रोक दिया, जो ओमान की खाड़ी में स्थित ईरान के चाबहार बंदरगाह से बाहर निकलने की कोशिश कर रहे थे। रिच स्टैरी और इसकी मालिक कंपनी शंघाई जुआनरन शिपिंग को. पर अमेरिका ने 2023 से प्रतिबंध लगा रखा है, क्योंकि वे ईरान के साथ व्यापार कर रहे थे।

कुछ बड़े अपडेट्स...

- **15 वॉरशिप तैनात** : अमेरिका ने नाकाबंदी लागू करने के लिए 15 से ज्यादा युद्धपोत तैनात किए, जिनमें USS अब्राहम लिंकन और कई डिस्ट्रॉयर शामिल बताए गए हैं।
- **चीन का 4 सूत्री प्रस्ताव**- चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने मिडिल ईस्ट में शांति के लिए चार सूत्रीय प्रस्ताव देते हुए सभी देशों की संप्रभुता और सुरक्षा का सम्मान जरूरी बताया।
- **ईरान को अरबों का नुकसान**- ईरान का दावा है कि अमेरिका और इजराइल के हमलों से उसे करीब 270 अरब डॉलर का नुकसान हुआ।
- **फिर सीजफायर वार्ता संभव**- अमेरिका और ईरान के बीच शांति समझौते को लेकर इस हफ्ते फिर बैठक हो सकती है, इस्लामाबाद और जेनेवा संभावित जगह मानी जा रही हैं।
- **ईरान को अमेरिका पर भरोसा नहीं**- ईरान ने अमेरिका पर आरोप लगाया कि वह बातचीत के बजाय अपनी शर्तें थोपना चाहता है और शुरुआत से ही भरोसे के लायक नहीं रहा है।

पोप के जंग खत्म करने वाले बयान पर ट्रम्प नाराज : कहा- कोई उन्हें यह बता दे, ईरान ने 42 हजार निहत्थे लोगों को मारा

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने एक बार फिर पोप लियो पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि ईरान में पिछले दो महीनों में 42,000 से ज्यादा बेगुनाह और निहत्थे प्रदर्शनकारियों की हत्या हुई है। ट्रम्प ने यह बयान तब दिया, जब पोप लियो ने ईरान के मुद्दे पर बातचीत और शांति की अपील की थी। ट्रम्प ने कहा कि अमेरिका के लिए यह बिल्कुल स्वीकार नहीं है कि ईरान परमाणु बम बनाए। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा कि कोई पोप को बताए कि ईरान में इतने लोग मारे गए हैं। ईरान के पास परमाणु हथियार होना बिल्कुल भी मंजूर नहीं है। इससे पहले भी ट्रम्प पोप की आलोचना कर चुके हैं। वहीं पोप ने कहा कि वे राजनीति में नहीं पड़ना चाहते और न ही ट्रम्प के साथ किसी बहस में शामिल होना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि उनका मकसद सिर्फ शांति की बात करना है और दुनिया में युद्ध खत्म होना चाहिए।

ईरान ने मांगा 270 अरब डॉलर के नुकसान का मुआवजा

अमेरिका और इजराइल के साथ जारी संघर्ष के बीच ईरान ने करीब 270 अरब डॉलर के नुकसान का दावा करते हुए मुआवजे की मांग की है। संयुक्त राष्ट्र में ईरान के प्रतिनिधि ने कहा कि हमलों में क्षेत्रीय देशों की भूमिका रही है, इसलिए उन्हें भी इसकी कीमत चुकानी चाहिए। ईरान सरकार की प्रवक्ता फातमेह मोहाजेरानी के मुताबिक, 28 फरवरी से शुरू हुए युद्ध के बाद देश को सीधे और अप्रत्यक्ष रूप से करीब 270 अरब डॉलर का नुकसान हुआ है। यह जानकारी उन्होंने रूस की न्यूज एजेंसी को दिए इंटरव्यू में दी।

महिला आरक्षण पर पीएम मोदी की महिलाओं के नाम चिट्ठी

लिखा- भारत की बेटियों से उनके हक के लिए सालों तक इंतजार करने नहीं कह सकते

नई दिल्ली (राजधानी चौपाल) | प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार देश की महिलाओं के नाम एक लेटर लिखा है। इसमें मोदी ने कहा कि अगर 2029 में लोकसभा और अलग-अलग विधानसभाओं के चुनाव महिलाओं के लिए पूरे आरक्षण के साथ होते हैं, तो भारतीय लोकतंत्र और भी ज्यादा मजबूत और जीवंत हो जाएगा।

उन्होंने यह भी कहा कि जब महिलाएं कई क्षेत्रों में बेहतरीन काम कर रही हैं, तो यह बिल्कुल सही है कि विधायी संस्थाओं में भी महिलाओं की भागीदारी बढ़े। भारत की बेटियों से उस चीज के लिए हमेशा इंतजार करने को नहीं कहा जा सकता, जो उनका हक है।

X पर एक पोस्ट में मोदी ने लिखा- "यहां भारत की 'नारी शक्ति' के नाम मेरा पत्र है, जिसमें मैं उस वादे को पूरा करने की हमारी प्रतिबद्धता दोहरा रहा हूं, जो दशकों से लंबित था। मैंने अपने साथी नागरिकों के साथ उस संकल्प को जल्द ही साकार करने के विषय पर अपने विचार साझा किए हैं।"

महिला आरक्षण संशोधन बिल पर एक नजर : सितंबर 2023 में संसद ने 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' पास किया गया था, जिसे आम तौर पर 'महिला आरक्षण अधिनियम' के नाम से जाना जाता है। यह विधायी संस्थाओं में महिलाओं के प्रतिनिधित्व को बढ़ाने की दिशा में एक बड़ा कदम था। इस अधिनियम में लोकसभा और राज्यों की विधानसभाओं में महिलाओं के लिए एक-तिहाई सीटें आरक्षित करने का प्रावधान किया गया था।

मौजूदा कानून के तहत, महिलाओं के लिए आरक्षण 2034 से पहले लागू नहीं हो पाता, क्योंकि यह 2027 की जनगणना के बाद परिसीमन प्रक्रिया पूरी होने से जुड़ा हुआ था। इसे 2029 के लोकसभा चुनावों से लागू करने के लिए, 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' में बदलाव की जरूरत थी; इसलिए, सरकार कानून में संशोधनों को पारित करने के लिए एक विशेष सत्र आयोजित कर रही है।

संसद सत्र में संशोधन पास होने पर क्या होगा : सरकार ने दो बड़े संशोधनों की योजना बनाई है, जिसमें एक अलग परिसीमन विधेयक भी शामिल है। महिलाओं के लिए रिजर्वेशन तय करने के लिए इन दोनों विधेयकों को संवैधानिक संशोधन के तौर पर पारित किया जाना जरूरी है। मौजूदा स्थिति को बरकरार रखते हुए, OBC आरक्षण के लिए कोई प्रावधान नहीं किया गया है, जबकि SC/ST आरक्षण पहले की तरह ही जारी रहेगा।

जब 'महिला आरक्षण अधिनियम' में संशोधन पास हो जाएंगे तो यह सुनिश्चित होगा कि लोकसभा सीटों की संख्या बढ़कर 816 हो जाएगी, जिनमें से 273 सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित होंगी। लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं को 33% आरक्षण देने का प्रावधान 2023 में संविधान में संशोधन करके लाया गया था।

पीएम मोदी का लेटर के पॉइंट्स...

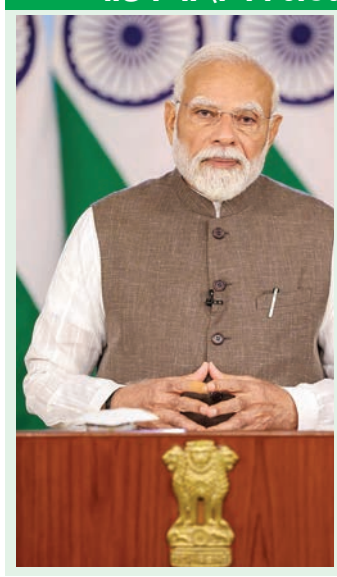

- जब महिलाएं कई क्षेत्रों में बेहतरीन काम कर रही हैं, तो यह बिल्कुल सही है कि विधायी संस्थाओं में भी महिलाओं की भागीदारी बढ़े।
- 2029 के लोकसभा और विधानसभा चुनाव महिलाओं के लिए पूरे आरक्षण के साथ होते हैं, तो लोकतंत्र और भी ज्यादा मजबूत हो जाएगा।
- मैं आपसे आग्रह करता हूं कि अपने स्थानीय सांसदों को पत्र लिखें और इस ऐतिहासिक संसद सत्र में हिस्सा लेते समय उनका हौसला बढ़ाएं।

पेट्रोल 18, डीजल 35 महंगा हो सकता है : 5 राज्यों में चुनाव के बाद बढ़ सकते हैं दाम

नई दिल्ली (राजधानी चौपाल)| कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों की वजह से पेट्रोल 18 और डीजल 35 प्रति लीटर तक महंगा हो सकता है। विदेशी ब्रोकरेज फर्म मैक्वायरी की रिपोर्ट में कहा गया है कि क्रूड ऑयल महंगा होने के बावजूद देश में पेट्रोल-डीजल की कीमतें स्थिर हैं। इससे कंपनियों को नुकसान हो रहा है। ऐसे में पश्चिम बंगाल सहित 5 राज्यों में चुनाव खत्म होने के बाद कंपनियां दाम बढ़ा सकती हैं।

हर दिन 1,600 करोड़ का नुकसान झेल रहीं कंपनियां : कच्चा तेल महंगा होने से कंपनियों को प्रति लीटर पेट्रोल पर 18 रुपए और डीजल पर 35 रुपए का घाटा हो रहा है। पिछले महीने के पीक पर ये तीनों कंपनियां हर दिन करीब 2,400 करोड़ रुपए का नुकसान झेल रही थीं। एक्साइज ड्यूटी में 10 रुपए की कटौती के बाद यह घाटा घटकर 1,600 करोड़ रुपए रह गया है। हर 10 डॉलर के उछाल से नुकसान करीब 6 रुपए प्रति लीटर बढ़ जाता है।

भारत 88% कच्चा तेल आयात करता है : भारत अपनी जरूरत का लगभग 88% कच्चा तेल आयात करता है। इसमें से 45% मिडिल ईस्ट और 35% रूस से आता है। कच्चे तेल की बढ़ती कीमतें न केवल तेल कंपनियों, बल्कि देश के चालू खाता घाटे (CAD) के लिए भी खतरा हैं। अनुमान है कि 2026 की पहली तिमाही में यह घाटा बढ़कर 20 अरब डॉलर तक पहुंच सकता है।

9 साल में एक्साइज ड्यूटी 22% से 8% हुई : सरकारी राजस्व में तेल पर लगने वाली एक्साइज ड्यूटी का योगदान लगातार कम हो रहा है। वित्त वर्ष 2017 में यह 22% था, जो अब घटकर सिर्फ 8% रह गया है। अगर सरकार पूरी एक्साइज ड्यूटी हटा भी दे, तो भी मौजूदा कीमतों पर तेल कंपनियों का घाटा पूरी तरह खत्म नहीं होगा।

अमेरिका सहित कई देशों ने बढ़ाए पेट्रोल-डीजल के दाम

अमेरिका में पेट्रोल की औसत कीमतें अगस्त 2022 के बाद पहली बार 4 डॉलर प्रति गैलन से ऊपर पहुंच गई हैं। वहीं पाकिस्तान, नेपाल और श्रीलंका सहित कई पड़ोसी देशों ने भी पेट्रोल-डीजल की कीमतों में इजाफा किया है।

हरियाणा में 'मिनी मुकाबला' : 7 निकायों और 528 पंचायत पदों पर 10 मई को वोटिंग, पंचायतों के परिणाम उसी शाम होंगे घोषित

चंडीगढ़ (राजधानी चौपाल) | हरियाणा में सोमवार को 7 शहरी स्थानीय निकायों के चुनाव और 6 निकायों के एक-एक वार्ड के उपचुनाव की तारीखों का ऐलान हो गया। 10 मई को वोटिंग होगी। 13 मई को नतीजे आएंगे। मेयर व चेयरमैन के लिए सीधे वोट पड़ेंगे। पंचायती राज संस्थाओं के 528 पदों पर उपचुनाव भी साथ होंगे। इनके नतीजे वोटिंग के दिन ही आ जाएंगे। ऐसे में 17 मई से शुरू हो रहे प्रचंड गर्मी वाले जेठ यानी ज्येष्ठ (अधिक मास) से पहले ही पूरे एक माह चुनावी गर्मी रहेगी।

राजनीति दलों के लिए मिनी मुकाबला माने जाने वाले ये चुनाव ईवीएम से कराए जाएंगे। 2 हजार से ज्यादा ईवीएम लगेंगी। यह हर पद के लिए अलग-अलग होंगी। वीवीपैट का इस्तेमाल नहीं होगा। ऐसे में वोट सही पड़ा या नहीं, यह नहीं देख पाएंगे। 'नोटा' का विकल्प होगा, लेकिन इसे सबसे ज्यादा वोट मिले तो पहले की तरह चुनाव रद्द नहीं होगा। नोटा के बाद जिस प्रत्याशी के अधिक वोट होंगे, वो विजयी माना जाएगा। पंच के चुनाव में 'नोटा' नहीं है। मतदाता सूची विधानसभा चुनाव की ली है। किसी का नाम विधानसभा की मतदाता सूची में है, पर निकाय की सूची में नहीं है तो रिटर्निंग ऑफिसर के पास आवेदन देकर 25 अप्रैल तक नाम शामिल करा सकेंगे। पंचायतों के लिए यह समयसीमा 21 अप्रैल है। राज्य चुनाव आयुक्त देवेंद्र कल्याण ने बताया कि वोटिंग बढ़ाने को ऊंचे भवनों व कॉलेजों में भी टीमें जाएंगी।

चुनाव का शेड्यूल

- नोटिफिकेशनः 15 अप्रैल
- नामांकन दाखिलः 21 से 25 अप्रैल
- नामांकन जांचः 27 अप्रैल
- नाम वापसी/सिंबलः 28 अप्रैल
- मतदानः 10 मई (सुबह 8 से शाम 6 बजे)
- मतगणनाः 13 मई (सुबह 8 बजे से)
- पंचायतों के नतीजेः वोटिंग के ही दिन।

प्रमुख बिंदु

- 3 नगर निगमों समेत 7 निकायों में आम चुनाव।
- 6 निकायों के 1-1 वार्ड में पार्षद का उपचुनाव।
- पंचायतीराज संस्थाओं के 528 पदों पर भी साथ में ही उपचुनाव।
- पहली बारः वोटर स्लिप चुनाव आयोग मतदाता के घर भिजवाएगा।
- VVPAT का इस्तेमाल नहीं होगाः मतदाता यह नहीं देख पाएंगे कि वोट सही पड़ा या नहीं।

इन शहरी स्थानीय निकायों में चुनाव

- **नगर निगमः** पंचकूला, सोनीपत, अम्बाला
- **नगर परिषदः** रेवाड़ी
- **नगर पालिकाः** सांपला, धारूहेड़ा, उकलाना

यहां 1-1 वार्ड में पार्षद के उपचुनाव

- **नपः** टोहाना के वार्ड-17, झज्जर के वार्ड-13 में।
- **नपाः** राजौंद के वार्ड-11, तरावड़ी के वार्ड-8, कनीना के वार्ड-14, साढौरा के वार्ड-9 में।

योग्यता : 5वीं, 8वीं और 10वीं : सामान्य व पिछड़ा वर्ग के पुरुष प्रत्याशी के लिए 10वीं, महिला व अनुसूचित जाति के उम्मीदवार के लिए 8वीं पास होना अनिवार्य। सिर्फ पार्षद व पंच के लिए एससी महिला को 5वीं पास की शर्त।

पंचायतों के इन पदों पर उपचुनाव

- **सरपंच के 29 पदः** सिरसा में 5, करनाल में 4, भिवानी-फतेहाबाद में 3-3, अम्बाला, झज्जर, जींद, कैथल में 2-2, फरीदाबाद, गुरुग्राम, कुरुक्षेत्र, महेंद्रगढ़, नूंह, रेवाड़ी में 1-1 पंचायत।
- **पंच के 485 पदः** सोनीपत में 53, भिवानी में 30, यमुनानगर, कैथल में 29-29, हिसार में 28, महेंद्रगढ़ में 27-27, फतेहाबाद में 26, पंचकूला, कुरुक्षेत्र में 23-23, अम्बाला, जींद, पलवल सिरसा में 21-21, चरखी दादरी, रेवाड़ी, झज्जर में 20-20, करनाल में 19, पानीपत में 16, नूंह में 15, गुरुग्राम, रोहतक में 10-10, फरीदाबाद में 5 वार्ड।
- **पंचायत समिति सदस्य के 12 पदः** सिरसा में 3, पानीपत, झज्जर में 2-2, चरखी दादरी, गुरुग्राम, हिसार, फतेहाबाद, रेवाड़ी में 1-1 वार्ड। जिला परिषद सदस्य के 2 पदः पानीपत और करनाल में 1-1 वार्ड में उपचुनाव।

हिसार बनेगा रेल हब 50 करोड़ का प्रोजेक्ट शुरू

9 किमी लाइन बिछेगी, हिसार स्टेशन पर 3 मार्शलिंग लाइन, एक व्हील लेक लाइन, 6 स्टेबलिंग, दो वॉशिंग लाइन और वॉशिंग अंडरपास बनेगा

हिसार (राजधानी चौपाल) | हिसार रेलवे स्टेशन के यार्ड में इन दिनों भारी मशीनों की गूंज और मजदूरों की सरगर्मी यह साफ बयां कर रही है कि आने वाले समय में यहाँ की तस्वीर पूरी तरह बदलने वाली है। रेलवे प्रशासन ने स्टेशन के यार्ड में डबल वॉशिंग लाइन के निर्माण की प्रक्रिया को हरी झंडी दे दी है। निर्माण एजेंसी के प्रोजेक्ट मैनेजर विरेन्द्र चौधरी और इंजीनियर प्रशांत मीणा के नेतृत्व में काम ने गति पकड़ ली है।

इस प्रोजेक्ट की कुल लागत करीब 50 करोड़ रुपये आंकी गई है। वर्तमान में स्टेशन पर पुराने और जर्जर हो चुके रेल भवनों को गिराकर जगह साफ की जा रही है और नई लाइनों के लिए मिट्टी डालने का काम शुरू हो चुका है। यह प्रोजेक्ट केवल पटरियों का विस्तार नहीं है, बल्कि हिसार को एक आत्मनिर्भर रेलवे टर्मिनल बनाने की दिशा में एक बड़ी छलांग है। अब तक हिसार एक ट्रांजिट पॉइंट की तरह काम करता था, लेकिन इस प्रोजेक्ट के बाद यह एक 'ओरिजिनेटिंग स्टेशन' (जहाँ से ट्रेनें बनकर चलती हैं) के रूप में अपनी धाक जमाएगा।

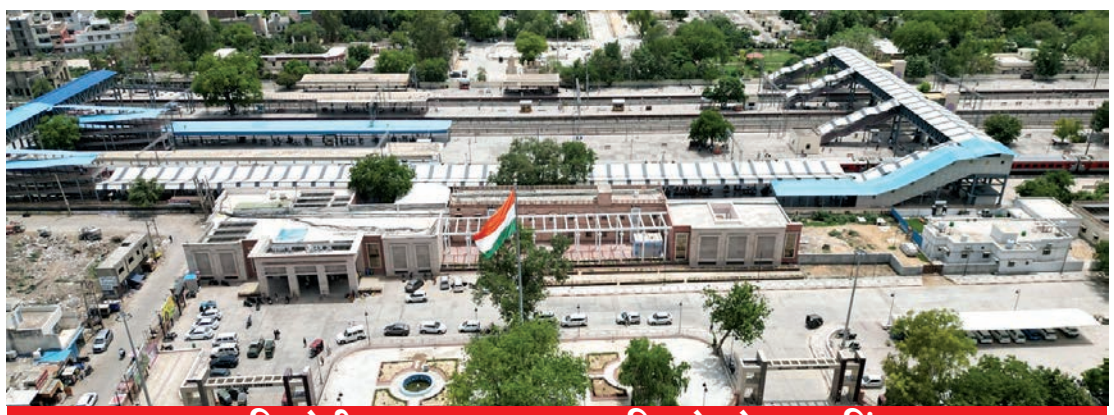

9 किलोमीटर का नया जालः आधुनिक रेलवे का ब्लूप्रिंट

इस विस्तार योजना के तहत रेलवे यार्ड में कुल 9 किलोमीटर की नई रेल लाइन बिछाई जानी है। यह महज एक पटरी नहीं है, बल्कि इसमें विभिन्न तकनीकी कार्यों के लिए अलग-अलग विशिष्ट लाइनें शामिल हैं। इन लाइनों के निर्माण के पीछे का उद्देश्य यह है कि किसी भी ट्रेन को मेंटेनेंस या पार्किंग के लिए दूसरे बड़े स्टेशनों जैसे दिल्ली, रेवाड़ी या बठिंडा पर निर्भर न रहना पड़े।

परियोजना के अनुसार, यहाँ तीन मार्शलिंग लाइन, एक व्हील लेक लाइन, 6 स्टेबलिंग लाइन, दो वॉशिंग लाइन, दो पिट लाइन और एक सिक लाइन बनाई जा रही है। इसके साथ ही, कर्मचारियों की सुरक्षा और ड्रेनेज के लिए एक आधुनिक वॉशिंग अंडरपास का निर्माण भी किया जाएगा। इन सुविधाओं के एक ही स्थान पर होने से हिसार स्टेशन की ऑपरेशनल क्षमता कई गुना बढ़ जाएगी।

चंडीगढ़ का सफरः रायपुर की बजाय अब हिसार से शुरू होगी ट्रेन : इस पूरे प्रोजेक्ट का सबसे क्रांतिकारी पहलू चंडीगढ़ जाने वाली ट्रेनों से जुड़ा है। जैसे ही नई डबल वॉशिंग लाइन बनकर तैयार होगी, चंडीगढ़ जाने वाली ट्रेन का मुख्य केंद्र हिसार बन जाएगा। इससे स्थानीय यात्रियों को सुबह जल्दी ट्रेन मिलने और चंडीगढ़ से देर शाम वापसी की सुविधा मिलेगी। अब ट्रेन को वॉशिंग के लिए दूसरे स्टेशन भेजने की मजबूरी खत्म हो जाएगी, जिससे ट्रेनों की पंक्चुअलिटी (समयबद्धता) में सुधार होगा।

तकनीकी लाइनों का गणितः कैसे बदलेगी यात्रियों की किस्मत?

- **पिट लाइन और वॉशिंग लाइन का महत्वः** पिट लाइन वह स्थान होता है जहाँ ट्रेन के डिब्बों के नीचे जाकर तकनीकी निरीक्षण किया जाता है। वर्तमान में हिसार में केवल एक वॉशिंग लाइन है। एक ट्रेन की सफाई और बेसिक मेंटेनेंस में औसतन 4 से 6 घंटे लगते हैं। इस कारण दूसरी ट्रेनों को अपनी बारी के लिए घंटों इंतजार करना पड़ता है। दो पिट लाइन और डबल वॉशिंग लाइन होने से एक साथ दो लंबी दूरी की ट्रेनों का रखरखाव संभव होगा, जिससे ट्रेनों की उपलब्धता बढ़ेगी।
- **सिक लाइनः** अब मरम्मत के लिए नहीं जाना होगा दूसरे शहरः अभी यदि किसी डिब्बे में कोई बड़ी तकनीकी खराबी आ जाती है, तो उसे मरम्मत के लिए दूसरे बड़े स्टेशनों की वर्कशॉप में भेजना पड़ता है। इसमें समय और संसाधनों की भारी बर्बादी होती है। 'सिक लाइन' बनने के बाद छोटी-मोटी और मध्यम स्तर की मरम्मत हिसार में ही संभव होगी। इससे ट्रेनों का संचालन सुचारू होगा और यात्रियों को देरी का सामना नहीं करना पड़ेगा।
- **मार्शलिंग और स्टेबलिंग लाइनः सुव्यवस्थित होगा यातायातः** मार्शलिंग लाइन के माध्यम से मालगाड़ियों के डिब्बों की छंटाई और उन्हें गंतव्य के अनुसार सही क्रम में जोड़ने का काम तेजी से होगा। वहीं, 6 स्टेबलिंग लाइनों का मतलब है कि खाली ट्रेनों को प्लेटफार्म पर खड़ा करने की जरूरत नहीं पड़ेगी। उन्हें इन सुरक्षित लाइनों पर पार्क किया जा सकेगा, जिससे प्लेटफार्म अन्य आने-जाने वाली ट्रेनों के लिए खाली रहेंगे।

इन ट्रेनों के विस्तार की जगी बड़ी उम्मीद

- **दरभंगा-आनंद विहार एक्सप्रेस (15557/58)**: इस द्वि-साप्ताहिक ट्रेन का विस्तार हनुमानगढ़ तक वाया रोहतक-महम-हांसी-हिसार-सिरसा होने की उम्मीद है।
- **हावड़ा-नई दिल्ली एक्सप्रेस (12303/04)**: पश्चिम बंगाल से आने वाली इस प्रतिष्ठित ट्रेन का विस्तार अब हिसार तक किया जा सकेगा, जिससे हिसार सीधे कोलकाता से जुड़ जाएगा।
- **ऊर्जाधानी एक्सप्रेस (22167/68)**: सिंगरौली से हजरत निजामुद्दीन जाने वाली यह ट्रेन अब हिसार के यात्रियों को मध्य प्रदेश के औद्योगिक क्षेत्रों से जोड़ेगी।
- **कालिंदी एक्सप्रेस और अम्बा अंदौरा**: इन ट्रेनों के यहाँ रुकने और यहीं से मेंटेनेंस होने से यात्रियों को हिमाचल और उत्तर प्रदेश की राह आसान होगी।

छावनी में बदली कंपनी वेतन बढ़ाने की मांग को लेकर कर्मचारियों का विरोध जारी

कर्मचारियों का दूसरे दिन भी प्रदर्शन, पुलिस ने बल प्रयोग कर 25 को हिरासत में लेकर छोड़ा

गुरुग्राम/ फरीदाबाद/ पलवल (राजधानी चौपाल)| सेक्टर-37 के सराय ख्वाजा स्थित मदरसन सूमी कंपनी के बाहर वेतन वृद्धि को लेकर कर्मचारियों का मंगलवार को दूसरे दिन भी प्रदर्शन जारी रहा। सुबह करीब सात बजे ही ही कर्मचारी कंपनी के गेट के सामने इकट्ठे होकर नारेबाजी करने लगे। इसकी सूचना मिलते ही कई थानों की पुलिस मौके पहुंच गई। उसने कर्मचारियों को हरियाणा सरकार द्वारा निर्धारित किए गए नए वेतन को दिलाने का हवाला देकर प्रदर्शन खत्म करने की अपील की। लेकिन कर्मचारी जब विरोध-प्रदर्शन पर अड़े रहे तो दोपहर को पुलिस ने हल्का बल प्रयोग कर 25 से अधिक कर्मचारियों को हिरासत में ले लिया। बाद में इन्हें छोड़ दिया गया। पुलिस का दावा है कि कंपनी व क्षेत्र की सुरक्षा में 1500 पुलिस कर्मियों को तैनात किया गया है। उधर, कंपनी के कर्मचारियों का आरोप है कि पुलिस उनकी मांगों को दबाने का प्रयास कर रही है। जबकि पुलिस का कहना है कि कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए यह कदम उठाया गया।

सेक्टर-37 स्थित मदरसन सूमी वियरिंग इंडिया लिमिटेड कंपनी में तीन हजार से ज्यादा कर्मचारी काम कर रहे हैं। यहां तीन शिफ्टों में काम होता है। फरीदाबाद के अलग-अलग क्षेत्रों के अलावा दिल्ली व आसपास के इलाकों से भी बड़ी संख्या में कर्मचारी यहां काम करने आते हैं। धरने पर बैठे कर्मचारियों का कहना है कि कंपनी में उनसे 12-12 घंटे तक काम लिया जाता है, लेकिन इसके बावजूद उन्हें पूरी सैलरी नहीं मिलती। जिसमें से पीएफ व ईएसआई की कटौती होने के बाद उनके हाथ में केवल 10 से 12 हजार रुपए आते हैं। महंगाई के इस दौर में इतनी कम सैलरी में परिवार का खर्च चलाना मुश्किल हो रहा है।

आईएमटी मानेसर बवाल: 55 गिरफ्तार, 20 महिलाएं भी, सभी न्यायिक हिरासत में भेजे गए, शांति बनाए रखने की अपील

गुरुग्राम| आईएमटी मानेसर में न्यूनतम मजदूरी लागू करने की मांग को लेकर हुए उपद्रव के मामले में पुलिस ने 55 लोगों को गिरफ्तार किया है, जिनमें 20 महिलाएं भी शामिल हैं। शुक्रवार शाम सभी आरोपियों को जिला कोर्ट में पेश किया गया, जहां से उन्हें न्यायिक हिरासत में भोंडसी जेल भेज दिया गया। पुलिस ने इस मामले में दो अलग-अलग एफआईआर दर्ज की हैं और वीडियो व फोटो के आधार पर आरोपियों की पहचान कर कार्रवाई की गई। गिरफ्तारी के लिए तीन थानों के प्रभारियों के साथ क्राइम ब्रांच की टीमें भी लगी रहीं।

जानकारी के अनुसार, श्रमिक अपनी मांगों को लेकर हड़ताल पर बैठे थे, जबकि प्रशासन ने क्षेत्र में धारा 163 लागू कर रखी थी। पुलिस द्वारा हटाने के प्रयास के दौरान श्रमिकों की पुलिस से झड़प हो गई। इसके बाद स्थिति हिंसक हो गई और प्रदर्शनकारियों ने पुलिस की गाड़ी में तोड़फोड़ की तथा बाइक को आग के हवाले कर दिया। पथराव में भी काफी नुकसान हुआ। इस दौरान कई श्रमिक घायल हुए। पुलिस प्रवक्ता संदीप कुमार ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों में से 44 को थाने स्तर पर जमानत का विकल्प दिया गया था, लेकिन जमानती नहीं मिलने के कारण उन्हें कोर्ट में पेश कर जेल भेजा गया।

न्यूनतम वेतन लागू करने को लेकर श्रम विभाग, गुरुग्राम ने आईएमटी मानेसर स्थित एचएसआईआईडीसी कार्यालय में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की। बैठक की अध्यक्षता हरियाणा की अतिरिक्त श्रमायुक्त डॉ. अनुराधा लम्बा ने की, जिसमें गुरुग्राम और रेवाड़ी क्षेत्र के करीब 10 प्रमुख औद्योगिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। प्रोग्रेसिव फेडरेशन ऑफ ट्रेड एंड इंडस्ट्री के चेयरमैन दीपक मैनी ने कहा कि न्यूनतम वेतन में करीब 4000 रुपये की एकमुश्त वृद्धि एमएसएमई सेक्टर के लिए आर्थिक रूप से चुनौतीपूर्ण है।

बैठक में लेबर लॉ एडवाइजर एसोसिएशन, गुरुग्राम के अध्यक्ष एडवोकेट आरएल शर्मा ने कहा कि न्यूनतम वेतन में वृद्धि श्रमिकों के हित में महत्वपूर्ण कदम है, लेकिन इसके क्रियान्वयन के दौरान उद्योगों की व्यवहारिक कठिनाइयों को नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए। उन्होंने आगे कहा कि औद्योगिक शांति और सौहार्दपूर्ण माहौल बनाए रखने के लिए श्रम विभाग को उद्योगों और श्रमिकों के साथ नियमित बैठकें करनी चाहिए, जिससे आपसी समझ और सहयोग को बढ़ावा मिले।

ट्रैफिक व्यवस्था सुधारने को बड़ा कदम, 17 चौराहे सुधार के लिए चिन्हित किए

गुरुग्राम| गुरुग्राम महानगर विकास प्राधिकरण (जीएमडीए) ने गुरुग्राम के सेक्टर 1 से 57 के अंतर्गत आने वाले 17 चिन्हित चौराहों पर ट्रैफिक को सुगम बनाने और आवागमन को बेहतर करने के लिए डी-कंजेशन उपाय लागू करने की योजना बनाई है।

इन स्थानों की पहचान वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) के परामर्श से की गई है, जिसका उद्देश्य व्यस्त जंक्शनों पर ट्रैफिक जाम की स्थिति को कम करना और वाहनों से होने वाले पॉल्यूशन को नियंत्रित करने के प्रयासों को सुदृढ़ करना है। इस कार्य लिए करीब 7.58 करोड़ रुपए की अनुमानित लागत पर टेंडर जारी किए गए हैं। प्रस्तावित कार्यों के तहत जीएमडीए द्वारा स्लिप लेन का सुधार एवं विस्तार किया जाएगा, समर्पित यू-टर्न बनाए जाएंगे, फ्री लेफ्ट टर्न की व्यवस्था को सुगम किया जाएगा। इसके अलावा मीडियन की लंबाई को इस प्रकार समायोजित किया जाएगा कि उपलब्ध सड़क स्थान का बेहतर उपयोग हो सके। वाहनों के ठहराव को कम करने और ट्रैफिक फ्लो को बेहतर बनाने से इन व्यस्त स्थानों पर उत्सर्जन में भी कमी आएगी।

इन चौराहों पर होगा सुधार : सेक्टर 48/49/साउथ सिटी-2, सेक्टर 40/45 साइबर पार्क, सेक्टर 4/5 चौक, रेजांगला चौक, मेफील्ड गार्डन के पास मॉडर्न बाजार, सेक्टर-22 स्थित ताऊ देवी लाल पार्क के सामने, सेक्टर रोड 72 ए एवं सेक्टर 33, आर्केडिया मॉल रेड लाइट, सेक्टर 9 चौक, सेक्टर 4/7 चौक, दौलताबाद फ्लाईओवर, मिलेनियम सिटी मेट्रो स्टेशन, सेक्टर 41/45 रेड लाइट, बख्तावर चौक, यूनिटेक साइबर पार्क, घाटा पावर हाउस तथा कौशल चौक शामिल हैं।

जीएमडीए कार्यकारी अभियंता अमित गोदारा ने बताया कि इन प्रस्तावित उपायों के माध्यम से जीएमडीए शहर में यातायात की स्थिति को बेहतर बनाने, जाम को कम करने और वायु गुणवत्ता में सुधार लाने की दिशा में कार्य कर रहा है।

शोपीस बनी हैं तीन बाण वाली लाइटें: पंकज

गुरुग्राम (राजधानी चौपाल)| गुरुग्राम में कुछ साल पहले ही लगाए गए पोल को उखाड़कर तीन बाण वाले पोल तो लगा दिए गए हैं, लेकिन ये कई महीने से लाइटें नहीं जलने के कारण ये शोपीस बन गए हैं। कांग्रेस के जिला अध्यक्ष (शहरी) पंकज डावर का कहना है कि इन दिनों गुरुग्राम अंधेर नगरी बन गया है।

उन्होंने आरोप लगाया कि जनता के टैक्स के पैसों का बेतहाशा दुरुपयोग किया जा रहा है। क्योंकि जो लाइटें नियमित तौर पर जल रही थी, उन पोल को हटाकर ये नए पोल लगाए गए हैं। पंकज ने रात को ओल्ड रेलवे रोड व अन्य स्थानों का दौरा करके देखा कि तीन बाण वाली लाइटें बंद पड़ी हैं। उन्होंने कहा कि गुरुग्राम के आज हालात अंधेर नगरी चौपट राजा वाले हो गए हैं।

न्यूज ब्रीफ

अधिकारियों ने डीसी अजय को दी विदाई

गुरुग्राम (राजधानी चौपाल)| जिला के प्रशासनिक अधिकारियों तथा कर्मचारियों ने गुरुग्राम के डीसी अजय कुमार को उनके स्थानांतरण पर लघु सचिवालय के सभागार में गरिमापूर्ण विदाई दी। विदाई समारोह में प्रशासनिक अधिकारियों ने भगवान श्री राम की प्रतिमा भेंट कर उनका सम्मान किया। कार्यक्रम में गुरुग्राम के एडीसी सोनू भट्ट भी मौजूद रहे। डीसी अजय कुमार ने विदाई समारोह में अपने विचार साझा करते हुए कहा कि गुरुग्राम में बिताया गया लगभग एक वर्ष पांच महीने का कार्यकाल उनके जीवन के सबसे यादगार अनुभवों में शामिल रहेगा। इस दौरान उन्हें न केवल प्रशासनिक चुनौतियों का सामना करने का अवसर मिला, बल्कि एक सशक्त और सहयोगी टीम के साथ कार्य करने का भी अनुभव प्राप्त हुआ।

जनगणना: स्व-गणना प्रक्रिया को लेकर किया जागरूक

गुरुग्राम (राजधानी चौपाल)| जनगणना-2027 के तहत स्व-गणना प्रक्रिया की तैयारियों को लेकर शुक्रवार को लेकर सेक्टर-14 स्थित गर्ल्स कॉलेज में जागरूकता सेमिनार आयोजित किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य छात्राओं को स्व गणना की प्रक्रिया से अवगत कराना और उन्हें इस अभियान में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित करना रहा।

सेमिनार में उप निदेशक, जनगणना संचालन प्रमोद कुमार ने बताया कि 16 अप्रैल से शुरू होने वाली स्व गणना के माध्यम से नागरिक स्वयं ऑनलाइन अपनी जानकारी दर्ज कर सकते हैं, जिससे पूरी प्रक्रिया सरल और पारदर्शी बनेगी। उन्होंने छात्राओं से कहा कि वे इस जानकारी को अपने परिवार, मित्रों और आसपास के लोगों तक पहुंचाएं, ताकि अधिक से अधिक लोग इस सुविधा का लाभ उठा सकें। उन्होंने बताया कि स्व-गणना के लिए सबसे पहले पोर्टल पर जाकर अपना राज्य चुनें और वेरिफिकेशन कोड भरें। इसके बाद रजिस्ट्रेशन विकल्प में घर के मुखिया का नाम और मोबाइल नंबर दर्ज करें। एक मोबाइल नंबर से एक ही घर का पंजीकरण होगा। आगे भाषा विकल्प में 16 भाषाओं में से अपनी भाषा चुनें और ओटीपी वेरिफिकेशन पूरा करें। इसके बाद अपना जिला व शहर का नाम दर्ज करें और मैप पर दिख रहे लाल मार्कर को अपने घर की सटीक लोकेशन पर सेट करें। इसके बाद सवाल-जवाब का सेक्शन खुलेगा, जिसमें हाउस लिस्टिंग से जुड़े 33 सवालों के जवाब देने होंगे। यदि किसी प्रश्न में कठिनाई हो तो नोट्स और टूलटिप्स की मदद ली जा सकती है। कार्यक्रम में सहायक निदेशक, जनगणना संचालन गुरविंदर पाल सिंह, जिला समन्वय अधिकारी देवेश बंसल तथा मास्टर ट्रेनर संदीप मान उपस्थित रहे।

मंत्री राव नरवीर ने किया फर्रुखनगर अनाज मंडी का औचक निरीक्षण

फर्रुखनगर (राजधानी चौपाल)| प्रदेश के केबीनेट मंत्री राव नरवीर सिंह ने रविवार की शाम 6 बजे फर्रुखनगर की अनाज मंडी का औचक निरीक्षण कर गेहूं खरीद प्रक्रिया की जमीनी हकीकत जानी। मंत्री ने न केवल फसल की ढेरियों पर जाकर गुणवत्ता की जांच की, बल्कि अपनी मौजूदगी में नापतोल करवाकर पारदर्शिता को परखा। उन्होंने स्पष्ट किया कि सरकार एमएसपी पर किसानों की उपज का एक-एक दाना खरीदने के लिए पूरी तरह वचनबद्ध है।

शहर में सिटी बस के तीन नए स्टैंड बनाने की तैयारी

गुरुग्राम (राजधानी चौपाल)| शहर में सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए एक बड़ी योजना पर काम शुरू हो गया है। गुरुग्राम महानगर सिटी बस लिमिटेड (जीएमसीबीएल) की सिटी बसों के संचालन को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए शहर के अंदर तीन नए सिटी बस स्टैंड बनाए जाएंगे।

परिवहन विभाग और रोडवेज मुख्यालय की तरफ से इन तीनों जगहों पर जीएमसीबीएल को बस स्टैंड बनाने के लिए जमीन सौंपने की अगले माह तक हरी झंडी मिल चुकी है। वर्तमान में रोडवेज बस स्टैंड के द्वारका एक्सप्रेसवे पर शिफ्ट होने के बाद उसकी पुरानी जगह पर एक भव्य सिटी बस स्टैंड का निर्माण करने की योजना है। इसके अलावा राजीव चौक और सेक्टर-29 में भी परिवहन विभाग की जमीन पर सिटी बस स्टैंड स्थापित किए जाएंगे।

फंसी कार को निकालने के बहाने लेकर भागा चोर, तलाशी में मारे छापे

गुरुग्राम (राजधानी चौपाल)| गुरुग्राम में कैब चोरी का एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है। गड्ढे में फंसी कार निकालने में मदद के बहाने ड्राइवर सीट पर बैठा युवक कार लेकर फरार हो गया। पुलिस जांच में सामने आया है कि आरोपी युवक ने गाजियाबाद उत्तर प्रदेश के एक पेट्रोल पंप पर 3300 रुपए का पेट्रोल भी डलवाया और बिना रुपए दिए ही वहां से भी भाग गया। इस संबंध में पीड़ित कैब ड्राइवर ने सेक्टर-37 थाने में एफआईआर दर्ज करवाई है। पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। वहीं पीड़ित कैब मालिक विकास ने गाड़ी का पता बताने और रिकवरी करने वाले को 20 हजार रुपए का इनाम देने की बात कही है। वहीं थाना प्रभारी ने बताया कि यह मामला चोरी का नहीं बल्कि अमानत में खयानत का है, जिसमें जांच की जा रही है। अभी तक आरोपी की पहचान नहीं हुई है।

पीड़ित विकास ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह मूल रूप से उत्तर प्रदेश के एटा जिले के गांव नंगला हरजू सराय का रहने वाला है। पिछले दो महीने से वह कांकरौला गांव में किराए पर रहकर उबर कैब चला रहा है। करीब 100 दिन पहले ही उसने दो जनवरी 2026 को उसने सफेद रंग की हुंडई ऑरा कार खरीदी थी। जिसे वह उबर प्लेटफार्म पर चलाता है। 10 अप्रैल की रात करीब एक बजे वह गुरुग्राम में शक्ति पार्क से विश्वकर्मा नगर की बुकिंग लेकर गया था। वहां नेशनल हाईवे-48 सर्विस रोड पर अनाज मंडी हरिनगर अंडरपास के पास अचानक कार सड़क किनारे गड्ढे में फंस गई। वह काफी देर तक कोशिश करता रहा, लेकिन कार नहीं निकली। इसी दौरान करीब 1.15 बजे एक युवक उसके पास आया और बोला कि वह यह कार निकाल देगा।

देश सामाजिक दृष्टि से नए दौर में पहुंचा: बिमला चौधरी

गुरुग्राम (राजधानी चौपाल)| पटौदी विधायक बिमला चौधरी ने कहा कि देश आज सामाजिक और विकासात्मक दृष्टि से एक नए दौर में प्रवेश कर चुका है, जहां प्रगति का अर्थ केवल आर्थिक उन्नति तक सीमित नहीं रहा, बल्कि समान अवसर, सामाजिक न्याय और सभी वर्गों की भागीदारी इसके महत्वपूर्ण आयाम बन चुके हैं। विधायक ने कहा कि नारी शक्ति वंदन अधिनियम इसी बदलती सोच और व्यापक विकास दृष्टिकोण का सशक्त उदाहरण है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पारित यह अधिनियम महिलाओं को निर्णय प्रक्रिया में सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है। इससे महिलाएं केवल योजनाओं की लाभार्थी ही नहीं रहेंगी, बल्कि नीति निर्माण और शासन में अपनी प्रभावी भूमिका निभा सकेंगी।

न्यायाधिकरण नहर के पानी की रिपोर्ट बनाएगा

फरीदाबाद/गुरुग्राम (राजधानी चौपाल)| रावी और ब्यास नदियों के पानी बंटवारे पर पंजाब, हरियाणा और राजस्थान के बीच चल रहे विवाद के लिए केंद्र सरकार रावी-ब्यास जल ट्रिब्यूनल (न्यायाधिकरण) गठित किया हुआ है। यह न्यायाधिकरण 17 अप्रैल से दक्षिण हरियाणा के तीन दिवसीय दौरे पर रहेगा। इस दौरान यह नहरी पानी की रिपोर्ट तैयार करेगा।

न्यायाधिकरण के सदस्यों के साथ-साथ केंद्रीय जल संसाधन मंत्रालय और हरियाणा सिंचाई विभाग के अधिकारी भी मौजूद रहेंगे। यह दौरा 17 अप्रैल से शुरू होकर 19 अप्रैल तक रहेगा।

न्यायाधिकरण के सदस्य इस दौरान ओखला बैराज से लेकर नूंहतक गुरुग्राम नहर का दौरा करने की योजना है। यह नहर फरीदाबाद, पलवल, गुरुग्राम और नूंह से आगे राजस्थान के भरतपुर तक जाती है। सिंचाई विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि रावी-ब्यास नदी के जल विवाद के समाधान की दिशा में अलग-अलग जगह का न्यायाधिकरण दौरा करेगा।

समाधान की उम्मीद : न्यायाधिकरण की रिपोर्ट के आधार पर सतलुज-यमुना लिंक (एसवाईएल) नहर के पानी के बंटवारे का समाधान होने की उम्मीद है। सिंचाई विभाग के अधिकारियों से मिली जानकारी के अनुसार, वर्ष 1985 में पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी और अकाली नेता संत हरचंदसिंह लौंगोवाल के बीच एसवाईएल नहर बनाने को लेकर समझौता हुआ था।

छात्र शारीरिक शिक्षा को विषय के रूप में चुन सकेंगे

गुरुग्राम (राजधानी चौपाल)| हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड के स्कूलों में 11वीं और 12वीं के छात्रों के लिए पढ़ाई और खेल के बीच की दूरी काफी हद तक खत्म हो जाएगी। नए सत्र 2026-27 से छात्र फिजिकल एजुकेशन को अपने विषय के रूप में चुन सकेंगे और अपनी रुचि को पढ़ाई के साथ जोड़ पाएंगे। बोर्ड की ओर से जारी निर्देशों में साफ कहा गया है कि मेडिकल, नॉन-मेडिकल और कॉमर्स तीनों ही स्ट्रीम के विद्यार्थियों को यह विकल्प दिया जाएगा। इसके लिए स्कूलों को एमआईएस पोर्टल पर विषय चयन की सुविधा उपलब्ध करानी होगी, ताकि इच्छुक छात्र फिजिकल एजुकेशन को विषय के रूप में चुन सकें। जिला शिक्षा अधिकारियों के माध्यम से सभी स्कूलों को यह व्यवस्था लागू करने के निर्देश दे दिए गए हैं।

कार से टक्कर मारकर जानलेवा हमला करने के मामले में आरोपी गिरफ्तार

गुरुग्राम (राजधानी चौपाल)| सेक्टर-40 थाना क्षेत्र में आपसी कहासुनी में कार की टक्कर मारकर दो युवकों पर जानलेवा हमला करने के मामले में पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। इस वारदात को आरोपी ने गत 10 अप्रैल की रात को अंजाम दिया था, जब चार युवक रेस्टोरेंट में रुके और खाना खाकर बाहर निकले तो आपस में कहासुनी हो गई। इसके बाद जब वे कन्हई गांव पैदल जा रहे थे तो इसी दौरान मयंक व ललित कार लेकर आए और जान से मारने की नीयत से इनको टक्कर मार दी, जिसमें इसके पैर में चोट आई जबकि इसके दोस्त चंचल के छाती व पसलियों में चोट आई। यही नहीं आरोपी युवकों ने घायलों को जाते समय जान से मारने की धमकी दी। पुलिस ने आरोपी से कार भी बरामद कर ली है।

औद्योगिक क्षेत्रों को नियमित कराने का मौका

गुरुग्राम (राजधानी चौपाल)| गुरुग्राम में अनियमित औद्योगिक क्षेत्रों को नियमित करने के लिए प्रदेश सरकार ने उद्यमियों को बड़ी राहत देते हुए एक और अवसर प्रदान किया है। नए निर्णय के तहत अब उन

औद्योगिक क्लस्टरों में नगर एवं ग्राम नियोजन विभाग से अनापत्ति प्रमाणपत्र (एनओसी) और भूमि उपयोग परिवर्तन (सीएलयू) की अनिवार्यता समाप्त कर दी गई है, जहां कम से कम 10 एकड़ क्षेत्र में 50 या उससे अधिक उद्यमी सक्रिय हैं। इस फैसले से जिले के करीब एक हजार उद्योगों को सीधा लाभ मिलने की संभावना है, जो लंबे समय से नियमितीकरण की मांग कर रहे थे। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने वर्ष 2025-26 के बजट में अनधिकृत औद्योगिक क्षेत्रों को नियमित करने की घोषणा की थी। इसके तहत जब तक उद्यमियों के आवेदन पर अंतिम निर्णय नहीं हो जाता, तब तक इन क्षेत्रों को वैध मानते हुए सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। नियमितीकरण के लिए उद्यमियों को सामूहिक रूप से पोर्टल पर आवेदन करना होगा, जहां प्रत्येक आवेदन पर 25 रुपये प्रति वर्ग मीटर की स्क्रूटनी फीस निर्धारित की गई है।

रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे: औद्योगिक संगठनों का मानना है कि नियमों में इस तरह के संशोधन से उद्योगों को बैंक ऋण मिलने में आसानी होगी, बुनियादी ढांचे का विकास होगा और निवेश को बढ़ावा मिलेगा। इससे न केवल औद्योगिक गतिविधियों को गति मिलेगी, बल्कि रोजगार के नए अवसर भी सृजित होंगे।

जिले के कादीपुर, दौलताबाद, बसई और बहरामपुर जैसे क्षेत्रों में स्थित करीब एक हजार उद्योग इस योजना से लाभान्वित होंगे। पहले बनाए गए पोर्टल में तकनीकी समस्याओं के कारण उद्यमियों को दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा था, लेकिन अब नया और सरल पोर्टल शुरू कर दिया गया है,

गर्मी बढ़ने के साथ ही बिजली कटौती के बढ़ने से लोगों में आक्रोश

बिजली की खपत अभी 1500 मेगावाट पहुंची, रोजाना छह घंटे तक लग रहे कट, लोग परेशान

गुरुग्राम (राजधानी चौपाल)| मौसम साफ होने के साथ ही गर्मी तेजी से बढ़ने लगी है। रविवार को गुरुग्राम में अधिकतम तापमान 33.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, लेकिन अप्रैल के तीसरे सप्ताह तक दिन का तापमान 40 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंचने की संभावना है। हालांकि बिजली निगम के अधिकारियों का कहना है कि अभी तक फॉल्ट की वजह से बिजली बंद होने की बात कही जा रही है। लेकिन ग्रामीण क्षेत्रों से लेकर शहरी क्षेत्र में भी चार से छह घंटे तक बिजली की कटौती किए जाने से उपभोक्ताओं को परेशानी झेलनी पड़ रही है। उपभोक्ताओं का कहना है कि अभी तापमान 35 डिग्री सेल्सियस से कम है, फिर भी बिजली कटौती की जा रही है तो आने वाले गर्मी के दिनों में बिजली कटौती परेशानी बढ़ा सकती है।

गुरुग्राम के धनकोट, फर्रुखनगर क्षेत्र, बादशाहपुर सब स्टेशन से लगती मारुति कुंज, भोंडसी, देवनगर, भूप सिंह नगर के अलावा कादरपुर से लगती कालोनियों में भी रोजाना छह घंटे तक बिजली के कट लगाए जा रहे हैं। रात को भी एक से दो घंटे तक बिजली सप्लाई

बंद रहने से उपभोक्ता परेशान हो रहे हैं। इसके अलावा ओल्ड गुरुग्राम की कई कालोनियों के उपभोक्ताओं का कहना है कि सर्दी के दिनों में बिजली कटौती कम थी, लेकिन गर्मी बढ़ने के साथ ही यह कटौती पांच से छह घंटे रोजाना की जा रही है, जिससे उपभोक्ताओं में रोष बना हुआ है। हालांकि बिजली निगम के एसई सर्कल-2 के सोमवीर सैनी ने बताया कि अंसल एसेंशिया, बादशाहपुर व पटौदी सब स्टेशन पर काम चल रहा है, जिसे जल्द ही तैयार कर लिया जाएगा। आने वाले गर्मी के दिनों में परेशानी नहीं होने दी जाएगी।

गुरुग्राम जिला में सबसे अधिक बिजली खपत : गुरुग्राम अकेला ऐसा जिला है, जिसमें बिजली निगम के दो सर्कल हैं। तेजी से बढ़ती जनसंख्या के कारण गुरुग्राम जिला के दोनों सर्कल में करीब 9.5 लाख उपभोक्ता हैं, जिनमें इंडस्ट्रीयल कमर्शियल उपभोक्ताओं की भी संख्या 50 हजार से अधिक है। जिला में प्रदेश में सबसे अधिक बिजली खपत रहती है। यही वजह है कि गत वर्ष गुरुग्राम में पांच करोड़ यूनिट तक पहुंच गई थी। हालांकि अप्रैल महीने में कई बार बारिश का मौसम बने रहने से अभी तक बिजली की खपत 1500 मेगावाट है। जो इस साल जून महीने में बढ़कर 25 सौ मेगावाट तक पहुंचने की संभावना है।

गुरुग्राम सर्कल-2 एसई सोमवीर सैनी ने बताया कि जून महीने की शुरुआत तक अंसल एसेंशिया में नए सब स्टेशन को शुरू कर दिया जाएगा। इसके अलावा बादशाहपुर में नए सब स्टेशन पर तेजी से काम चल रहा है। ऐसे में इस बार भीषण गर्मी में उपभोक्ताओं को परेशान नहीं होने दिया जाएगा।

टीपू ने तीसरी साऊथ एशिया जु-जित्सु प्रतियोगिता में जीता गोल्ड मेडल

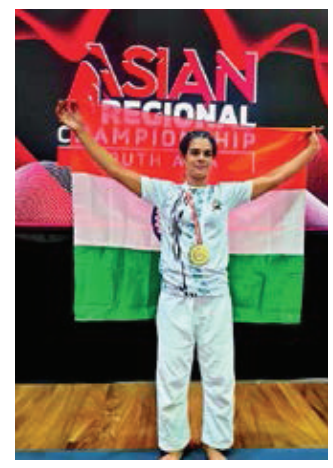

गुरुग्राम (राजधानी चौपाल)| गुरुग्राम के गांव कांकरौला की बेटी टीपू यादव ने श्रीलंका में गोल्ड मेडल जीता है। तीसरी साऊथ एशिया जु-जित्सु प्रतियोगिता में टीपू ने अपने सभी मुकाबलों में प्रतिद्वंदी खिलाड़ियों को हराकर गोल्ड मेडल हासिल करने वाली टीपू ने फाइनल में मेजबान श्रीलंका की खिलाड़ी को हराया। इससे पहले सेमीफाइनल में पाकिस्तान की खिलाड़ी को हराकर फाइनल में स्थान बनाया था।

कॉल सेंटर कर्मी व कॉलेज स्टूडेंट की स्कूटी में टक्कर मारने वाला आरोपी अरेस्ट

गुरुग्राम (राजधानी चौपाल)| सेक्टर-56 थाना एरिया में स्कूटी में टक्कर मारने के मामले में पुलिस ने टाटा हैरियर कार चालक को गिरफ्तार कर लिया है। इस हादसे में स्कूटी सवार दोनों युवकों की उपचार के दौरान मौत हो गई थी। यह हादसा गत 3 अप्रैल को हुआ था। करीब एक सप्ताह बाद पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार किया है। सेक्टर-60 निवासी कार्तिक सुरेश (24 वर्ष) गुरुग्राम की एक निजी यूनिवर्सिटी में पढ़ाई कर रहा था और बिहार के मोतिहारी निवासी रितिक गुरुग्राम में एक कॉल सेंटर में नौकरी करता था। कार्तिक सुरेश के पिता माथुर शंकरा नारायण सुरेश ने मामले को लेकर पुलिस को शिकायत दी थी। आरोपी की पहचान अकरीत यादव (उम्र-21 वर्ष) निवासी गाजियाबाद (उत्तर-प्रदेश) के रूप में हुई।

गेहूं की फसल पर ओले गिरने और बरसात के कारण गेहूं का दाना टूटा, चमक घटी, एफसीआई नहीं ले रहा गेहूं

हिसार (राजधानी चौपाल) | ओलावृष्टि और बरसात के कारण गेहूं के दानें टूट जाने, अंडरसाइज रहने और चमक कम होने से लस्टर लॉस पहुंचा है। ऐसे में भारतीय खाद्य निगम एफसीआई द्वारा खरीद एजेंसियों द्वारा लिये गए गेहूं को अपने गोदामों में नहीं रखवाया जा रहा है, न ही एफसीआई डायरेक्ट इस गेहूं को दूसरे राज्यों में भेज रहा है। गेहूं की फसल में लस्टर लॉस के कारण गुणवत्ता में कमी आई है। इसके कारण एफसीआई गेहूं को नहीं ले रहा है। एफसीआई ने अपने मुख्यालय से लस्टर लॉस को लेकर छूट दिए जाने के बारे में पूछा गया है। हेड क्वार्टर से जवाब आने के बाद ही एफसीआई गोदामों में गेहूं रखवाएगा।

वहीं, हरियाणा में ओलावृष्टि और बरसात के कारण गेहूं के लस्टर लॉस में 70 प्रतिशत तक की छूट केंद्र सरकार ने प्रदान की है। सूखे और टूटे दानों में 15 प्रतिशत तक की छूट दी है। केंद्र सरकार द्वारा लस्टर लॉस और टूटे दानों में छूट दिए जाने के बाद अब एफसीआई द्वारा सेंट्रल पूल के लिए गेहूं लिया जा सकता है, इसके कारण आगामी दिनों में मंडियों में उठान में तेजी आ सकती है। इस संदर्भ में केंद्र सरकार द्वारा देर सायं पत्र जारी किया गया है।

इधर, हिसार व हांसी की 22 मंडियों में एफसीआई द्वारा गेहूं न लेने पर उठान भी प्रभावित हो रहा है। बीते तीन-चार दिन से मंडियों में गेहूं की आवक बढ़ी है। इसके कारण मंडियों में गेहूं रखने को जगह कम पड़ रही है। गौरतलब है कि जिले में 31 मार्च को ओलावृष्टि और अप्रैल की शुरुआत में बरसात के कारण गेहूं की गुणवत्ता में कमी आई है। इसके कारण यह सेंट्रल पूल के नियमों को पूरा नहीं कर रही। इसलिए सेंट्रल एजेंसी अभी गेहूं को नहीं ले रही। मंडियों में हैफेड, एचडब्ल्यूसी और फूड एंड सप्लाई द्वारा गेहूं खरीद की जा रही है। इन तीनों से भी एफसीआई सेंट्रल पूल के लिए गेहूं लेता है।

हिसार मंडी में पहुंचा 98 हजार क्विंटल गेहूं, 67 हजार की खरीद, मंडी के पीछे एफसीआई गोदाम लेकिन आज से हांसी भेजा जा रहा गेहूं हिसार अनाज मंडी में अब तक 98 हजार क्विंटल गेहूं पहुंच चुका है। अब तक खरीद 67 हजार क्विंटल की हुई है। एफसीआई गोदाम अनाज मंडी के पीछे ही हैं लेकिन गेहूं न उठाने से अब मंडी में काफी गेहूं इकट्ठा हो चुका है। अब ठेकेदार को मंडी से गेहूं उठाकर हांसी में खाद्य एवं आपूर्ति विभाग के ओपन स्पेश पर भेजना पड़ रहा है, ताकि मंडी में आने वाले किसानों को गेहूं डालने के लिए जगह मिल सके। हिसार अनाज मंडी में बुधवार को 21 हजार 548 क्विंटल गेहूं पहुंचा है।

हिसार और हांसी जिलों में पहुंचा 44.25 लाख क्विंटल गेहूं हिसार और हांसी जिलों में 44.25 लाख क्विंटल गेहूं पहुंचा है। उठान महज 3.25 लाख क्विंटल का हो सका है। हिसार जिले में 22.75 लाख क्विंटल गेहूं की आवक रही, जबकि खरीद 10.19 लाख क्विंटल की हुई है, जबकि उठान महज 2 लाख 399 क्विंटल का हुआ है। हांसी जिले की मंडियों में 21.50 लाख क्विंटल गेहूं की आवक हुई है, खरीद महज 8.12 लाख क्विंटल का हुआ है और उठान महज 1.23 लाख क्विंटल का हो सका है।

हैफेड मैनेजर वीरेंद्र सिंह ने बताया कि गेहूं की खरीद की जा रही है। एफसीआई द्वारा लस्टर लॉस बताकर गेहूं अपने गोदामों में नहीं रखवाई जा रही इसलिए उठान में दिक्कत है। बरसात व ओलों के कारण गेहूं के दाने टूटे आ रहे हैं और चमक भी कम है।

हिसार डीएफएससी अमित शेखावत ने बताया कि एफसीआई द्वारा सेंट्रल पूल के लिए गेहूं ली जाती है। इसे दूसरे स्टेट में भी भेजा जाता है और एफसीआई के गोदामों में रखवाया जाता है। लस्टर लॉस के कारण एफसीआई अभी गेहूं नहीं ले रहा, जिसके कारण उठान में समस्या है। सभी ठेकेदारों को दूसरे गोदामों पर गेहूं रखने के लिए कहा गया है।

न्यूज ब्रीफ

गुजवि एडवांस डिप्लोमा इन चाइल्ड गाइडेंस एंड काउंसलिंग के छात्रों ने किया पटेल नगर आगंवानड़ी केंद्र का दौरा

हिसार (राजधानी चौपाल) | 'बचपन के पहले 6 साल - पोषण पढ़ाई के लिए बेमिसाल' थीम के साथ देश भर में 9 अप्रैल से 23 अप्रैल से मनाया जा रहे 8वां पोषण पखवाड़ा के मौके पर गुरु जम्भेश्वर विश्वविद्यालय के एडवांस डिप्लोमा इन चाइल्ड गाइडेंस एंड काउंसलिंग के छात्र छात्राओं ने हिसार के पटेल नगर आंगनवाड़ी केंद्र का दौरा किया जिसमें बच्चों के दिमाग के विकास एवं मानसिक दशा के विभिन्न पहलुओं को पोषण के साथ जोड़ते हुए समझा। इसमें बच्चे के जीवन के पहले छह वर्षों में मस्तिष्क का (करीब 85 प्रतिशत) सबसे अधिक विकास होता है जिसके लिए पोषण का बहुत ही महत्वपूर्ण योगदान है। इसी कड़ी में आंगनवाड़ी की सदस्य अनीता ने मां एवं पोषण, प्रारंभिक उत्तेजना (1-3), स्क्रीन टाइम कम करने में माता पिता की भूमिका, शुरुआती दिनों में खेल आधारित शिक्षा जैसे महत्वपूर्ण केंद्र बिंदुओं पर बातचीत की। एडवांस डिप्लोमा इन चाइल्ड गाइडेंस एंड काउंसलिंग से मेनका ग्रोवर, प्रियांशी परमार, अनीता कुमारी,भावना दहिया, ममता भारती एवं संदीप कुमार ने बहुत ही उत्साह के साथ भागीदारी रही।

प्रणामी स्कूल में वैसाखी एवं डॉ. भीमराव अंबेडकर जयंती संयुक्त रूप से मनाई गई

मंडी आदमपुर (राजधानी चौपाल) | श्री कृष्ण प्रणामी वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, आदमपुर में वैसाखी पर्व एवं डॉ. भीमराव रामजी अंबेडकर जयंती हर्षोल्लास एवं गरिमामय वातावरण में मनाई गई। कार्यक्रम का आयोजन विद्यालय के सावित्रीबाई फुले हाउस की इंचार्ज श्रीमती अनु गोयल एवं सदस्यों द्वारा विद्यार्थियों के सहयोग से किया गया। इस अवसर पर विद्यार्थियों द्वारा भांगड़ा, गिद्धा एवं लोकगीत प्रस्तुत किए गए, जिससे वातावरण उत्साहपूर्ण बन गया। डॉ. अंबेडकर जयंती के अवसर पर विद्यार्थियों ने उनके जीवन, संघर्ष तथा भारतीय संविधान निर्माण में उनके योगदान पर भाषण प्रस्तुत किए। विद्यार्थियों ने बताया कि डॉ. अंबेडकर ने समाज में समानता, शिक्षा एवं अधिकारों के लिए महत्वपूर्ण कार्य किए। विद्यालय के प्रधानाचार्य धर्मपाल पनिहार ने अपने संबोधन में कहा कि वैसाखी हमें मेहनत और खुशहाली का संदेश देती है, जबकि डॉ. अंबेडकर का जीवन हमें शिक्षा और समानता का मार्ग दिखाता है।

टेंडर फीट स्कूल में धूमधाम से मनाया गया बैसाखी पर्व

हिसार (राजधानी चौपाल) | जवाहर नगर गली नं 12 स्थित टेंडर फीट स्कूल में बैसाखी उत्सव बड़े ही हर्ष और उल्लास के साथ मनाया गया। यह कार्यक्रम विद्यालय परिसर में आयोजित किया गया, जिसमें विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम की शुरुआत प्रार्थना सभा से हुई। इसके बाद विद्यार्थियों द्वारा बैसाखी के महत्व पर भाषण प्रस्तुत किए गए। बच्चों ने रंग-बिरंगे पारंपरिक परिधानों में भांगड़ा और गिद्धा नृत्य प्रस्तुत कर माहौल को उत्साहित बना दिया। इस अवसर विद्यालय में विशेष सजावट की गई थी, जिसमें खेतों, फसल और पंजाबी संस्कृति को दर्शाया गया। विद्यालय निदेशक नर्मदा सिंह ने बच्चों को बैसाखी के महत्व के बारे में विस्तार से समझाया और उन्हें हमारी संस्कृति एवं परंपराओं से जुड़ने के लिए प्रेरित किया।

प्रीतम सिंह बेनीवाल एसो. के जिला प्रधान, गुरुदेव शर्मा सचिव नियुक्त

हिसार (राजधानी चौपाल) | द रेवेन्यू पटवार कानूनगो एसोसिएशन जिला हिसार का सम्मेलन पटवार भवन हिसार में जयवीर सिंह चहल राज्य कार्यकारिणी प्रधान की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। इस सम्मेलन में सर्वसम्मति से प्रीतम सिंह बेनीवाल को जिला प्रधान नियुक्त किया गया व गुरुदेव शर्मा को जिला सचिव, कपिल महता को कोषाध्यक्ष, सुनील पटवारी को वरिष्ठ उप प्रधान, मोनिका पटवारी व राम सिंह कानूनगो को उप प्रधान, जसवीर सिंह पटवारी प्रचार सचिव, हवा सिंह कानूनगो सलाहकार, संदीप पटवारी को ऑडिटर व ममता रानी को मीडिया सलाहकार सर्व सम्मति से नियुक्त किया गया।

इस अवसर पर सर्व कर्मचारी संघ से अशोक कुमार सैनी जिला प्रधान हिसार व जय कुमार ब्लॉक सैक्रेटरी, नरेश गौतम रिटायर्ड सर्व कर्मचारी संघ, वीरेंद्र सिंह ब्लॉक सचिव आदमपुर व व बलवीर सिंह झाझडिया राज्य कार्यकारिणी सदस्य चुनाव पर्यवेक्षक के रूप में उपस्थित रहे। इस अधिवेशन में जिला के सभी कानूनगो एवं पटवारी शामिल रहे।

विश्वास सीनियर सेकेंडरी स्कूल का परीक्षा परिणाम रहा उत्कृष्ट एवं शत्-प्रतिशत

हिसार (राजधानी चौपाल) | अर्बन इस्टेट स्थित विश्वास सीनियर सेकेंडरी स्कूल ने एक बार फिर उत्कृष्टता की मिसाल पेश की है। कक्षा दसवीं का बोर्ड परीक्षा परिणाम हर वर्ष की भांति इस बार भी शत प्रतिशत रहा जिससे विद्यालय में उत्सव का माहौल है। कक्षा दसवीं में 59 विद्यार्थियों ने बोर्ड मेरिट में प्राप्त स्थान प्राप्त किया। टॉपर श्रेयसी ने 97.4% शुभम शर्मा ने 96.2% शिवांगी ने 95.2% आरुषि सेमवाल ने 95% आदित्य चौहान ने 94 %आयुष बंसल ने 93% वंश गोयल ने 93% मुस्कान ने 92.4 % शुभम पानू ने 92.2 % पप्पू कुमार ने 91.4 % आंचल ने 91% खुशी ने 90 %जयादित्य शर्मा ने 89.4 % विवेका ने 89.4 % चरिता ने 88.6 % तरुण ने 88.4 % इशिका ने 88.2% भावना ने 88 % आयुशा ने 88 % युग शर्मा ने 85.4 % आयशा ने 85.2 % कुदरत ने 85.2 % ओम नैथानी ने 85 % जश्न ने 84.8 %ध्रुवी ने 84.4% अलीशा गुप्ता ने 84.4 % मोहित ने 84%, भूमि सैनी ने 83.8 % मनीष ने 83.6% , प्रिंस ने 83% आदित्य सिंह ने 82.8% समीर ने 82.8% प्रियांशु ने 82.6 %आकाश कुमार ने 82.4 % राघव ने 81.4% वर्चस्व ने 81.4,% रुद्र आदित्य ने 81% शिवकुमार ने 80.6% अंक प्राप्त कर अपने विद्यालय तथा माता-पिता का नाम रोशन किया। इस उपलब्धि पर विद्यालय प्राचार्य दिनेश चंद्र सेमवाल ने तथा सभी शिक्षकों , बच्चों और उनके अभिभावकों को हार्दिक बधाइयाँ और शुभकामनाएँ दीं।

बाबा साहेब अंबेडकर के दिखाए मार्ग को अपनाएं : विधायक चंद्रप्रकाश

हिसार / मंडी आदमपुर (राजधानी चौपाल) | बाबा साहेब डॉ. बी. आर. अंबेडकर जयंती पर आयोजित विभिन्न समारोह में विधायक चंद्रप्रकाश ने हिस्सा लिया और बाबा साहेब के दिखाए मार्ग को अपनाने का आह्वान किया। उन्होंने बालसमंद, आदमपुर व चिड़ौद में आयोजित समारोह में बतौर मुख्यातिथि शिरकत करके बाबा साहेब के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की और ग्रामवासियों से मुलाकात करके उनका कुशलक्षेम जाना।

चिड़ौद में डॉ. भीमराव अंबेडकर युवा क्रांति क्लब व ग्रामवासियों द्वारा आयोजित रक्तदान शिविर में पहुंचकर विधायक चंद्रप्रकाश ने रक्तदाताओं से मुलाकात करके उनका हौसला बढ़ाया और उन्हें प्रमाण-पत्र भी प्रदान किए। इसी भांति आदमपुर के पश्चिमी पाने में स्थित चौपाल पर आयोजित बाबा साहेब अंबेडकर जयंती समारोह में हिस्सा लेकर बाबा साहेब के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की और उनके द्वारा किए गए जनहित के कार्यों को याद किया। बालसमंद के रविदास भवन में आयोजित समारोह में भी विधायक चंद्रप्रकाश ने मुख्यातिथि के रूप में हिस्सा लिया। यहां पर ग्रामवासियों व कार्यकर्ताओं ने केक काटकर बाबा साहेब का जन्मोत्सव मनाया। विभिन्न समारोह में आयोजक मंडल व ग्रामवासियों ने विधायक चंद्रप्रकाश को फूल मालाएं पहनाकर और पुष्प गुच्छ व बाबा साहेब का चित्र भेंट करके सम्मानित किया। इस दौरान चंद्रप्रकाश ने कहा कि हर जगह ग्रामवासियों का भरपूर स्नेह व आयोजक मंडल का भरपूर सहयोग मिला है। वे इस मान-सम्मान को आजीवन भुला नहीं पाएंगे।

इधर... डॉ. बी. आर. अंबेडकर जयंती पर चिड़ौद में आयोजित रक्तदान शिविर में विधायक चंद्रप्रकाश ने मुख्यातिथि के रूप में हिस्सा लिया। उन्होंने रक्तदाताओं से मुलाकात की और इस पुनीत कार्य के लिए बधाई दी। इस दौरान चंद्रप्रकाश ने कहा कि रक्तदान से बढक़र कोई दान नहीं है।

गुरु द्रोणाचार्य इंटरनेशनल स्कूल का 10वीं का रिजल्ट 100%, क्षेत्र में खुशी की लहर

मंडी आदमपुर (राजधानी चौपाल) | मंडी आदमपुर स्थित गुरु द्रोणाचार्य इंटरनेशनल स्कूल ने एक बार फिर उत्कृष्ट शिक्षा और विद्यार्थियों की मेहनत का शानदार उदाहरण पेश करते हुए कक्षा 10वीं का परिणाम 100% देकर इतिहास रच दिया है। इस उपलब्धि ने न केवल विद्यालय बल्कि पूरे क्षेत्र का मान बढ़ाया है। इस वर्ष भी विद्यार्थियों ने लगन, अनुशासन और निरंतर प्रयास के दम पर शानदार प्रदर्शन किया। मेधावी छात्रों में दीपेश ने 96.6%, यशिका ने 91.8% तथा गरिमा ने 91% अंक प्राप्त कर विद्यालय का नाम रोशन किया। विशेष बात यह रही कि 6 विद्यार्थियों ने 90% से अधिक अंक हासिल किए, जबकि 18 विद्यार्थियों ने 80% से ऊपर अंक प्राप्त कर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया। सभी विद्यार्थियों ने 60% से अधिक अंक प्राप्त कर विद्यालय की गौरवपूर्ण परंपरा को आगे बढ़ाया। विद्यालय के होनहार छात्र दीपेश ने विज्ञान व कंप्यूटर एप्लीकेशन विषय में 99% अंक प्राप्त किए, वहीं गरिमा और यशिका ने हिंदी विषय में 98% अंक हासिल कर अपनी प्रतिभा का परिचय दिया। इस सफलता का श्रेय विद्यार्थियों की मेहनत, शिक्षकों के समर्पित मार्गदर्शन और अभिभावकों के सहयोग को दिया जा रहा है। विद्यालय का अनुशासित वातावरण और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा विद्यार्थियों को सफलता की ऊंचाइयों तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभा रही है। विद्यालय प्रबंधन के चेयरमैन श्री भूपसिंह ज्याणी, निदेशक श्री अजय ज्याणी और प्राचार्या डॉ. अमित ग्रेवाल सहित समस्त स्टाफ ने सभी विद्यार्थियों को इस शानदार सफलता पर हार्दिक बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

प्राचार्या ने अपने संदेश में कहा कि यह परिणाम विद्यार्थियों के परिश्रम, समर्पण और आत्मविश्वास का प्रतीक है। यदि लक्ष्य स्पष्ट हो और मेहनत सच्ची हो, तो सफलता निश्चित मिलती है। उन्होंने विद्यार्थियों को भविष्य में भी इसी तरह निरंतर प्रयास करते रहने और अपने परिवार, विद्यालय व देश का नाम रोशन करने के लिए प्रेरित किया।

लायंस क्लब हिसार सिटी की नई कार्यकारिणी का गठन, पवन प्रधान व संजय सचिव बने

हिसार (राजधानी चौपाल) | लायंस क्लब हिसार सिटी 321-ए3 की वर्ष 2026-2027 की कार्यकारिणी का गठन किया गया। नव नियुक्त कार्यकारिणी में लॉयन पवन सिंगला को प्रधान, लॉयन संजय अग्रवाल को सचिव व लॉयन दर्शन खुराना को कोषाध्यक्ष चुना गया। नई कार्यकारिणी ने आगामी वर्ष में क्लब के कार्यों को आगे बढ़ाने और उसमें निरंतर प्रगति करने का संकल्प लिया। प्रधान लॉयन पवन सिंगला ने कहा कि वे पूरी टीम को साथ लेकर क्लब के सामाजिक कार्यों व उद्देश्यों को पूरा करने के लिए निरंतर प्रयासरत्त रहेंगे। उन्होंने क्लब के सभी सदस्यों व वरिष्ठ पदाधिकारियों का आभार जताया।

लीडिंग स्कूल में भंगड़ा, गिद्दा व हरियाणवी नृत्य कर मनाया बैसाखी पर्व

हिसार (राजधानी चौपाल) | लीडिंग सीनियर सेकेंडरी आजाद नगर में सबरंग कला संस्कृति संस्थान की ओर से बैसाखी महोत्सव बड़ी धूमधाम से मनाया गया। संस्थान के निदेशक संजय कायत ने बताया कि इस मौके पर मुख्य अतिथि के रुप में सी.आर.एम.जाट महाविद्यालय के प्राचार्य सुरेंद्र बाजिया और विशिष्ट अतिथि पूर्व समाज कल्याण अधिकारी डॉ. दलबीर सैनी, सत्य स्किल कॉलेज के डायरेक्टर सुरेंद्र सिंगला, आकाशवाणी हिसार के निदेशक पवन कुमार, पूर्व प्रबंधक एस.बी.आई. आर.बी. आर्या, संतोष कोकिल, वतन पंघाल रहे। वही मंच संचालन गुरप्रीत कौर सैनी ने किया। इस अवसर पर कलाकारों ने पंजाबी भंगड़ा, गिद्दा, हरियाणवी नृत्य, कोरियोग्राफी और गायन से सभी दर्शकों का मन मोह लिया। कलाकारो में इंदु जांगड़ा, पायल, नरेश पिंगल, श्रेयसी, अनिल बेदी, रोशन सैनी, हबीब खान, हार्दिक, जय भगवान व लीडिंग स्कूल व एस.डी स्कूल खरड़ के विद्यार्थियों ने अपनी कला का लोहा मनवाया। मुख्य अतिथि ने भी गाना सुना कर रंग जमा दिया।

500 कट्टे गेहूं चौधरी छोटू राम धाम जसिया में भेजने का लिया फैसला

हिसार (राजधानी चौपाल) | चौधरी छोटू राम धाम जसिया की हिसार जिले की बैठक जाट धर्मशाला में पूर्व सरपंच बलवंत रेढू की अध्यक्षता में हुई जिसमें सर्वसम्मति से शमशेर रेढू को जिला प्रधान, दलजीत पंघाल को प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य व मनजीत सहरावत को बरवाला ब्लॉक का प्रधान बनाया गया। बैठक को संबोधित करते हुए चौ. छोटूराम धाम जसिया के राष्ट्रीय अध्यक्ष हरज्ञान मलिक ने अन्नदान मुहिम के तहत हिसार जिले के किसानों से चौ. छोटूराम धाम जसिया में गेहूं पहुंचाने का अनुरोध किया जिसे हिसार जिला की कमेटी ने सहर्ष स्वीकार कर लिया। उपस्थित किसानों ने राष्ट्रीय अध्यक्ष हरज्ञान मलिक को जल्द से जल्द 500 कट्टे गेहूं पहुंचाने का आश्वासन दिया। राष्ट्रीय महासचिव सतीश चेयरमैन ने कहा कि हिसार व हांसी जिले के किसान अन्नदान मुहिम के साथ-साथ धाम के निर्माण के लिये भी बढ़ चढ़ कर आर्थिक मदद करेंगे ताकि चौ. छोटूराम धाम जल्द से जल्द बनकर तैयार हो। सात बास मलिक प्रधान बलवान मलिक ने कहा कि धाम में चलने वाले 24 घंटे के भंडारे में सहयोग देने के लिये किसानों में भारी उत्साह है। जाट समाज के युवाओं को रोजगार मिले, इसके लिये धाम में आज से एआई कोर्स शुरु किया गया है। समाज से अनुरोध है कि अपने बच्चों के उज्जवल भविष्य के लिये उन्हें इस कोर्स में दाखिला दिलवाएं। धाम पर रहना, खाना, पढ़ाना सब निःशुल्क व्यवस्था की गई है। इससे पहले हांसी में हुई किसानों की बैठक में हांसी जिले के किसानों ने भी 500 कट्टे गेहूं चौधरी छोटू राम धाम जसिया में भेजने का फैसला लिया।

बैठक में कुलदीप जेवरा, कृष्ण कुमार, साधुराम रेढू, अनिल, संदीप, राजीव खरड़, रामकेश किरोड़ी, महाबीर भगाना, रामनिवास माईयड़, सोनू बालसमंद, सुरेश लाडवा, र काजला, रणबीर खरड़, लीलाराम आजाद नगर, रामचंद्र, पूर्व सरपंच दलीप श्योराण, मांगेराम काजला, रामचंद्र धीरणवास, सूबेसिंह धीरणवास, मंदीप बालक, धर्मबीर मलिक सूर्य नगर, कपूर बामल प्रधान भाटोल जाटान, राजबीर दांगी, सहीराम नम्बरदार, राजबीर दांगी,बलवान हुड्डा सहित अनेक गणमान्य लोग मौजूद रहे।

खालसा सजना दिवस और बैसाखी को समर्पित पंजाबी कल्चरल सोसायटी, हिसार का भव्य कार्यक्रम आयोजित

हिसार (राजधानी चौपाल) | खालसा सजना दिवस और बैसाखी को समर्पित पंजाबी कल्चरल सोसायटी हिसार द्वारा सांस्कृतिक व सम्मान समारोह स्थानीय स्मॉल वंडर स्कूल में किया। इसमें पंजाबी भाषा और संस्कृति के विकास लिए विशेष योगदान देने के लिए पंजाबी प्रोफेसर ललित जैन, टीवी में फिल्म एक्टर शिव कुमार बांगा, भांगड़ा कोच जगमीत सिंह, पंजाबी टीचर गौरव भूटानी, शब्द गायन के लिए अमनदीप सिंह एडवोकेट, पंजाबी भाषा के विकास के लिए सतवंत सिंह घई, पंजाबी लेखिका पंजाबी लेक्चरर रजनी, पंजाबी लेखिका कवित्री गुरप्रीत सैनी, शिशुपाल सैनी व प्रिंसिपल निशि भटनागर को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर मुख्य मेहमान की भूमिका निभा रहे हरियाणा साहित्य व संस्कृति अकादमी पंजाबी के डायरेक्टर हरपाल सिंह गिल (चिक्का) ने सभी सम्मानित शख्सियतों को शॉल व सम्मान पत्र भेंट किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता समाजसेवी व पार्षद संजय डालमिया ने की और हिसार से विधायिका व पूर्व मंत्री सावित्री जिंदल के प्रतिनिधि के तौर पर पार्षद जगमोहन मित्तल कार्यक्रम में उपस्थित रहे।

वशिष्ठ अतिथि के तौर पर सीनियर पत्रकार देवेन्द्र उप्पल, मान आई हॉस्पिटल के डॉक्टर जी एस मान, मैक्स फार्मा प्राइवेट लिमिटेड के डायरेक्टर प्रवीण कुमार नारंग उपस्थित रहे। कार्यक्रम में छोटे बच्चों ने भांगड़ा, गीत, अखाड़ा व लोककिस्सा आदि की यादगार प्रस्तुति दी। इस अवसर पर दस्तार मुकाबले भी करवाए गए, जिनमें युवाओं ने रंगबिरंगी दस्तारें पहनकर भाग लिया। विजेताओं को सोसायटी की तरफ से दस्तार भेंट की गई। सभी प्रतिभागियों को पंजाबी वर्णमाला की तख्ती भेंट की गई।

गुर्जर धर्मशाला में महिला वर्ग ने मनाई अंबेडकर जयंती

हिसार (राजधानी चौपाल) | डॉ. भीमराव अंबेडकर जयंती के अवसर पर युवा लड़कियों और महिलाओं ने पहल कदमी लेते हुए पहली बार अंबेडकर जयंती का स्वतंत्र आयोजन करने में सफलता हासिल की। यह कार्यक्रम स्थानीय गुर्जर धर्मशाला, राजगढ़ रोड हिसार में किया गया। मंच का संचालन युवा एडवोकेट सुश्री शबनम व मोनिका ने संयुक्त रूप से किया। विमला चौधरी की अध्यक्षता में कार्यक्रम की शुरुआत की गई। इस अवसर पर नाटक, गीत, डांस और कविताओं के बेहतरीन सांस्कृतिक कार्यक्रम ने समां बांध दिया। मुख्य संबोधन धर्मसिंह जनमत, हरियाणा ज्ञान विज्ञान समिति ने महानायकों को याद करते हुए कहा कि तत्कालीन समय के समाज सुधारकों में ज्योतिबा फूले और सावित्रीबाई फूले सर्वोपरि हैं। उन्होंने अपने अंदर के भय से लड़ते हुए स्वयं पर विजय पाई। इन सबको याद करना, सभ्य नागरिक समाज की विरासत को आत्मसात करना है। ये सभी समाज सुधारक, एक ही समय में सामाजिक कुरीतियों जैसे बाल विवाह, पर्दा प्रथा, रूढ़िवाद ,अंधविश्वास और अशिक्षा से संघर्ष कर रहे थे। तत्कालीन समाज की जातीय संरचना से पैदा हुई। गैर बराबरी को जड़ से उखाडऩे का सपना साकार करने के लिए भरसक प्रयास कर रहे थे।

बाबा साहेब ने हमें शिक्षा, समानता और अधिकारों के लिए संघर्ष करना सिखाया : अनिल शर्मा

हिसार (राजधानी चौपाल) | हिसार लोकसभा के नलवा विधानसभा में गांव तलवंडी रूक्का में डॉ. भीमराव अंबेडकर के जन्मोत्सव पर सामाजिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। आज हम सब यहां एक महान व्यक्तित्व, भारत के संविधान निर्माता, समाज सुधारक और हम सब के मसीहा डॉ. भीमराव अंबेडकर के 135वें जन्मोत्सव के पावन अवसर पर तलवंडी रूक्का में एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें पूरे गांव के लोगों ने बढ़-चढक़र भाग लिया। यह केवल एक उत्सव नहीं, बल्कि बाबा साहेब के विचारों को याद करने और उन्हें अपने जीवन में अपनाने का संकल्प लेने का अवसर है। इस अवसर पर जिला पार्षद प्रतिनिधि अनिल शर्मा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने गांव के विकास के लिए महत्वपूर्ण घोषणाएं सौगात में दीं। गांव की पंचायत द्वारा 165 गुणा 165 फीट भूमि उपलब्ध कराई गई है, जहां बहुत जल्द डॉ. भीमराव अंबेडकर भवन का निर्माण किया जाएगा।

बाबा साहेब आंबेडकर ने नारा दिया था 'पढ़ो, एक हो जाओ और संघर्ष करो' : नायब सैनी

चंडीगढ़ (राजधानी चौपाल) |सीएम नायब सिंह सैनी ने कहा कि डॉ. भीमराव आंबेडकर ने भूली-भटकी मानवता को जीवन का सच्चा रास्ता दिखाया था, ऐसे में उनकी विरासत को संभालने व सहेजने की जिम्मेदारी हम सबकी है।

सीएम मंगलवार को पंचकूला में आंबेडकर की 135 वीं जयंती के अवसर पर आयोजित समारोह को संबोधित कर रहे थे। सीएम ने कहा कि इस वर्ष बाबा साहेब की जयंती को 13 से 20 अप्रैल तक 'सामाजिक न्याय सप्ताह' के रूप में मना रहे हैं। अभियान का उद्देश्य बाबा साहेब के सामाजिक न्याय और समानता के संदेश को जन-जन तक पहुंचाना है। इस सप्ताह की शुरुआत स्वच्छता अभियान से की गई है।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि डॉ. अम्बेडकर समाज के पिछड़ेपन व असमानता को दूर करने को सबसे कारगर उपाय शिक्षा को मानते थे। उन्होंने जब

'पढ़ो, एक हो जाओ और संघर्ष करो' का नारा दिया तो वे जानते थे कि शिक्षा ही शोषितों को शोषण से बचा सकती है। पंचकूला में सीएम ने 'समता दौड़' को हरी झंडी भी दिखाई।

प्रदेश सरकार ने 60 निकायों में 2,646 मकानों को मंजूरी दी

चंडीगढ़ | प्रदेश के शहरी गरीब, मध्यम वर्गीय परिवारों के लिए अपने घर का सपना अब जल्द हकीकत में बदलने वाला है। प्रधानमंत्री आवास योजना-शहरी-2.0 के क्रियान्वयन को लेकर आयोजित राज्य स्तरीय स्वीकृति एवं निगरानी समिति की तीसरी बैठक में अहम निर्णय लिए गए। बैठक में राज्य के 60 शहरी स्थानीय निकायों के 2,646 लाभार्थियों के लिए आवास परियोजनाओं को हरी झंडी दे दी गई। हाउसिंग फॉर ऑल विभाग के आयुक्त एवं सचिव मोहम्मद शाइन ने बताया कि बैठक के दौरान शुरुआती चरण में 51 निकायों के 2,409 लाभार्थियों को मंजूरी दी गई थी, जिसके बाद 9 अन्य निकायों से 237 अतिरिक्त आवेदन प्राप्त हुए।

बायोमेट्रिक मशीन लागू करने का फैसला भी वापस करवाएंगे: अभय सिंह चौटाला

कैथल (राजधानी चौपाल)| इनेलो सुप्रीमो अभय सिंह चौटाला रविवार को कैथल की नई अनाज मंडी में पार्टी के प्रदर्शन में मुख्य वक्ता रहे। अभय ने कहा कि इनेलो का प्रतिनिधिमंडल सीएम से मिला था। उन्होंने कहा था कि गेहूं खरीद में कोई परेशानी नहीं आएगी। आढ़तियों के लाइसेंस रिन्यू किए जाएंगे, पर सीएम की जानकारी बिना अफसरों ने लाइसेंस महज 6 माह के लिए जारी कर दिए। मंडियों में बायोमेट्रिक हटाने का भी आश्वासन दिया था। उसे भी वापस नहीं लिया गया। जैसे इनेलो ने पानी दिलवाया, बुढ़ापा पेंशन दिलवाई, उसी तरह से बायोमेट्रिक मशीन लागू करने के फैसले को भी नाक रगड़वा कर वापस करवाया जाएगा।

उन्होंने कहा कि राजस्थान का सीएम भी डमी है। उसे पता ही नहीं किसानों को क्या तकलीफ होती हैं। वह किसानों को कहता है कि महज 25 दिन काम करते हैं। उन्होंने कहा कि इनेलो हमेशा किसानों के साथ रही है। किसान आंदोलन के दौरान मैंने खुद विधानसभा से इस्तीफा देकर दोबारा चुनाव लड़ा।

प्रदेश में कभी धान, कभी बैंक घोटाले हो रहे, अब किसान दुखी: राव नरेंद्र

करनाल| मेहता फार्म में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राव नरेंद्र सिंह ने कहा कि कांग्रेस सरकार में कभी भी किसान परेशान नहीं हुआ। भाजपा सरकार लुटेरी है, कभी धान घोटाला तो कभी बैंक घोटाले किए जा रहे हैं। किसानों का गेहूं खरीदा नहीं जा रहा है। हमने कार्यकर्ताओं को बोला है कि वह ज्यादा से ज्यादा मंडियों में जाकर किसानों की समस्याएं उठाएं। किसानों की समस्याओं को लेकर आंदोलन करना पड़े तो हम पीछे नहीं हटेंगे। कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा के बारिश से फसल को नुकसान नहीं होने के बयान पर राव ने कहा कि मंत्री को कृषि के बारे कोई जानकारी नहीं है। राज्यसभा में क्रॉस वोटिंग पर कहा कि पांचों विधायकों पर सख्त कार्रवाई करने की रिपोर्ट भेज दी है। इधर, राव नरेंद्र ने कहा कि रोड़ बिरादरी की भूमि पर बने संस्थानों में समाज, क्षेत्र के युवाओं को नौकरी व शिक्षा में कोटा देने की मांग विधानसभा में उठाई जाएगी। कुटेल में बन रही मेडिकल यूनिवर्सिटी का नाम बदलकर गुरु स्वामी ब्रह्मानंद के नाम पर रखने की मांग की जाएगी। वह रविवार को कांग्रेस के पूर्व प्रदेश सचिव राजेंद्र कल्याण के निवास पर रोड़ बिरादरी की पंचायत को संबोधित कर रहे थे।

162 अनुबंधित प्राध्यापक सरप्लस घोषित, नहीं हटेंगे

हटाए शिक्षकों को भी वापस ज्वॉइन कराने के आदेश

हिसार (राजधानी चौपाल) | कॉलेजों में नया शिक्षा सत्र शुरू होने से पहले सरकार ने बड़ा फैसला किया है। कॉलेजों में सरप्लस हुए शिक्षकों (अनुबंधित) को हटाने पर सरकार ने रोक लगा दी है। इस संबंध में उच्चतर शिक्षा विभाग की ओर से सभी कॉलेजों को आदेश पत्र जारी कर दिए हैं। कॉलेज प्राध्यापकों की नई नियुक्तियों और वर्कलोड न होने के कारण प्रदेशभर के राजकीय कॉलेजों में 162 प्राध्यापक सरप्लस हो गए हैं। ऐसे में उन्हें हटाने (रिलीव) की प्रक्रिया शुरू कर दी गई थी। अब नये फैसले से राहत मिलेगी। उच्चतर शिक्षा विभाग ने सभी कॉलेजों से शिक्षकों का वर्कलोड मांगा था। ऐसे में सभी कॉलेजों ने डेटा भेजा तो पता चला कि प्रदेश भर के कॉलेजों में 162 अनुबंधित प्राध्यापकों की सूची तैयार हो गई। क्योंकि पिछले दिनों सरकार की ओर से कॉलेजों में नई नियुक्तियां भी की गई हैं और कुछ कॉलेजों में कोर्स बंद होने या विद्यार्थी संख्या कम होने के कारण भी वर्कलोड कम हो गया। ऐसे में संबंधित कॉलेजों के प्रिंसिपल ने सरप्लस हुए कॉलेज प्राध्यापकों (अनुबंधित) को रिलीव करना शुरू कर दिया था। इसका विरोध शुरू हो गया और कई कॉलेजों में अनुबंधित प्राध्यापकों ने विरोध स्वरूप धरना और प्रदर्शन भी शुरू किया। इस पर सरकार ने मंथन किया और फैसला करते हुए अब रिलीव न करने के आदेश जारी किए हैं। उच्चतर शिक्षा विभाग के एडिशनल चीफ सेक्रेटरी की ओर से सभी कॉलेजों के प्रिंसिपल को पत्र भेजा गया है। इसमें कहा गया है कि हाल ही में नियुक्त असिस्टेंट प्रोफेसर्स और कम वर्कलोड के चलते 162 एक्सटेंशन लेक्चरर्स को सरप्लस माना गया था।

सक्रिय वर्कर्स को टिकट में मिलेगी प्राथमिकता, भाजपा टीम फील्ड में पहुंचकर रायशुमारी करेंगी

चंडीगढ़ (राजधानी चौपाल) |स्थानीय निकाय चुनावों को लेकर भारतीय जनता पार्टी ने तैयारी शुरू कर दी है। निकाय चुनाव को लेकर रणनीति तैयार की गई है। जहां-जहां उपचुनाव है वहां पर तीन सदस्यीय कमेटी का पहले ही गठन हो चुका है। इस कमेटी में जिला अध्यक्ष, जिला प्रभारी और महामंत्री को शामिल किया गया है।

निकाय चुनाव के लिए पांच सदस्यीय कमेटी जहां-जहां चुनाव होने हैं, वहां पर 15 और 16 अप्रैल को रायशुमारी कर रिपोर्ट तैयार करेगी। चुनाव लड़ने के इच्छुक नेताओं से फार्म भी लिए जाएंगे। पार्टी के वरिष्ठ नेता चुनाव क्षेत्र में वहां के विधायकों, मंत्रियों से भी अलग से चर्चा करेंगे। 17 अप्रैल से 19 अप्रैल तक चुनाव वाले क्षेत्र के हर वार्ड में कार्यकर्ताओं की बैठकें होंगी। 20 अप्रैल को चुनाव समिति की बैठक होगी जिसमें उम्मीदवारों के नाम तय किए जाएंगे।

तीन निगमों में जातीय समीकरण पर मंथन

पार्टी के सूत्रों का कहना है कि मंगलवार को पार्टी के नेताओं ने पंचकूला, अम्बाला और सोनीपत नगर निगमों में मेयर पद के प्रत्याशी के लिए जातीय समीकरणों पर मंथन किया है। इस दौरान यह मंथन भी हुआ है कि एक सीट पर पंजाबी समुदाय, एक वैश्य और एक ब्राह्मण समुदाय को उतारा जाए। इनके अलावा रेवाड़ी में नगर परिषद और सांपला, उकलाना, धारूहेड़ा नगर पालिका के लिए अध्यक्ष पद को लेकर भी मंथन हुआ है। हालांकि अभी किसी कोर कमेटी किसी निष्कर्ष पर नहीं पहुंची है। बहुत संभव है कि अगले चार दिनों में सभी सीटों के लिए प्रत्याशियों के नाम तय कर लिए जाएंगे।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली, प्रदेश प्रभारी डॉ. सतीश पूनिया, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सौदान सिंह, राष्ट्रीय महासचिव ओम प्रकाश धनखड़, केंद्रीय संसदीय बोर्ड की सदस्य डा. सुधा यादव, केंद्रीय मंत्री कृष्णपाल गुर्जर, राज्यसभा सांसद सुभाष बराला, डा. कमल गुप्ता, कैप्टन अभिमन्यु, संगठनमंत्री फणीन्द्रनाथ शर्मा सहित कोर ग्रुप समिति के अन्य वरिष्ठ सदस्य उपस्थित रहे।

▪ **सीएम-मंत्री सहित सभी दिग्गज चुनावी मैदान में उतरेंगे:** भाजपा के सूत्रों का कहना है कि पार्टी स्थानीय निकाय चुनावों को पूरी गंभीरता से ले रही है। इन चुनावों में प्रचार के लिए दिग्गजों की डयूटी लगेगी। पार्टी ने यह भी तय कर लिया है कि इन चुनावों को भी लोकसभा और विधानसभा की तर्ज पर ही लड़ा जाएगा। सीएम नायब सिंह सैनी के अलावा सभी मंत्री और विधायक वाडों में जाकर पार्टी के प्रत्याशियों के लिए चुनाव प्रचार करेंगे।

रात को चुनाव प्रभारी-सह प्रभारी के साथ चर्चा : सीएम नायब सिंह सैनी, प्रदेशाध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली, प्रभारी सतीश पूनिया सहित अन्य दिग्गज नेताओं ने सीएम आवास पर डिनर किया। इस दौरान चुनाव को लेकर रणनीति तैयार की गई। साथ ही आगामी चुनावों में किस तरह से जीत दर्ज की जाए। चुनावों में किन नेताओं की डयूटी लगाई जाए। अब तक की ग्राउंड रिपोर्ट पर भी मंथन हुआ है, क्योंकि सभी स्थानीय निकायों में पार्टी ने पहले ही प्रभारी और सह प्रभारी नियुक्त कर रखे हैं। इनसे पूरी रिपोर्ट ली गई और मंथन किया गया कि कौन से चेहरे जिताऊ हो सकते हैं।

न्यूज ब्रीफ

राव नरबीर ने बिना नाम लिए केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत पर साधा निशाना

रेवाड़ी (राजधानी चौपाल) | उद्योग मंत्री राव नरबीर ने सीएम पद को लेकर केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत सिंह और स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव पर हमला बोला। नरबीर मंगलवार को रेवाड़ी में डॉ. आंबेडकर जयंती पर आयोजित कार्यक्रम में पहुंचे थे। उन्होंने नाम लिए बिना कहा कि अहीरवाल के लोग कहते हैं कि अहीर सीएम होना चाहिए। भाई बड़े-बड़े कोशिश करके चले गए। पार्टी जिसको बनाएगी, वही बनेगा। जब तक पार्टी नहीं चाहेगी, ना कोई मंत्री बन सकता है ना मुख्यमंत्री। जिसके मन में वहम है वो निकाल दे। 36 बिरादरी में से किसी को भी बना दो, अहीरवाल के लोग गर्व से कह सकें कि हमारा सीएम है। मनोहर लाल रोहतक में जन्मे, करनाल से चुनाव लड़े तो करनाल वाले कहने लगे हमारा सीएम है। नायब सैनी का जन्म कहीं और हुआ, लाडवा से बने तो वहां के हो गए। मैंने कह दिया कि और कोई ना बना तो आप (नायब सैनी) अहीरवाल से लड़ लो, कम से कम जीवन में ये तो कह जाएंगे कि हमारा मुख्यमंत्री है। दरअसल, राव इंद्रजीत कई बार सीएम बनने की मंशा खुले मंचों से भी जाहिर करते रहे हैं।

जनगणना गतिविधियों से संबंधित कैलेंडर जारी

चंडीगढ़ (राजधानी चौपाल) | पंजीकरण के निदेशक डॉ. ललित जैन ने शनिवार को हरियाणा के राज्यपाल प्रो. असीम कुमार घोष से शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान उन्होंने जनगणना 2027 से संबंधित गतिविधियों की जानकारी दी। इस मौके पर जनगणना गतिविधियों से संबंधित एक कैलेंडर भी जारी किया गया। हरियाणा राज्य में स्व-गणना की सुविधा 16 से 30 अप्रैल 2026 तक उपलब्ध रहेगी। सभी नागरिक घर बैठे पोर्टल पर अपनी जानकारी खुद दर्ज कर सकते हैं। इसके बाद, एक से 30 मई तक पूरे राज्य में मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना के तहत प्रगणक घर-घर दौरा करेंगे। राज्यपाल ने नागरिकों से आह्वान किया कि वे स्व-गणना का अधिक से अधिक उपयोग करें, क्योंकि यह अत्यंत सुविधाजनक एवं सुगम है। इससे समय और संसाधनों की बचत भी होगी।

जनगणना गतिविधियों से संबंधित कैलेंडर जारी

चंडीगढ़ (राजधानी चौपाल) | पंजीकरण के निदेशक डॉ. ललित जैन ने शनिवार को हरियाणा के राज्यपाल प्रो. असीम कुमार घोष से शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान उन्होंने जनगणना 2027 से संबंधित गतिविधियों की जानकारी दी। इस मौके पर जनगणना गतिविधियों से संबंधित एक कैलेंडर भी जारी किया गया। हरियाणा राज्य में स्व-गणना की सुविधा 16 से 30 अप्रैल 2026 तक उपलब्ध रहेगी। सभी नागरिक घर बैठे पोर्टल पर अपनी जानकारी खुद दर्ज कर सकते हैं। इसके बाद, एक से 30 मई तक पूरे राज्य में मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना के तहत प्रगणक घर-घर दौरा करेंगे। राज्यपाल ने नागरिकों से आह्वान किया कि वे स्व-गणना का अधिक से अधिक उपयोग करें, क्योंकि यह अत्यंत सुविधाजनक एवं सुगम है। इससे समय और संसाधनों की बचत भी होगी।

राज्य के 22 एचपीएस बनेंगे आईपीएस, 28 को होगी डीपीसी की बैठक

चंडीगढ़ (राजधानी चौपाल) | राज्य के 22 एचपीएस का जल्द ही आईपीएस के पद पर प्रमोशन होगा। लंबे समय से चल रही प्रक्रिया जल्द सिरे चढ़ सकती है। यह मामला लंबे समय से चल रहा है। तब 13 एचपीएस का प्रमोशन होना था। लेकिन अब इसमें 9 एचपीएस और जुड़ गए हैं। प्रमोशन को लेकर जल्द डिपार्टमेंटल प्रमोशन कमेटी (डीपीसी) हो सकती है। इसके लिए यूपीएससी के अधिकारी चंडीगढ़ आएंगे। क्योंकि स्वास्थ्य कारणों की वजह से मुख्य सचिव दिल्ली नहीं जा सके। यह बैठक 28 अप्रैल को होगी। इसके बाद एचपीएस को बैच वर्ष देकर प्रमोशन का आदेश जारी कर दिया जाएगा।

उल्लेखनीय है कि दो साल पहले पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल के कार्यकाल में 13 एचपीएस के प्रमोशन की फाइल की मंजूरी मिली थी। लेकिन उस वक्त तत्कालीन मुख्य सचिव की ओर से गृह विभाग की फाइल पर आपत्ति जताकर वापस भेज दिया था। उसमें कुछ एचपीएस की सभी एसीआर पूरी नहीं थी। जिसकी वजह से इंटेग्रिटी सर्टिफिकेट जारी नहीं हो पाए। अब सभी प्रक्रिया के बाद जल्द डीपीसी की तैयारी शुरू हो गई है।

जींद और फतेहाबाद मंडियों में 'नमी स्कैम' के नाम पर किसानों से हो रही लूट : सुशील गुप्ता

चंडीगढ़ (राजधानी चौपाल) | 'आप' प्रदेश अध्यक्ष डॉ. सुशील गुप्ता ने मंडियों में गेहूं की धीमी खरीद व उठान को लेकर नायब सरकार की प्रशासनिक विफलता पर कड़ा प्रहार किया है। उन्होंने कहा कि मंडियों में 20 लाख टन गेहूं की आवक हो चुकी है, जबकि उठान मात्र 49 हजार टन हुआ है। अगले कुछ दिनों में 20 लाख टन अतिरिक्त गेहूं आने की संभावना है, इससे हालात और बिगड़ेंगे। गुप्ता ने जींद और फतेहाबाद मंडियों में 'नमी स्कैम' का खुलासा करते हुए आरोप लगाया कि सरकारी मीटरों में 6% अधिक नमी दिखाकर किसानों को लूटा जा रहा है। निजी मीटर में जो नमी 11-12% है, उसे सरकारी मीटर 16-17% बता रहे हैं।

केंद्र सरकार को घेरते हुए उन्होंने कहा कि 41,500 करोड़ की अतिरिक्त सब्सिडी का दावा बजट कटौती छिपाने का हथकंडा है। डॉ. गुप्ता के अनुसार, 2022-23 में खाद सब्सिडी 2.54 लाख करोड़ थी, जिसे 2026-27 के बजट में घटाकर 1.71 लाख करोड़ कर दिया गया है। 87,000 करोड़ की इसी भारी कटौती के कारण खाद की किल्लत और राशनिंग जैसी स्थिति पैदा हुई है, जो किसानों के खिलाफ एक बड़ा षडयंत्र है।

बीबीएमबी नोटिफिकेशन हरियाणा के हितों पर कुठाराघात: भूपेंद्र हुड्डा

चंडीगढ़ (राजधानी चौपाल) | पूर्व सीएम और नेता प्रतिपक्ष भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने भाखड़ा ब्यास मैनेजमेंट बोर्ड (बीबीएमबी) के नियमों में केंद्र द्वारा किए गए बदलावों को सिरे से खारिज करते हुए इसे 'हरियाणा विरोधी' करार दिया है। हुड्डा ने कहा कि नए गजट नोटिफिकेशन के माध्यम से हरियाणा के अधिकारों को कुचलने का प्रयास किया जा रहा है।

हुड्डा ने पत्रकारों से बातचीत में बताया कि पंजाब पुनर्गठन के समय तय नियमों के अनुसार, बोर्ड में सिंचाई सदस्य हरियाणा से और पावर सदस्य पंजाब से होना अनिवार्य था। अब नए प्रावधान के तहत किसी भी पद पर किसी भी राज्य का प्रतिनिधि नियुक्त हो सकता है। हुड्डा के अनुसार, यह बदलाव हरियाणा की हिस्सेदारी और नियंत्रण को कमजोर करने की एक सोची-समझी साजिश है।

13 जिलों को 20 नए बुनियाद सेंटर मिले, हिसार में 3 खुलेंगे

चंडीगढ़ (राजधानी चौपाल) | प्रदेश में शिक्षा की बुनियाद को और मजबूत करने के लिए विद्यालय शिक्षा निदेशालय ने मिशन बुनियाद के तहत 20 नए सेंटर खोलने की घोषणा की है। ये सेंटर प्रदेश के 13 जिलों में स्थापित किए जाएंगे। जिससे ग्रामीण और दूर-दराज क्षेत्रों के मेधावी विद्यार्थियों को अब अपने ही क्षेत्र में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की सुविधा मिल सकेगी।

जिला विज्ञान विशेषज्ञ करनाल डॉ. दीपक वर्मा ने बताया कि जारी सूची के अनुसार हिसार में सबसे अधिक तीन नए सेंटर खोले जाएंगे, जबकि भिवानी, गुरुग्राम, जींद, रेवाड़ी और सिरसा में दो-दो सेंटर शुरू होंगे। इसके अलावा कैथल, करनाल, कुरुक्षेत्र, महेंद्रगढ़, पलवल, पानीपत और सोनीपत में एक-एक नया केंद्र शुरू किया जाएगा। इस कदम से विद्यार्थियों को लंबी दूरी तय कर पढ़ने जाने की मजबूरी से राहत मिलेगी और वे अपने नजदीकी केंद्र में ही गुणवत्तापूर्ण तैयारी कर सकेंगे। वहीं, करनाल की बात करें तो जिले के निसिंग ब्लॉक में बुनियाद सेंटर खोला जाएगा। इससे पहले जिले में 5 बुनियाद सेंटर चल रहे हैं।

करनाल जिले के निसिंग ब्लॉक के छात्रों के लिए भी अच्छी खबर है। अब उन्हें पढ़ाई के लिए करनाल या अन्य ब्लॉकों के केंद्रों तक नहीं जाना पड़ेगा। निसिंग में नया मिशन बुनियाद केंद्र शुरू होने जा रहा है। वर्तमान में जिले के पांच ब्लॉकों करनाल, घरौंडा, इंद्री, असंध और नीलोखेड़ी के सरकारी स्कूलों में मिशन बुनियाद के तहत पढ़ाई जारी है। जिनमें लगभग 137 विद्यार्थी पढ़ाई कर रहे हैं, जिनमें से 20 से 25 विद्यार्थी निसिंग क्षेत्र से आते हैं। अब ये छात्र अपने ही ब्लॉक में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त कर सकेंगे।

प्रदेश की भाजपा सरकार भ्रष्टाचार रोकने में हो रही विफल : राव नरेन्द्र

मंडी अटेली (राजधानी चौपाल) | कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष राव नरेंद्र सिंह ने कहा कि प्रदेश में कानून व्यवस्था पूरी तरह चरमरा चुकी है और अपराध के साथ भ्रष्टाचार दोनों ही चरम पर है। अटेली कार्यालय में आयोजित पत्रकार वार्ता में शनिवार को राव नरेंद्र ने कहा कि भ्रष्टाचार व अपराध का जाल व्यापक हो चुका है और सरकार इसे रोकने में विफल साबित हो रही है। 590 करोड़ रुपए के बैंक घोटाले में हरियाणा के कई सरकारी अधिकारी, बैंक कर्मचारी व अन्य लोगों की गिरफ्तारी हुई है, जिसमें जांच के दौरान फर्जी कंपनियों में धन ट्रांसफर होने की बात सामने आई। यमुनानगर में 42 करोड़ रुपए के धान खरीद घोटाले में हैफेड के अधिकारी की गिरफ्तारी से यह स्पष्ट है कि किसानों के नाम पर भी भ्रष्टाचार हो रहा है। राज्यसभा चुनाव पर उन्होंने कहा कि भाजपा द्वारा तीसरा उम्मीदवार उतारना राजनीतिक स्वार्थ था।

कुरुक्षेत्र में दिया आश्वासन-फसल के एक-एक दाने की खरीद होगी

सीएम सैनी बोले- किसानों को मिलेंगी सुविधाजनक और तेज सेवाएं, नियमित निगरानी की सौंपी जिम्मेदारी

बाबैन (कुरुक्षेत्र) (राजधानी चौपाल) | सीएम नायब सैनी ने कहा कि सरकार ने प्रदेश में गेहूं खरीद को पारदर्शी, सुरक्षित व किसान हितैषी बनाने के लिए कई नई पहलें लागू की हैं। इन उपायों से फसल खरीद प्रक्रिया में पारदर्शिता बढ़ेगी। अनधिकृत गतिविधियों पर रोक लगेगी। किसानों को सुविधाजनक और तेज सेवाएं मिलेंगी।

उन्होंने कहा कि सरकार ने तीन स्तरीय फसल सत्यापन प्रणाली को अनिवार्य कर दिया है। इस व्यवस्था के तहत खरीद केंद्रों पर लाई फसल का किसान द्वारा पंजीकृत फसल से मिलान किया जा रहा है, जिससे फसल सत्यापन प्रक्रिया विश्वसनीय बन रही है। सभी फसलों की खरीद सुनिश्चित की जा रही है। फसल के एक-एक दाने की खरीद की जाएगी। मंडी में नोडल अधिकारियों की नियुक्ति की गई है। वरिष्ठ अधिकारियों को जिलों की मंडियों की नियमित निगरानी की जिम्मेदारी सौंपी है और डीसी

को जिला स्तर पर खरीद व्यवस्था का प्रभारी बनाया है। सीएम सैनी शनिवार को बाबैन अनाज मंडी में गेहूं खरीद प्रक्रिया का जायजा ले रहे थे।

सीएम सैनी एवं उनकी पत्नी व हरियाणा राज्य बाल कल्याण परिषद की उपाध्यक्षा सुमन सैनी का अनाज मंडी बाबैन में पहुंचने पर उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा, कार्यालय प्रभारी कैलाश सैनी, कमेटी के चेयरमैन जसविन्द्र जस्सी ने स्वागत किया।

चंडीगढ़ समिट में 12 देशों से पहुंचे उद्यमी

चंडीगढ़| सीएम नायब ने शनिवार को चंडीगढ़ समिट 2026 में 12 देशों और 27 राज्यों से आए उद्यमियों और उद्योगपतियों को संबोधित करते हुए हरियाणा को तेजी से उभरते औद्योगिक और स्टार्टअप हब के रूप में प्रस्तुत किया और फूड प्रोसेसिंग, लॉजिस्टिक्स, इलेक्ट्रिक व्हीकल (ईवी) व अन्य क्षेत्रों में निवेश के व्यापक अवसरों का लाभउठाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि राज्य में 28,000 से अधिक फूड प्रोसेसिंग इकाइयां स्थापित हो चुकी हैं और इस क्षेत्र में अभी भी अपार संभावनाएं हैं। लॉजिस्टिक्स सेक्टर में हरियाणा देश में तीसरे और उत्तर भारत में पहले स्थान पर है, जबकि लगभग 57% क्षेत्र राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में आता है, जिससे इसे प्रमुख लॉजिस्टिक्स हब के रूप में विकसित किया जा रहा है।

संसद और विधानसभा में बेटियां निभाएंगी ज्यादा भूमिका: भाटिया

कहा- महिलाओं को 33 प्रतिशत मिलेगा आरक्षण

चंडीगढ़ (राजधानी चौपाल) | राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष रेणु भाटिया ने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा 'नारी वंदन अधिनियम-2023' लागू करना महिलाओं की सशक्तिकरण की दिशा में एक और बेहतरीन एव कारगर कदम है।

हरियाणा निवास में पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा कि अधिनियम से महिलाओं को लोकसभा व विधानसभाओं में 33 प्रतिशत आरक्षण मिलेगा, जो विकसित भारत 2047 के मंकल्प को साकार करेगा। इससे महिलाएं नीति निर्माण में निर्णायक भूमिका निभा सकेंगी। उन्होंने कहा कि अधिनियम के लागू होने का बाद महिलाएं विधानसभा व संसद में पुरजोर ढंग से अपनी बात रख सकेंगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नारी को सशक्त बनाने का संकल्प लेते हुए 'बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अभियान' की शुरुआत कर महिला सशक्तिकरण की मजबूती से नींव रखी थी। आज बेटियों के जन्म पर लोग खुशियां मनाते हैं और नारी को मां की संज्ञा देते है।

उधर, हरियाणा के मुख्य सचिव अनुराग ने रस्तोगी सोमवार को 20 अप्रैल तक चलने वाले 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' जागरूकता अभियान की समीक्षा की। अभियान के तहत प्रदेशभर में टाउन हॉल, महिला सम्मेलन, पदयात्राएं, बाइक-स्कूटी रैलियां और मांस्कृतिक कार्यक्रम होंगे। 11 से 15 अप्रैल तक विभिन्न आयोजन तय हैं। सोशल मीडिया, नुक्कड़ नाटक व 'नारी शक्ति वाल' के जरिए भी जागरूकता बढ़ाई जाएगी। अभियान में विभागों के समन्वय और महिलाओं की सक्रिय भागीदारी पर जोर दिया गया।

गायक मासूम शर्मा को लेकर पूछे गए सवाल पर भाटिया ने कहा कि उन्हें नोटिस दिया हुआ है। 18 अप्रैल को बुलाया हुआ है। उन्होंने कहा कि अश्लीलता व गन कल्चर वाले गानों को लेकर उन्होंने पंचकूला सोपी व डीजीपी से बातचीत की है। काफी गाने हटाए भी गए हैं, जो नारी का अपमान करते हैं।

संपादकीय...

मौसम के अनोखे रूप... कभी सर्दी-कभी गर्मी...

यह महीना किसी बड़े आश्चर्य से कम नहीं रहा है। अप्रैल 2026 की शुरुआत जिस नरम मिजाज और गुलाबी ठंड के साथ हुई थी, उसे देखकर ऐसा लग रहा था मानो इस बार ग्रीष्म ऋतु अपना रास्ता भटक गई हो। महीने के पहले पखवाड़े में दिल्ली-एनसीआर समेत उत्तर भारत के अधिकांश हिस्सों में मौसम का एक अनोखा रूप देखने को मिला। पश्चिमी विक्षोभ की निरंतर सक्रियता और पहाड़ी इलाकों में हुई बेमौसम बर्फबारी ने मैदानी क्षेत्रों के तापमान को थामे रखा। लोग सुबह और शाम के वक्त हल्की ठिठुरन महसूस कर रहे थे और आलम यह था कि पंखे चलाने की जरूरत भी महसूस नहीं हो रही थी। बादलों की आवाजाही और रुक-रुक कर हुई बूंदाबांदी ने धूल और तपिश को दबाए रखा, जिससे अप्रैल का पहला आधा हिस्सा मार्च के शुरुआती दिनों जैसा सुखद बना रहा।

हालांकि, प्रकृति का यह नरम व्यवहार दूसरे पखवाड़े की शुरुआत होते ही पूरी तरह बदल गया। जैसे ही अप्रैल ने अपने दूसरे चरण में कदम रखा, सूरज ने अपने तीखे तेवर दिखाने शुरू कर दिए। महज कुछ ही दिनों के भीतर पारे ने ऐसी छलांग लगाई कि लोग बेहाल हो उठे। जो तापमान पहले पखवाड़े में सामान्य से पाँच-छह डिग्री नीचे बना हुआ था, वह अचानक 40 डिग्री सेल्सियस के करीब पहुँच गया। पछुआ हवाओं के चलने से वातावरण की नमी गायब हो गई और अब दोपहर के समय लू के थपेड़े महसूस होने लगे हैं। सड़कों पर सन्नाटा पसरने लगा है और लोग अब ठंडे पेय पदार्थों और एयर कंडीशनर की शरण लेने को मजबूर हैं। मौसम का यह 'यू-टर्न' न केवल चौंकाने वाला है, बल्कि पर्यावरण में हो रहे बड़े बदलावों की ओर भी संकेत करता है।

तापमान में आए इस आकस्मिक उतार-चढ़ाव ने जनजीवन के साथ-साथ स्वास्थ्य पर भी गहरा असर डाला है। डॉक्टरों के अनुसार, पहले पखवाड़े की नमी और दूसरे पखवाड़े की भीषण गर्मी के इस मेल ने बीमारियों को न्योता दिया है। शरीर को इस भीषण बदलाव के अनुरूप ढलने का पर्याप्त समय नहीं मिला, जिसके कारण अस्पतालों में वायरल बुखार, सर्दी-जुकाम और डिहाइड्रेशन के मरीजों की संख्या में तेजी से इजाफा हुआ है। खासकर बच्चों और बुजुर्गों के लिए यह समय काफी संवेदनशील साबित हो रहा है। विशेषज्ञों की सलाह है कि अब जबकि गर्मी अपने चरम की ओर बढ़ रही है, लोग धूप में निकलने से बचें और शरीर में पानी की कमी न होने दें। अप्रैल के इन दो चेहरों ने स्पष्ट कर दिया है कि आने वाले मई और जून के महीने काफी कष्टकारी हो सकते हैं।

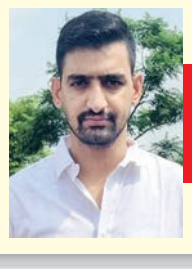

राहुल हिंदुस्तानी
संपादक
राजधानी चौपाल

शिक्षा का बाजारीकरण: कब थमेगी ये लूट?

शिक्षा के नाम पर मुनाफे की बिसात और मध्यम वर्ग की लाचारी

सड़कों पर इन दिनों धूप की तपिश से ज्यादा स्कूलों के बाहर उमड़ी अभिभावकों की भीड़ की बेचैनी महसूस की जा सकती है। यह भीड़ किसी उत्सव के लिए नहीं, बल्कि अपने नौनिहालों के भविष्य को सुरक्षित करने की जद्दोजहद में जुटी है। विडंबना यह है कि जिस शिक्षा को राष्ट्र निर्माण की नींव माना गया था, वह अब निजी संस्थानों के हाथों में एक मुनाफे का सौदा बनकर रह गई है। दाखिले के समय लंबी कतारों और डोनेशन की मारामारी के बाद अब अभिभावकों के सामने किताबों और ड्रेस के नाम पर हो रही खुली लूट का नया मोर्चा खुल गया है।

दाखिले की चौखट पर टूटते मध्यमवर्गीय सपने

एक दौर था जब राजधानी में सरकारी स्कूलों की साख हुआ करती थी, लेकिन आज ब्रांड और स्टेटस सिंबल की दौड़ ने निजी स्कूलों को एक अनिवार्य बुराई बना दिया है। दाखिला प्रक्रिया शुरू होते ही माता-पिता की रातों की नींद उड़ जाती है। स्कूलों द्वारा निर्धारित कठिन मापदंड और 'पॉइंट सिस्टम' ने इस पूरी प्रक्रिया को किसी जटिल पहेली में बदल दिया है। जब बड़ी मशक्कत के बाद बच्चे का नाम लिस्ट में आता है, तो खुशी से ज्यादा फिक्र इस बात की होती है कि अब भारी-भरकम फीस के साथ-साथ उन अन्य खर्चों का बोझ कैसे उठाया जाएगा, जो स्कूल प्रशासन चुपके से थमा देता है।

किताबों का बोझ और कमीशन की सुनियोजित रणनीति

नया सत्र शुरू होते ही स्कूलों ने अपनी असली रणनीति का खुलासा कर दिया है। शिक्षा विभाग के स्पष्ट निर्देश हैं कि स्कूलों को एनसीईआरटी की किताबों को प्राथमिकता देनी चाहिए, जो सस्ती और प्रमाणिक होती हैं। लेकिन हकीकत में, निजी स्कूलों ने भारी कमीशन के लालच में 'प्राइवेट पब्लिकेशन' की किताबों का एक ऐसा जाल बुना है, जिससे निकलना किसी के लिए संभव नहीं है। ये किताबें सामान्य बुक डिपो पर नहीं मिलतीं, बल्कि स्कूलों ने विशेष वेंडरों से सांठगांठ कर रखी होती है। अभिभावकों को मजबूर किया जाता है कि वे पूरे सेट के रूप में ही किताबें खरीदें, जिसमें अनावश्यक सामग्री भी शामिल होती है।

ड्रेस का डिजाइन और ब्रांडिंग के पीछे का असली खेल

महज कुछ वर्षों के भीतर ही स्कूल अपनी यूनिफॉर्म का रंग, डिजाइन या लोगो बदल देते हैं। तर्क दिया जाता है कि यह बदलाव 'नयापन' लाने के लिए है, लेकिन इसके पीछे का सच पुराना स्टॉक रद्दी करना और अभिभावकों को नया सामान खरीदने पर मजबूर करना होता है। किसी खास किस्म के चेक या शेड का चुनाव इसलिए किया जाता है ताकि वह बाजार में आसानी से न मिले। स्कूलों द्वारा अधिकृत दुकानों पर वही ड्रेस बाजार दर से दुगने या तिगुने दामों पर बिकती है। एक साधारण सी सूती कमीज और पेंट की कीमत किसी बड़े ब्रांड के आउटलेट जितनी वसूली जा रही है, जो पूरी तरह से अनैतिक है।

क्या शिक्षा केवल धनवानों का अधिकार है?

हमें यह सोचना होगा कि हम किस तरह के समाज की ओर बढ़ रहे हैं। अगर अच्छी शिक्षा केवल वही पा सकेगा जिसके पास मोटी रकम है, तो समानता के संवैधानिक अधिकारों का क्या होगा? राजधानी की चौपालों से उठने वाला यह दर्द आज हर घर की कहानी बन चुका है। अब समय आ गया है कि सरकार, न्यायपालिका और समाज मिलकर इस मुद्दे पर आत्ममंथन करें और शिक्षा को फिर से 'विद्या दान' की श्रेणी में लाएं, न कि इसे 'बाजार की वस्तु' बनने दें। अगर आज हमने इस बेकाबू होते तंत्र को नहीं रोका, तो आने वाली नस्लें हमें इस खामोशी के लिए कभी माफ नहीं करेंगी।

कागजों पर आदेश और धरातल पर स्कूलों की बेखौफ मनमानी

शिक्षा निदेशालय समय-समय पर परिपत्र जारी कर स्कूलों को चेतावनी देता है कि वे अभिभावकों को किसी विशेष दुकान से सामान खरीदने के लिए बाध्य न करें। राजधानी की चौपालों पर यह चर्चा आम है कि ये आदेश केवल रस्म अदायगी बनकर रह गए हैं। स्कूलों को पता है कि उनकी 'पकड़' ऊंचे स्तर पर है, इसलिए वे खुलेआम इन नियमों की धज्जियां उड़ाते हैं। अभिभावक जब भी विरोध करने की कोशिश करते हैं, तो उन्हें मनोवैज्ञानिक दबाव में ले लिया जाता है। उन्हें डर सताता है कि कहीं उनके बच्चे को स्कूल के भीतर अध्यापकों के भेदभावपूर्ण व्यवहार का सामना न करना पड़े।

डायरी और स्टेशनरी के नाम पर होने वाला सूक्ष्म शोषण

लूट का सिलसिला केवल किताबों और ड्रेस तक ही सीमित नहीं है। स्कूल की अपनी लोगो वाली डायरी, फील्डर, बेल्ट, जूते और यहां तक कि कॉपियों के कवर भी अब स्कूल द्वारा तय किए जाते हैं। जो डायरी बाजार में पचास रुपये की मिल सकती है, उसके लिए स्कूल ढाई सौ रुपये तक वसूलते हैं। स्टेशनरी किट के नाम पर उन सामानों की जबरन बिक्री की जाती है, जिनकी बच्चे को शायद साल भर जरूरत भी न पड़े। यह छोटे-छोटे दिखने वाले खर्च जब जुड़ते हैं, तो एक सामान्य परिवार के बजट को पूरी तरह से चरमरा देते हैं।

निजी प्रकाशकों और संस्थानों के बीच का अपवित्र गठबंधन

शिक्षा क्षेत्र में आए इस व्यावसायिक संकट की जड़ें बहुत गहरी हैं। निजी प्रकाशक स्कूलों के प्रिंसिपलों और मैनेजमेंट को लुभावने ऑफर देते हैं, जिसमें विदेशी दौरे से लेकर मोटे कैश गिफ्ट शामिल होते हैं। बदले में, स्कूल उनकी महंगी और अक्सर कम गुणवत्ता वाली किताबों को पाठ्यक्रम का हिस्सा बना लेते हैं। इन किताबों में दी गई जानकारी अक्सर सीमित होती है, लेकिन इनकी छपाई इतनी रंगीन और भड़काऊ होती है कि पहली नजर में ये बहुत आकर्षक लगती हैं। अभिभावकों के पास कोई विकल्प नहीं होता क्योंकि परीक्षा के सवाल इन्हीं किताबों से आने होते हैं।

अभिभावकों की चुप्पी और मजबूरी का फायदा

इस पूरी व्यवस्था में सबसे दुखद पहलू अभिभावकों की वह विवशता है, जो उन्हें चुप रहने पर मजबूर करती है। हर कोई अपने बच्चे को सर्वश्रेष्ठ शिक्षा देना चाहता है और इसी भावना का फायदा स्कूल उठाते हैं। चौपालों पर फुसफुसाहट तो बहुत है, लेकिन संगठित होकर विरोध करने का साहस कम ही लोग जुटा पाते हैं। स्कूलों ने एक ऐसा माहौल बना दिया है जहां सवाल पूछने वाले को 'सिस्टम का दुश्मन' करार दे दिया जाता है। इस डर और चुप्पी ने ही इन स्कूलों के प्रबंधकों को इतना साहसी बना दिया है कि वे हर साल बेधड़क कीमतें बढ़ाते हैं।

सरकारी तंत्र की निष्क्रियता और जवाबदेही का अभाव

सवाल यह भी उठता है कि आखिर प्रशासन इन धांधलियों पर अपनी आंखें मूंद कर क्यों बैठा है? क्या वजह है कि हर साल हजारों शिकायतों के बाद भी किसी बड़े स्कूल का लाइसेंस रद्द नहीं किया जाता? भ्रष्टाचार की परतें इतनी मोटी हैं कि जांच की फाइलें दफ्तरों की धूल फांकती रहती हैं। जब तक शिक्षा विभाग के अधिकारियों की जवाबदेही तय नहीं होगी और उनके खिलाफ कार्रवाई नहीं होगी, तब तक स्कूलों की यह 'दुकानदारी' बंद नहीं होने वाली। समाज का एक बड़ा हिस्सा मानता है कि राजनीतिक संरक्षण के बिना इस स्तर की धांधली संभव नहीं है।

शिक्षा के बुनियादी ढांचे में आता नैतिक पतन

शिक्षा कभी त्याग और तपस्या का क्षेत्र मानी जाती थी, लेकिन अब यह केवल बैलेंस शीट और मुनाफे के प्रतिशत पर टिकी है। जब स्कूलों की बुनियाद ही इस तरह की अनैतिक वसूली पर रखी जाएगी, तो हम आने वाली पीढ़ी को क्या संस्कार देंगे? बच्चे अपने आसपास अपने माता-पिता को स्कूल प्रशासन के सामने गिड़गिड़ाते या मजबूर होते देखते हैं, जिससे उनके मन में शिक्षा और शिक्षकों के प्रति सम्मान कम हो जाता है। यह नैतिक पतन समाज के लिए आने वाले समय में एक बड़ा संकट पैदा करेगा।

समाधान की तलाश और एक साझा भविष्य की उम्मीद

इस समस्या का समाधान केवल विरोध में नहीं, बल्कि व्यवस्था परिवर्तन में है। राजधानी के जागरूक नागरिकों का मानना है कि जब तक सरकारी स्कूलों की गुणवत्ता निजी स्कूलों के बराबर या उससे बेहतर नहीं होगी, तब तक यह शोषण जारी रहेगा। इसके साथ ही, किताबों और ड्रेस के लिए 'एक राष्ट्र, एक नीति' जैसा कोई सख्त कानून जरूरी है, जो कीमतों की अधिकतम सीमा तय कर सके। स्कूलों के ऑडिट पारदर्शी होने चाहिए और अभिभावकों की भागीदारी स्कूल की गतिविधियों में महज एक औपचारिकता न होकर वास्तविक होनी चाहिए।

लेखक : राहुल हिंदुस्तानी

आशा ताई को स्वरांजलि

जन्म : 8 सितंबर 1933,
निधन : 12 अप्रैल 2026
दीदी लता का निधन भी 92 की उम्र में रविवार को हुआ था

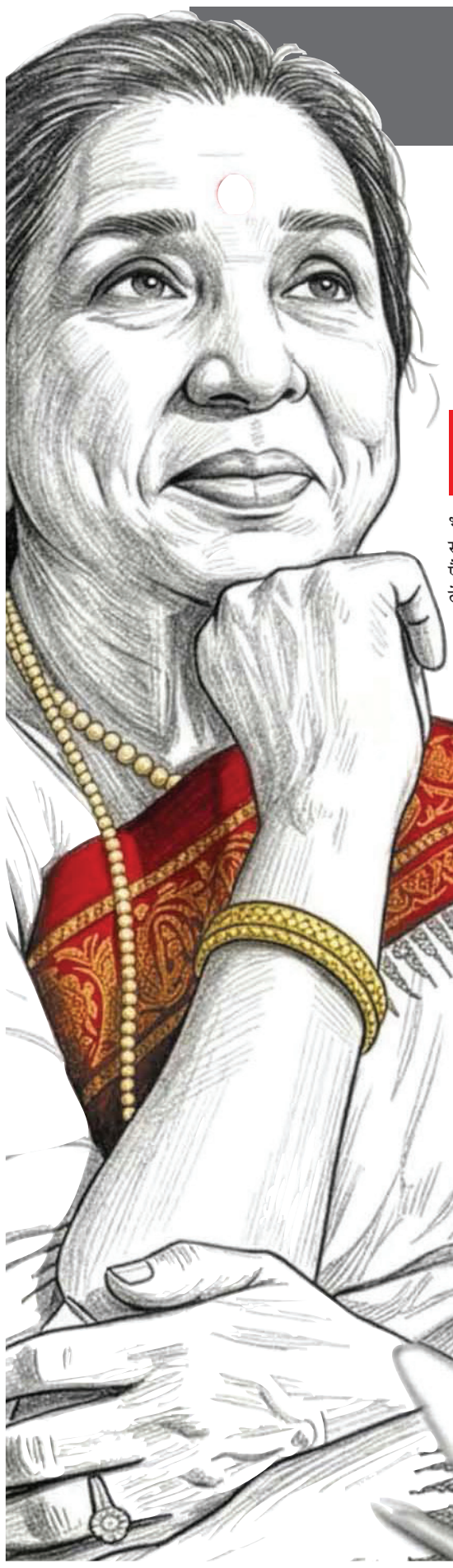

ताई का मंत्र : "बड़ा बनना है तो सरल रहो" -सादगी और साधना का अनूठा संगम

भारतीय संगीत के अंबर से एक ऐसी देदीप्यमान मणिका ओझल हो गई है, जिसकी आवाज ने न केवल पीढ़ियों को प्रेम, विरह और उल्लास की व्याकरण सिखाई, बल्कि यह भी सिद्ध किया कि कला का कद प्रोटोकॉल, सत्ता और समय की सीमाओं से कहीं ऊंचा होता है। दिल्ली के ताज पैलेस की वह शाम आज भी स्मृतियों में जीवंत है, जब देश की प्रथम नागरिक राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने 'नारी शक्ति पुरस्कार' समारोह के दौरान गरिमा के सारे तय बंधनों को किनारे रखकर स्वयं माइक थामा और एक मुग्ध श्रोता की भांति आशा जी से उनके प्रिय गीतों की फरमाइश कर दी। वह दृश्य ऐतिहासिक था—जब राष्ट्रपति ने 'लगान' के उस मर्मस्पर्शी गीत 'मीरा कैसे न जले' को सुनने की इच्छा जताई और शब्दों की विस्मृति के बावजूद आशा जी ने अपनी चिर-परिचित खनक से हॉल को मंत्रमुग्ध कर दिया। इसके बाद जब उन्होंने अपना पसंदीदा नगमा 'चुरा लिया है तुमने जो दिल को' छेड़ा, तो वातावरण में एक ऐसी जादुई तरंग उठी कि राष्ट्रपति स्वयं भावुक होकर उन्हें हाथ थामकर मंच से नीचे उतारने आईं। यह किसी राजनैतिक प्रोटोकॉल का टूटना नहीं था, बल्कि एक राष्ट्र द्वारा अपनी उस बेटी को दिया गया सर्वोच्च सम्मान था, जिसने 20 से अधिक भाषाओं और हजारों धुनों में भारत की आत्मा को पिरोया था। आशा जी का व्यक्तित्व एक घरेलू महिला की सरलता और एक वैश्विक दिवा के आत्मसम्मान का वह दुर्लभ संगम था, जिसने सात दशकों तक सुरों की सल्तनत पर एकछत्र राज किया।

आशा भोसले का जीवन केवल सफलता की सुनहरी चमक का नाम नहीं है, बल्कि यह उन गहन व्यक्तिगत दुखों, कठिन सामाजिक संघर्षों और पेशेवर चुनौतियों का एक जीवंत दस्तावेज है, जिसने उन्हें तराश कर हीरा बनाया। उस दौर में, जब इंडस्ट्री में राजकुमारी, सुरैया, नूरजहां और गीता दत्त जैसी दिग्गजों का निर्विवाद बोलबाला था, और स्वयं उनकी बड़ी बहन लता मंगेशकर 'बरसात' की सफलता के बाद एक अप्राप्य शिखर बन चुकी थीं, आशा जी के लिए अपनी स्वतंत्र पहचान बनाना एक हिमालयी चुनौती थी। उन्होंने अपनी आवाज को 'हाई-पिच' के सांचे में ढाला, अंग्रेजी संगीत को आत्मसात किया और एक ऐसा आधुनिक अंदाज विकसित किया जिसने संगीतकारों को मजबूर कर दिया कि वे उनके लिए लीक से हटकर धुनें तैयार करें। निजी जीवन में भी राहें आसान नहीं थीं; कम उम्र में प्रेम विवाह और उसके बाद के संघर्षों ने उन्हें भीतर से फौलाद बना दिया था।

उन्होंने अपनी संतान—बेटी वर्षा और अपने एक बेटे के असमय बिछोह का जो वज्रपात सहा, उसने उनके भीतर के कलाकार को एक ऐसी दार्शनिक गहराई दी जो उनके बाद के गीतों में स्पष्ट झलकती है। उनके बेटे आनंद, जो उनके आखिरी सांस तक उनके साये की तरह रहे, उनके कार्य और उनके अटूट अनुशासन के सबसे बड़े गवाह रहे। लता जी के साथ उनके रिश्तों के उतार-चढ़ाव और अंततः उस अगाध प्रेम ने यह साबित किया कि दो महान आत्माएं एक-दूसरे की प्रतिस्पर्धी नहीं, बल्कि पूरक होकर ही कालजयी इतिहास रचती हैं।

राजधानी चौपाल के सुधि पाठकों के लिए आशा जी का प्रस्थान केवल एक महान गायिका का जाना नहीं, बल्कि उस जीवटता के एक स्वर्णिम अध्याय का समापन है, जो हमें सिखाता है कि उम्र और परिस्थितियां कभी प्रतिभा की बेड़ियाँ नहीं बन सकतीं। 90 वर्ष की आयु में दुबई के खचाखच भरे कॉन्सर्ट में उनका वही जोश, और दिसंबर 2025 में अदनान सामी के साथ उनकी अंतिम सुरीली जुगलबंदी यह बताने के लिए पर्याप्त है कि उनका गला कभी बूढ़ा नहीं हुआ। उनके पिता द्वारा दी गई संस्कृत की शिक्षा ने उनके उच्चारण को वह धार दी थी कि वे तमिल के कठिन शब्दों से लेकर उर्दू की नजाकत तक को एक ही सहजता से जी लेती थीं।

आज जब हम उनके 'ओपी नैय्यर' की मस्ती, 'रवि' की संजीदगी और 'आरडी बर्मन' के क्रांतिकारी प्रयोगों को याद करते हैं, तो महसूस होता है कि उन्होंने अपनी विरासत में जो 'सामान' हमारे पास छोड़ा है, वह हमारे अकेलेपन का हमसफर और हमारी महफिलों की रौनक बना रहेगा।

गुलजार के उन शब्दों को उधार लें तो आज सचमुच लग रहा है कि वह अपना 'कुछ सामान' वापस मांग रही हैं, लेकिन यह राष्ट्र उन्हें कभी नहीं लौटा पाएगा—न उनके गीत, न वह मुस्कान और न ही वह ऊर्जा जिसने करोड़ों निराश दिलों को जीने की 'आशा' दी। वे 92 वर्ष की आयु में इस संसार से विदा तो हुईं, लेकिन उनकी जादुई आवाज की गूँज आने वाली अनंत सदियों तक संगीत के गलियारों में एक अमिट हस्ताक्षर की तरह सुरक्षित रहेगी।

'राधा कैसे न जले' में ताई ने जो 'हरकतें' लीं, जो अंदाज पकड़ा, उसी से गाना ऐतिहासिक बना

जब मैं नेपाल के अपने गांव में था, तब रेडियो पर आशा ताई की आवाज सुनता था। कभी नहीं सोचा था कि मुंबई में उनके साथ माइक साझा करूंगा। फिर एक दिन चमत्कार हुआ। मुझे लगान का ऐतिहासिक गाना 'राधा कैसे न जले' उनके साथ गाने का मौका मिला। ए.आर. रहमान ने चेन्नई बुलाया। जावेद अख्तर और आमिर खान भी वहां थे। रहमान ने कहा, "उदित, सिचुएशन ये है कि भगवान कृष्ण और राधा के बीच की नोक-झोंक है। आशा जी इसमें गाएंगी, पहले तुम अपना हिस्सा रिकॉर्ड कर दो।" मैं अपना हिस्सा गाकर मुंबई आ गया। लेकिन, जब बाद में ताई का गाया हुआ हिस्सा सुना... ओहो! ढंग रह गया। उन्होंने उसमें जो 'हरकतें' लीं, जो अंदाज पकड़ा था, उसने उस गाने को ऐतिहासिक बना दिया। आप कुछ भी गवा लीजिये, उनके पास हर गाने के लिए एक अलग 'सांस' थी। एक तरफ 'इन आंखों की मस्ती' में ठहराव वाली नजाकत, और दूसरी तरफ 'रंगीला' के वो हाई-पिच एनर्जेटिक सुर। ये असाधारण कला है। सुरों से उनकी दिल्लगी इतनी गहरी थी कि महज 3-4 घंटे में हमने 'राधा कैसे न जले' रिकॉर्ड कर लिया था। ताई, जहां भी रहिए, जन्नत को भी सुरीला बनाए रखना। -**जैसा उदित नारायण ने बताया।**

ऐसी थीं ताई

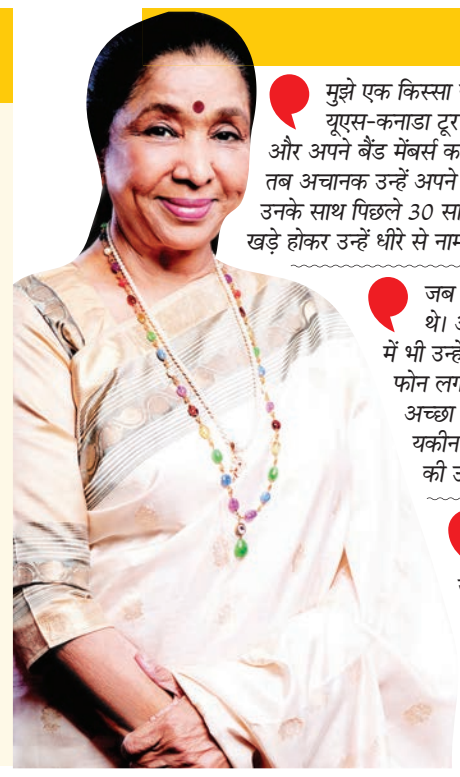

मुझे एक किस्सा याद है। साल 2007 का। तब मैं और आशा ताई यूएस-कनाडा टूर पर थे। आशा जी स्टेज पर अक्सर चुटकुले सुनाती थीं और अपने बैंड मेंबर्स का परिचय कराती थीं। एक बार वह परिचय करा रही थीं, तब अचानक उन्हें अपने उस बैंड मेंबर का नाम ही याद नहीं आ रहा था, जो उनके साथ पिछले 30 साल से थे। पूरी ऑडियंस हंसने लगी। तब मैंने बगल में खड़े होकर उन्हें धीरे से नाम बताया। – **कैलाश खेर**

जब पंचम दा (आर.डी. बर्मन) गुजरे, तो हम उनके घर गए थे। आशा जी वहां बहुत उदास बैठी थीं। उस गमगीन माहौल में भी उन्हें हमारा ख्याल था। उन्होंने वहीं से यश चोपड़ा जी को फोन लगाया और कहा- "यश, ये दो लड़के (जतिन-ललित) अच्छा काम कर रहे हैं, आप इन्हें एक बार सुनिए जरूर।" आप यकीन मानिए, हमें 'दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे' आशा जी की उसी सिफारिश की वजह से मिली थी। – **ललित पंडित**

40 साल पहले की बात है। एक रात हम उनके घर पर काम कर रहे थे। डेढ़ बज गए थे। जैसे ही हमने जाने के लिए दरवाजा खोला, सामने आशा दीदी खड़ी थीं। वो रिकॉर्डिंग से लौटी थीं। उन्होंने पूछा- तुमने खाना खाया? मैंने कहा- नहीं दीदी। उन्होंने कहा- 15 मिनट रुको। फिर किचन गईं और गर्मागर्म चिकन और चावल बनाकर ले आईं। इतनी थकी थीं, फिर भी उन्होंने हमारा ख्याल रखा। यही उनकी महानता थी। – **उत्तम सिंह**

ईरान-अमेरिका के बीच पहले दिन करीब 14 घंटे बातचीत हुई : ईरान

सरकार बोली- कुछ मुद्दों पर अभी भी मतभेद, वार्ता आगे भी जारी रहेगी

इस्लामाबाद (राजधानी चौपाल)| पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद में ईरान और अमेरिका के बीच पहले दिन दो राउंड में करीब 14 घंटे तक सीजफायर वार्ता चली। ईरान सरकार X पर लिखा- पहले दौर को फिलहाल रोक दिया गया है। दोनों देशों की टीमों ने आपस में मसौदे और जरूरी दस्तावेज शेयर किए हैं। ईरान सरकार ने कहा- कुछ मुद्दों पर अभी भी मतभेद बाकी हैं। पाकिस्तान के प्रस्ताव पर दोनों पक्षों ने सहमति दी है कि रविवार को विराम के बाद वार्ता का अगला दौर फिर शुरू होगा। हालांकि CNN की रिपोर्ट के मुताबिक व्हाइट हाउस ने कहा कि बातचीत को 15 घंटे बीत चुके हैं और वार्ता अभी भी जारी है।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक बैठक में एक्सपर्ट्स ने सुरक्षा, राजनीति, सेना, अर्थव्यवस्था और कानून से जुड़े मुद्दों पर बात की। अमेरिका की तरफ से उपराष्ट्रपति जेडी वेंस, जबकि ईरान की तरफ से संसद स्पीकर मोहम्मद बाघेर गालिबाफ ने नेतृत्व किया। ईरान ने लेबनान पर तुरंत इजराइली हमले रोकने की मांग की। 47 साल पहले यानी 1979 में ईरान की इस्लामिक क्रांति के बाद ये पहली बार था जब दोनों देश के नेताओं ने इतने बड़े स्तर पर आमने-सामने बातचीत की। इससे पहले ईरान ने कहा था कि अगर इस्लामाबाद में चल रही बातचीत किसी नतीजे पर नहीं पहुंची, तो सिर्फ इजराइल को दोष नहीं दिया जा सकता। इजराइल और अमेरिका के फैसले जुड़े हैं, इसलिए वार्ता फेल होने पर जिम्मेदारी अमेरिका पर भी होगी।

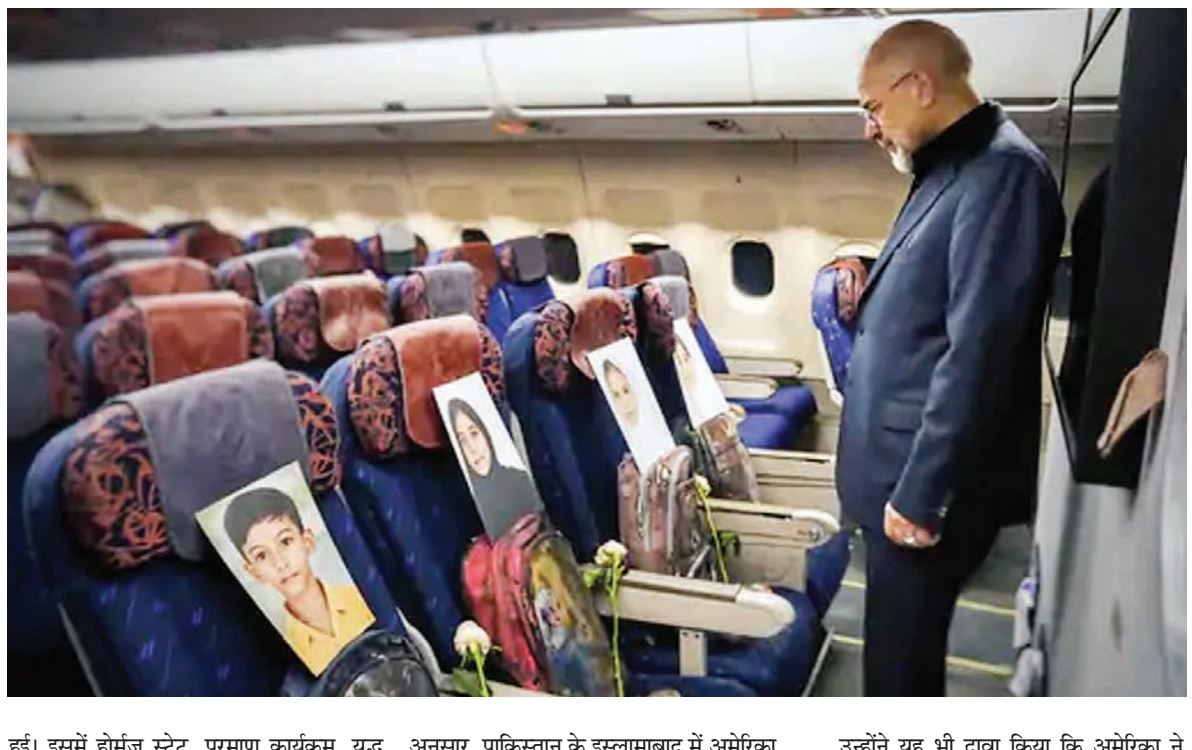

प्लेन में बच्चों की तस्वीरें रखकर पाकिस्तान पहुंचे गालिबाफ

गालिबाफ ने इस्लामाबाद पहुंचने के बाद एक्स पर एक फोटो शेयर की। इसमें विमान की सीटों पर चार बच्चों की तस्वीरें रखी हैं, जिनके साथ उनके खून से सने स्कूल बैग और जूते रखे हैं और फूल भी रखा है। ईरानी शहर मिनाब में जंग के पहले ही दिन 28 फरवरी को एक प्राइमरी स्कूल पर हमला हुआ था, जिसमें 168 लोगों की मौत हुई थी। इनमें बच्चे और स्कूल का स्टाफ भी शामिल था। इस हमले का आरोप अमेरिका और इजराइल पर लगाया गया था। अमेरिका ने कहा कि वे इस हमले की जांच कर रहे हैं।

अमेरिका-ईरान वार्ता में होर्मुज और युद्ध मुआवजा शामिल

ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बगाई ने कहा कि पिछले 24 घंटों में अमेरिका और ईरान के बीच कई अहम मुद्दों पर बातचीत हुई। इसमें होर्मुज स्ट्रेट, परमाणु कार्यक्रम, युद्ध का मुआवजा, प्रतिबंध हटाना और क्षेत्र में युद्ध पूरी तरह खत्म करना शामिल था। रिपोर्ट के मुताबिक, दोनों पक्ष इन मुद्दों पर समझौते की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन कुछ बातों पर अभी भी मतभेद बने हुए हैं। खासकर होर्मुज स्ट्रेट और परमाणु मुद्दा बातचीत के सबसे बड़े बिंदु माने जा रहे हैं।

अमेरिका-ईरान के बीच पहले दिन 14 घंटे तक बातचीत चली

पाकिस्तान की मध्यस्थता में अमेरिका और ईरान के बीच हुई बातचीत 14 घंटे तक चली। इसके बाद पहला दौर खत्म हो गया है। अब दोनों देशों की तकनीकी टीमें आपस में मसौदे और जरूरी दस्तावेज साझा कर रही हैं। कुछ मुद्दों पर अभी भी मतभेद बने हुए हैं। इसी वजह से बातचीत को आगे भी जारी रखने का फैसला लिया गया है। दोनों पक्ष समझौते की दिशा में आगे बढ़ने की कोशिश कर रहे हैं। आने वाले समय में वार्ता का अगला दौर फिर से हो सकता है।

इस्लामाबाद में अमेरिका-ईरान वार्ता 15 घंटे से जारी

वहीं व्हाइट हाउस के एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार, पाकिस्तान के इस्लामाबाद में अमेरिका, ईरान और पाकिस्तान के बीच त्रिपक्षीय वार्ता अभी भी जारी है। यह बातचीत देर रात से चल रही है और अब 15 घंटे से ज्यादा समय हो चुका है। अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व उपराष्ट्रपति जेडी वेंस कर रहे हैं। हालांकि अभी यह साफ नहीं है कि इन 15 घंटों में कितना समय सिर्फ अमेरिका और ईरान की सीधी बातचीत में लगा। फिर भी यह माना जा रहा है कि बातचीत अभी भी किसी समझौते की दिशा में आगे बढ़ रही है।

ईरान से बातचीत पर ट्रम्प बोले- समझौता हो या नहीं, अमेरिका की जीत तय

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने ईरान के साथ चल रही बातचीत पर कहा है कि चाहे समझौता हो या न हो, अमेरिका हर हाल में जीतेगा। व्हाइट हाउस में पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा- जो भी हो, जीत हमारी ही होगी। ट्रम्प ने कहा कि इस समय अमेरिका और ईरान के बीच गहरी बातचीत चल रही है और आने वाले समय में इसका नतीजा सामने आएगा। उन्होंने कहा कि यह उनके लिए ज्यादा मायने नहीं रखता कि ईरान समझौता करता है या नहीं।

उन्होंने यह भी दावा किया कि अमेरिका ने ईरान को सैन्य रूप से कमजोर कर दिया है। साथ ही ट्रम्प ने कहा कि होर्मुज स्ट्रेट में अमेरिका सफाई अभियान चला रहा है और वहां बिछाई गई माइंस को हटाया जा रहा है। इसके अलावा ट्रम्प ने चीन को भी चेतावनी दी। उन्होंने कहा कि अगर चीन ईरान को हथियार भेजता है, तो उसे बड़ी मुश्किलों का सामना करना पड़ सकता है। उनके इस बयान से क्षेत्रीय तनाव और बढ़ने की आशंका है।

ईरान के राष्ट्रपति बोले- सप्लाई और सामान की व्यवस्था सामान्य रहेगी

ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन ने कहा है कि देश में सामान की सप्लाई और वितरण व्यवस्था लगातार सामान्य रूप से चलती रहेगी। उन्होंने उद्योग, खान और व्यापार मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक कर हालात की जानकारी ली। राष्ट्रपति ने कहा कि हाल के अमेरिका-इजराइल हमलों से प्रभावित उत्पादन इकाइयों की स्थिति की समीक्षा की गई है। उन्होंने जनता को भरोसा दिलाया कि सरकार की कोशिशों से देश में जरूरी सामान की सप्लाई बिना रुकावट जारी रहेगी।

ट्रम्प ने खुद को जीजस दिखाने वाली पोस्ट डिलीट की

डोनाल्ड ट्रम्प ने सोशल मीडिया से उन्हें जीजस के रूप में दिखाने वाली तस्वीर हटा दी है। इस तस्वीर में वे एक बीमार व्यक्ति को ठीक करते नजर आ रहे थे। इस पोस्ट के बाद लोगों ने उनका जमकर विरोध किया था। यहां तक कि ट्रम्प के समर्थकों ने भी इस तस्वीर को गलत और अपमानजनक बताया। कुछ लोगों ने इसे ईशनिंदा (ब्लासफेमी) कहा था। कंजर्वेटिव इन्फ्लुएंसर रिले गेन्स ने कहा था कि उन्हें समझ नहीं आता कि ट्रम्प ने ऐसी तस्वीर क्यों पोस्ट की। उनका थोड़ा विनम्र होना बेहतर होता और भगवान का मजाक नहीं उड़ाना चाहिए। वहीं, फॉक्स न्यूज के शो होस्ट जॉय जोन्स ने भी इस तस्वीर की आलोचना करते हुए इसे अजीब बताया और कहा कि नेताओं को ऐसे बेफिजूल के विवादों से बचना चाहिए। एक अन्य कंजर्वेटिव एक्टिविस्ट ब्रिलिन हॉलीहैंड ने कहा कि धर्म कोई दिखावे की चीज नहीं है और किसी नेता को खुद को मसीहा की तरह दिखाने की जरूरत नहीं है।

नेतन्याहू बोले- लेबनान से स्थायी शांति समझौता चाहते हैं

इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा है कि उनका देश लेबनान के साथ स्थायी शांति समझौता चाहता है। उन्होंने बताया कि अगले हफ्ते औपचारिक बातचीत शुरू होगी। इसके लिए उन्होंने दो शर्तें रखीं- पहली हिज्बुल्लाह के हथियार खत्म किए जाएं और दूसरी ऐसा समझौता हो जो लंबे समय तक शांति बनाए रखे।

अमेरिका और ईरान में वार्ता के दौरान होर्मुज स्ट्रेट पर मतभेद

ईरान की तस्नीम एजेंसी के मुताबिक, अमेरिका और ईरान के बीच बातचीत जारी है और दोनों पक्ष समझौते की कोशिश कर रहे हैं। इसके लिए लगातार संदेशों का आदान-प्रदान हो रहा है, लेकिन अभी तक पूरी सहमति नहीं बन पाई है। रिपोर्ट के अनुसार, होर्मुज स्ट्रेट का मुद्दा सबसे बड़ा विवाद बना हुआ है। इसी वजह से बातचीत आगे बढ़ने में दिक्कत आ रही है। फिर भी दोनों देश बातचीत जारी रखे हुए हैं।

ईरान के सेंट्रल बैंक गवर्नर ने इशाक डार से की मुलाकात

ईरान के सेंट्रल बैंक गवर्नर अब्दोलनासेर हेम्मती ने शनिवार को इस्लामाबाद में पाकिस्तान के उप प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री इशाक डार से मुलाकात की। यह बैठक इस्लामाबाद में चल रही अहम वार्ता के दौरान हुई। पाकिस्तान विदेश मंत्रालय के अनुसार, दोनों नेताओं ने क्षेत्र में शांति, स्थिरता और आर्थिक सहयोग पर चर्चा की। बैठक में इस बात पर जोर दिया गया कि क्षेत्र में शांति और स्थिरता आर्थिक प्रगति और साझा विकास के लिए बेहद जरूरी है।

नेतन्याहू बोले- ईरान के खिलाफ लड़ाई जारी रहेगी

इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा है कि इजराइल ईरान और उसके सहयोगी समूहों के खिलाफ अपनी कार्रवाई जारी रखेगा। सोशल मीडिया पोस्ट में उन्होंने लिखा कि उनकी सरकार ईरान के आतंकी नेटवर्क और उसके प्रॉक्सी समूहों के खिलाफ लड़ाई जारी रखेगी। उन्होंने तुर्किये के राष्ट्रपति रेचेप तैय्यप एर्दोआन की भी आलोचना की।

यह बयान ऐसे समय आया है जब ईरान में सीजफायर लागू है और अमेरिका-ईरान के बीच बातचीत भी जारी है। इसके बावजूद नेतन्याहू के इस बयान से क्षेत्र में तनाव और बढ़ने की आशंका जताई जा रही है।

ट्रम्प ने पीएम मोदी को फोन किया, 40 मिनट बातचीत

ईरान जंग पर चर्चा, दोनों ने कहा- होर्मुज का खुला रहना बहुत जरूरी

नई दिल्ली (राजधानी चौपाल) |पीएम मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प के बीच करीब 40 मिनट तक फोन पर बातचीत हुई। इस दौरान दोनों नेताओं ने ईरान जंग पर चर्चा की और इस बात पर जोर दिया कि होर्मुज खुला रहना चाहिए। पीएम मोदी सोशल मीडिया पर लिखा- मुझे मेरे दोस्त राष्ट्रपति ट्रम्प का फोन आया। हमने दोनों देशों के बीच अलग-अलग क्षेत्रों में हुए काम और प्रगति पर बात की। हमने यह भी कहा कि आगे चलकर भारत और अमेरिका के रिश्ते को और मजबूत करेंगे। अमेरिका-ईरान सीजफायर के बाद दोनों नेताओं के बीच पहली बातचीत थी। अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर ने बताया कि फोन कॉल के दौरान पीएम मोदी ने ट्रम्प से कहा, "भारत के लोग आपको पसंद करते हैं।" इस पर ट्रम्प ने कहा कि हम सभी आपसे प्यार करते हैं।

अमेरिकी राजदूत बोले- भारत-यूएस में जल्द बड़ा समझौता : सर्जियो गोर ने कहा है कि प्रधानमंत्री मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प के बीच होर्मुज की घेराबंदी के मुद्दे पर चर्चा हुई। उन्होंने यह भी बताया कि आने वाले कुछ दिनों और हफ्तों में भारत और अमेरिका के बीच ऊर्जा से जुड़े बड़े समझौते होने की उम्मीद है। गोर ने कहा है कि भारत और अमेरिका के रिश्ते मजबूत हैं। दोनों देशों के बीच सहयोग लगातार बढ़ रहा है और कई अहम मुद्दों पर साथ मिलकर काम किया जा रहा है।

ट्रम्प-मोदी के बीच 20 दिन में दूसरी बातचीत : इससे पहले पीएम मोदी और ट्रम्प के बीच 24 मार्च को फोन पर बात हुई थी। उस बातचीत में दोनों नेताओं ने मिडिल ईस्ट के हालात पर बात की थी। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा था कि भारत चाहता है कि तनाव कम हो और जल्द से जल्द शांति बहाल हो। उन्होंने होर्मुज स्ट्रेट को खुला और सुरक्षित रखने की अहमियत भी बताई थी, क्योंकि इसका असर पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था पर पड़ता है।

इस बातचीत को लेकर न्यूयॉर्क टाइम्स ने अज्ञात अमेरिकी अधिकारियों के हवाले से कहा था कि एलन मस्क दोनों नेताओं के बीच हुई बातचीत में शामिल हुए थे। न्यूयॉर्क टाइम्स ने बताया, "मंगलवार को एलन मस्क ने भारत के राष्ट्रपति ट्रम्प और प्रधानमंत्री मोदी के साथ फोन पर बातचीत में भाग लिया, जो युद्धकालीन संकट के दौरान दो राष्ट्राध्यक्षों के बीच हुई बातचीत में एक निजी नागरिक की असामान्य उपस्थिति थी।" हालांकि भारत सरकार ने इन सारे दावों का खंडन कर दिया था, और सभी रिपोर्ट को गलत बताया।

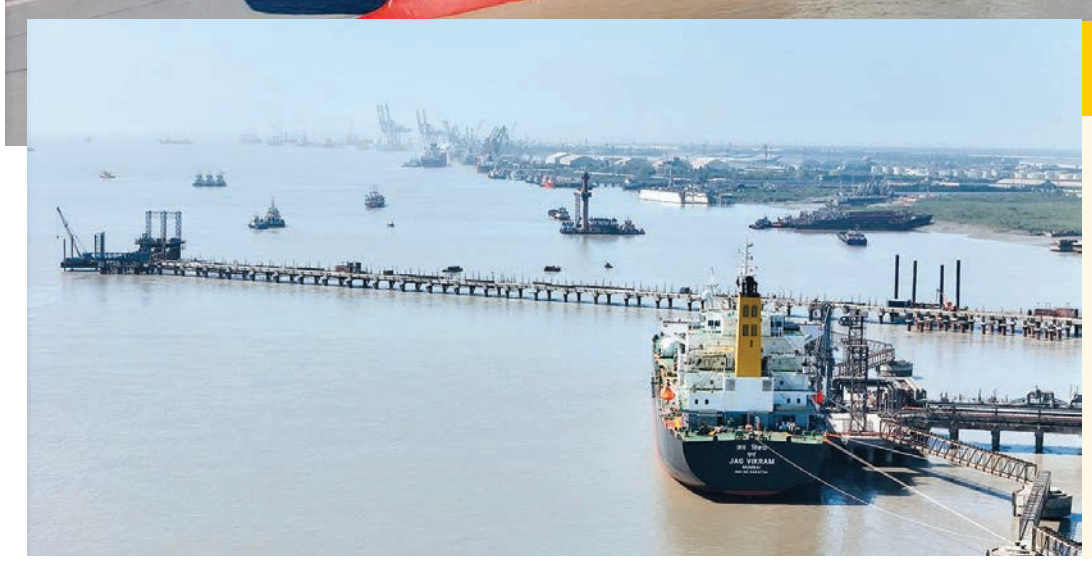

भारतीय जहाज 'जग विक्रम' LPG लेकर पहुंचा

मिडिल ईस्ट में बढ़ते तनाव के बीच भारत के लिए राहत भरी खबर है। भारतीय जहाज 'जग विक्रम' 20,400 मीट्रिक टन LPG लेकर गुजरात के कांडला पोर्ट पहुंच गया है। यह जहाज 11 अप्रैल को स्ट्रेट ऑफ होर्मुज पार कर चुका था। इसके बाद 14 अप्रैल को यह सुरक्षित रूप से कांडला पोर्ट पहुंच गया। जहाज में 20,400 मीट्रिक टन LPG है, जो घरेलू और औद्योगिक जरूरतों के लिए महत्वपूर्ण है। अमेरिका-ईरान तनाव के चलते स्ट्रेट ऑफ होर्मुज से गुजरने वाले जहाजों पर जोखिम बढ़ गया है। ऐसे में 'जग विक्रम' का सुरक्षित पहुंचना भारत की ऊर्जा आपूर्ति के लिए अहम माना जा रहा है।

सोते समय हमारा शरीर मरम्मत करने वाली एक मशीन बन जाता है। लंबे और बेहतर जीवन के लिए अच्छी और गहरी नींद लेना बेहद जरूरी है। जिंदगी की भागदौड़ के बीच शरीर की जैविक घड़ी को पटरी पर लाने और अच्छी नींद के जरिये सेहत बेहतर बनाने से जुड़े विभिन्न पहलुओं की जानकारी दे रहे हैं...

अच्छी नींद लें और खूब जिएं....

अगर बिस्तर पर जाते ही आपको नींद आ जाती है और 7-8 घंटे की गहरी नींद के बाद आप सुबह तरोताजा उठते हैं, तो आप उन करोड़ों लोगों में नहीं है, जो सोना तो चाहते हैं, पर उन्हें नींद नहीं आती। मैथ्यू वॉकर ने अपनी किताब 'व्हाई वी स्लीप' में लिखा है- विकसित देशों में दो-तिहाई वयस्क रात में 8 घंटे की गहरी नींद नहीं ले पाते हैं। नींद की कमी सेहत के लिए एक गंभीर खतरा बनकर उभर रही है, जिसमें गाड़ी चलाते समय झपकी लगने से दुर्घटनाएं होना, हार्ट फेलियर के मामले बढ़ना, कार्यक्षमता में कमी और डिप्रेशन के कारण आत्महत्या के जोखिम बढ़ना भी शामिल हैं।

आप अनिद्रा के शिकार हैं अगर...

नेशनल स्लीप फाउंडेशन के मुताबिक, अगर आपको विस्तर पर जाने के बाद 30 मिनट के भीतर नींद आ जाती है और रात में 5 मिनट से ज्यादा देर के लिए नींद नहीं खुलती और आप सुबह तरोताजा उठते हैं, तो इसका मतलब है कि आपको अच्छी नींद आ रही है। अगर ऐसा नहीं है, तो समस्या है।

इनसोम्निया या अनिद्रा एक स्लीप डिसआर्डर है, जिसमें नींद आने या पर्याप्त देर की नींद आने में दिक्कत होती है। अनिद्रा, शरीर और मस्तिष्क के बीच तालमेल बिगड़ने का संकेत है। यह समस्या किसी भी उम्र में हो सकती है। तीन सप्ताह तक नींद की समस्या को एक्यूट इनसोम्निया और उससे अधिक को क्रॉनिक इनसोम्निया कहते हैं। जब रात में कम सीने पर दिन में कोई समस्या न हो, तब उसे पुअर स्लीप कहते हैं, इनसोम्निया नहीं। अनिद्रा के लक्षण हैं- नींद देर से आना कम नींद आना थार-चार नींद टूटना नींद खुलने के बाद नींद न आना नींद न आने की बेचैनी रहना और मूड बिगड़ना आदि। अनिद्रा का उपचार जरूरी है।

ज्यादातर भारतीय नहीं ले रहे पूरी नींद

द ग्रेट इंडियन स्लीप स्कोरकार्ड की रिपोर्ट के अनुसार, भारत नीद की कमी से जूझ रहा विश्व का दूसरा सबसे प्रभावित देश है। यहां औसतन, एक व्यक्ति सालभर में 400-918 घंटे की नींद कम लेता है। 59 प्रतिशत भारतीय 6 घंटे से कम की गहरी नींद लेते हैं और केवल 2 प्रतिशत लोग ही 8 घंटे की गहरी नींद सोते हैं। इस सर्वे में यह भी पता चला कि 57 प्रतिशत भारतीय रात में 11 बजे के बाद सोते हैं। मुंबई, दिल्ली, कोलकाता, हैदराबाद जैसी बड़े शहरों का हाल तो बहुत खराब है, यहां कि 30-40 प्रतिशत आबादी आधी रात के बाद सोने जाती है। विशेषज्ञों का मानना है कि यह एक चिंताजनक संकेत है। रात में गैजेट्स का इस्तेमाल और तनावपूर्ण वर्क कल्चर भी युवाओं के नींद पैटर्न को बिगाड़ रहा है।

बढ़ रही 'सोशल जेट लैग' की समस्या

सोशल नेट लैग की स्थिति तब पैदा होती है, जब कामकाजी दिनों और छुट्टी के दिनों में सोने और जागने के समय में बहुत अधिक अंतर होता है। इससे शरीर की जैविक घड़ी अमित हो जाती है। जर्नल ऑफ क्लिनिकल स्लीप मेडिसिन के अनुसार, छुट्टी के दिनों में नींद की भरपाई करने के लिए बहुत देर सोना, अवसाद, चिड़चिड़ापन व मेटाबॉलिक सिंड्रोम का खतरा 30% तक बढ़ा सकता है। 'क्रोनिक इन्फ्लेमेशन' की स्थिति भी पैदा हो सकती है। विशेषज्ञों के अनुसार, छुट्टी के दिन भी नियमित समय से 30-45 मिनट से ज्यादा देर तक न सोएं। सुबह रोज के समय उठें, चाहें तो दोपहर में एक छोटी झपकी ले। पूरे दिन घर में न रहें, बाहर निकलें। सुबह उठने पर कुछ देर प्राकृतिक रोशनी में बिताएं।

अपनी जैविक घड़ी से जुड़िए

शरीर की सर्केडियन रिदम, प्रकृति की तरह प्रकाश और अंधेरे के संपर्क से नियंत्रित होती है। इस प्रक्रिया में मेलेटोनिन रसायन प्रमुख भूमिका निभाता है। इसे' अंधेरे का हार्मोन' भी कहते हैं। इसकी कमी चौकन्नापन बढ़ाती है और अधिकता उनींदापन। साइंस जर्नल 'हेल्थ डेटा साइंस' में छपे एक अध्ययन के अनुसार, रोज अलग-अलग समय पर सोना और जागना शरीर के लिए उत्तना ही नुकसानदायक है, जितना कम नींद लेना। हर दिन एक ही समय पर सोना और जागना, आंतरिक घड़ी ठीक रखता है, जिससे अच्छी नींद आती है।

अच्छी नींद के आसान उपाय

- सोने, जागने व खाने का 1 एक निश्चित समय तथ करे। इससे शरीर की प्राकृतिक लय बनी रहती है।
- 2 अगले दिन के काम की चिता रहती है. तो सोने से पहले अगले दिन जरूरी कामों की सूची बना लें।
- शाम 5 बजे के बाद चाय 3 का सेवन कम करें। या कॉफी से बचें। कैफीन
- 4 सोने से कम से कम 2-3 घंटे पहले भोजन कर ले। रात में हल्का भोजन करें। कुछ देर टहले, सोने से 1 घंटा पहले 5 मोबाइल, लैपटॉप और टीवी जैसी स्क्रीन्स को खुद से दूर कर दे।
- कमरे का तापमान उचित 6 (18 से 24 डिग्री) रखें। ठंडे और अंधेरे कमरे में बेहतर नींद आती है।
- अगर खर्राटे, नाक बंद या एलर्जी की समस्या रहती है, तो उपचार कराएं। इससे भी नींद प्रभावित होती है।
- प्राणायाम करें। रात में सोते समय कुछ समय गहरे श्वास का अभ्यास करें।

बिना सलाह न लें नींद की गोलियां

नींद की गोलियों को सबसे हानिकारक दवाओं में से एक माना जाता है। इनसे नींद तो आ जाती है, पर नींद की समस्या बनी रहती है। लगातार एक सप्ताह तक इन्हें लेना इनका आदी बना सकता है। रात में नींद आने के बावजूद, व्यक्ति दिन में तरोताजा महसूस नहीं करता। सिरदर्द होना और चक्कर आना जैसी परेशानियां होती हैं। पेट दर्द, एसिडिटी, कब्ज और अपच की समस्या बढ़ जाती है। शरीर का संतुलन बनाने में परेशानी हो सकती है। अमेरिकन हार्ट असोसिएशन की एक रिपोर्ट के अनुसार, मेलेटोनिन के सप्लीमेंट्स दिल पर भी बुरा असर डाल सकते हैं। हालांकि, कई बार नींद की दवाएं देना जरूरी हो जाता है। ऐसे में दवा उत्तनी ही मात्रा व अवधि के लिए ले, जितना डॉक्टर ने कहा है।

30 की उम्र, 60 की थकान: क्या है समाधान?

जवानी में बूढ़ी होती मांसपेशियां और सेहत का गिरता किला...

कल्पना कीजिए कि आप 35 साल के एक ऊर्जावान युवा हैं, लेकिन दफ्तर की दो मंजिलें चढ़ते ही आपकी सांसें उखड़ने लगती हैं। आप बाजार से पांच किलो सब्जी का थैला उठाकर घर तक नहीं ला पाते। क्या यह महज थकान है? शायद नहीं। विशेषज्ञों की मानें तो यह भारत की युवा पीढ़ी में घर कर रही एक 'साइलेंट किलर' बीमारी के पदचाप हैं, जिसे चिकित्सा विज्ञान की भाषा में सार्कोपेनिया कहा जाता है।

कभी बुढ़ापे की निशानी माना जाने वाला यह रोग अब 30 और 40 की उम्र के युवाओं के शरीर को खोखला कर रहा है। 'नेशनल लाइब्रेरी ऑफ मेडिसिन' के ताजा आंकड़े बताते हैं कि भारत में 35 से 70 वर्ष की आयु के लगभग 28% लोग इस समस्या की चपेट में हैं। यह रिपोर्ट न केवल डरावनी है, बल्कि हमारी बदलती जीवनशैली पर एक कड़ा प्रहार भी है।

सार्कोपेनिया का मनोविज्ञानः मांसपेशियों का अदृश्य क्षरण

सार्कोपेनिया केवल मांसपेशियों की कमजोरी नहीं है; यह शरीर के 'स्ट्रक्चरल ढांचे' का चरमराना है। यूनानी भाषा में 'सार्को' का अर्थ है मांस और 'पेनिया' का अर्थ है कमी। सरल शब्दों में, जब शरीर में मांसपेशियों का द्रव्यमान और उनकी कार्यक्षमता एक खतरनाक स्तर तक गिर जाती है, तो इसे सार्कोपेनिया कहा जाता है।

आखिर क्यों जवानी में ढह रही है ताकत की दीवार?

आमतौर पर 30 साल की उम्र के बाद प्राकृतिक रूप से प्रति दशक 3% से 8% मांसपेशियां कम होने लगती हैं। लेकिन आधुनिक युग में, खराब खान-पान और शारीरिक निष्क्रियता ने इस प्रक्रिया को 'एक्सप्रेसवे' पर डाल दिया है। जब हमारी मांसपेशियों की कोशिकाएं अपनी मरम्मत करने की क्षमता खो देती हैं, तो शरीर केवल चर्बी का एक ढेर बनकर रह जाता है।

हारमोंस का खेल और वैज्ञानिक कारण

सार्कोपेनिया के पीछे केवल आलस नहीं, बल्कि शरीर के भीतर चल रहा एक जटिल रासायनिक युद्ध है।

- **नर्व सेल्स का पतनः** उम्र बढ़ने या निष्क्रियता के कारण हमारे मस्तिष्क से मांसपेशियों तक संकेत ले जाने वाली तंत्रिका कोशिकाएं दम तोड़ने लगती हैं। जब सिग्नल ही नहीं पहुंचता, तो मांसपेशियां 'यूजलेस' होकर सुकड़ने लगती हैं।
- **हार्मोनल इम्बैलेंसः** पुरुषों में टेस्टोस्टेरोन और महिलाओं में एस्ट्रोजन का स्तर गिरना मांसपेशियों के विनाश का मुख्य कारण है। टेस्टोस्टेरोन वह ईंधन है जो मांसपेशियों को फौलादी बनाता है। वहीं, IGF-1 सेल रिपेयर के लिए जिम्मेदार है, जिसकी कमी आज के युवाओं में आम हो गई है।
- **प्रोटीन सिंथेसिस में बाधाः** हमारा शरीर भोजन से मिलने वाले प्रोटीन को मांसपेशियों में बदलने की कला भूलता जा रहा है। इसे 'एनाबॉलिक रेजिस्टेंस' कहा जाता है।
- **इंफ्लेमेशन (सूजन):** जंक फूड और तनाव के कारण शरीर के अंदर 'क्रॉनिक इंफ्लेमेशन' पैदा होता है, जो मांसपेशियों के ऊतकों को धीरे-धीरे जला देता है।

मेनोपॉजः महिलाओं के लिए दोहरी चुनौती

राजधानी चौपाल की पड़ताल में यह बात उभरकर आई है कि सार्कोपेनिया का सबसे घातक प्रहार महिलाओं पर होता है, विशेषकर मेनोपॉज (रजोनिवृत्ति) के बाद। वैज्ञानिक अध्ययनों के अनुसार, प्री-मेनोपॉज में जहां सार्कोपेनिया की दर 5.5% है, वहीं पोस्ट-मेनोपॉज में यह बढ़कर 7.43% हो जाती है। एस्ट्रोजन हार्मोन मांसपेशियों के लिए 'सुरक्षा कवच' का काम करता है। जैसे ही यह कवच हटता है, हड्डियां (ऑस्टियोपोरोसिस) और मांसपेशियां (सार्कोपेनिया) दोनों ही ढहने लगती हैं। महिलाएं अक्सर जोड़ों के दर्द को सार्कोपेनिया मानकर नजरअंदाज कर देती हैं, जो आगे चलकर स्थायी विकलांगता का कारण बनता है।

सार्कोपेनिया के लक्षणः पहचानिए अपने शरीर की चेतावनी

यह बीमारी अचानक हमला नहीं करती, बल्कि छोटे-छोटे संकेत देती हैः

- **चलने की गति में कमीः** यदि आप सामान्य से धीमा चलने लगे हैं।
- **पकड़ की कमजोरीः** चाय का कप पकड़ने या जार का ढक्कन खोलने में संघर्ष करना।
- **सीढ़ियों से डरः** दो मंजिल चढ़ने पर पैरों का कांपना।
- **संतुलन बिगड़नाः** चलते-चलते अचानक लड़खड़ाहट महसूस होना।
- **अकारण वजन कम होनाः** बिना किसी डाइट के शरीर का दुबला होना (यह मसल लॉस का संकेत है)।

बचाव के सूत्रः कैसे बचाएं अपनी जवानी?

डॉक्टरों और फिटनेस विशेषज्ञों का मानना है कि सार्कोपेनिया को न केवल रोका जा सकता है, बल्कि मांसपेशियों को दोबारा पुनर्जीवित भी किया जा सकता है।

1. रेजिस्टेंस ट्रेनिंग (शक्ति प्रशिक्षण) : कार्डियो (दौड़ना, चलना) अच्छा है, लेकिन सार्कोपेनिया के खिलाफ WEIGHT LIFTING या RESISTANCE BANDS सबसे बड़े हथियार हैं। जब आप मांसपेशियों पर दबाव डालते हैं, तो उनमें सूक्ष्म 'टियर्स' आते हैं, जिन्हें शरीर प्रोटीन के जरिए भरकर मांसपेशियों को पहले से अधिक मजबूत बनाता है।

2. प्रोटीन का गणित : भारतीय थाली में अक्सर प्रोटीन की कमी होती है। सार्कोपेनिया से बचने के लिएः

- प्रति किलोग्राम शरीर के वजन पर कम से कम 1.2 से 1.5 ग्राम प्रोटीन का सेवन करें।
- दालें, पनीर, सोयाबीन, अंडे और लीन मीट को अपनी डाइट का अनिवार्य हिस्सा बनाएं।
- ल्यूसीन युक्त खाद्य पदार्थ खाएं, जो मसल सिंथेसिस को सक्रिय करते हैं।

3. विटामिन-D और ओमेगा-3 : विटामिन-D केवल हड्डियों के लिए नहीं, बल्कि मांसपेशियों के संकुचन के लिए भी जरूरी है। धूप का सेवन और ओमेगा-3 फैटी एसिड (मछली का तेल या अलसी) मांसपेशियों की सूजन को कम करते हैं।

क्या हम एक कमजोर समाज की ओर बढ़ रहे हैं?

सार्कोपेनिया केवल एक व्यक्तिगत स्वास्थ्य समस्या नहीं है, बल्कि यह एक सामाजिक संकट है। यदि 35 साल की उम्र में देश की एक-तिहाई आबादी शारीरिक रूप से अक्षम होने लगेगी, तो उत्पादकता और अर्थव्यवस्था पर इसका गहरा असर पड़ेगा।

लिफ्ट के बजाय सीढ़ियां चुनें, अपनी थाली में प्रोटीन को प्राथमिकता दें और हफ्ते में कम से कम तीन दिन भारी वजन उठाएं। याद रखें, आपकी मांसपेशियां ही आपके शरीर का असली 'बैंक बैलेंस' हैं; इसे समय से पहले खर्च न होने दें।

बनारसी पान का राजसी स्वाद

अब कुल्हड़ वाली आइसक्रीम में : गर्मी का शाही तोहफा...

गर्मियों की तपिश जब अपने चरम पर होती है, तब मन कुछ ऐसा ढूंढता है जो न केवल शरीर को ठंडक दे, बल्कि रूह को भी तरोताजा कर दे। अगर इस ठंडक के साथ बनारस की गलियों का पारंपरिक स्वाद जुड़ जाए, तो अनुभव लाजवाब हो जाता है। बनारस का नाम आते ही जेहन में जो पहली तस्वीर उभरती है, वह है वहाँ का 'मशहूर मीठा पान'। इसी पारंपरिक स्वाद को एक नया और आधुनिक रूप दिया गया है—बनारसी पान कुल्हड़ आइसक्रीम।

यह महज एक डेजर्ट नहीं, बल्कि स्वाद, खुशबू और भारतीय परंपरा का एक अनोखा संगम है। मिट्टी के कुल्हड़ की सोंधी महक और बनारसी पान की रसीली मिठास जब एक साथ मिलती है, तो वह हर उम्र के व्यक्ति का दिल जीत लेती है। आइए जानते हैं इस रिफ्रेशिंग डिश की बारीकियां और इसे घर पर तैयार करने की विधि।

स्वाद का संगमः क्यों खास है यह आइसक्रीम?

आमतौर पर आइसक्रीम वनीला या चॉकलेट जैसे विदेशी स्वादों तक सीमित रहती है, लेकिन बनारसी पान आइसक्रीम सीधे हमारी जड़ों से जुड़ती है। इसमें इस्तेमाल होने वाले पान के पत्ते पाचन के लिए अच्छे माने जाते हैं, वहीं 'गुलकंद' शरीर को भीतर से शीतलता प्रदान करता है। जब इसे मिट्टी के कुल्हड़ में जमाया जाता है, तो मिट्टी के सूक्ष्म छिद्र आइसक्रीम की अतिरिक्त नमी को सोख लेते हैं, जिससे इसका टेक्सचर और भी गाढ़ा और क्रीमी हो जाता है।

बनाने की सामग्री

इस शाही डिश को तैयार करने के लिए आपको नीचे दी गई सामग्री की आवश्यकता होगीः

- **मुख्य आधारः** 6 से 7 ताजे बनारसी पान के पत्ते (बिना डंठल वाले)।
- **क्रीमी टेक्सचरः** 2 कप फ्रेश क्रीम, 1 कप कंडेंस्ड मिल्क और 1 कप फुल क्रीम दूध।
- **मीठा और महकः** 3 बड़े चम्मच गुलकंद, 1 छोटा चम्मच सौंफ और 1/2 छोटा चम्मच इलायची पाउडर।
- **गार्निशिंगः** 2 बड़े चम्मच कटे हुए पिस्ता और बादाम, और 1 चम्मच सूखी गुलाब की पंखुड़ियां।

तैयार करने की विधि

इस आइसक्रीम को बनाना एक कला है, जिसमें धैर्य और सही अनुपात की आवश्यकता होती है:

- **पान का पेस्ट तैयार करनाः** सबसे पहले पान के पत्तों को पानी से अच्छी तरह धोकर साफ कर लें। इनके बीच के सख्त डंठल को हटा दें। अब एक मिक्सर जार में इन पत्तों को डालें, साथ में गुलकंद और थोड़ा सा दूध मिलाएं। इसे तब तक पीसें जब तक कि एक महीन और खुशबूदार पेस्ट तैयार न हो जाए।
- **बेस मिश्रण बनानाः** एक बड़े गहरे बर्तन में फ्रेश क्रीम निकालें और इसे हल्का सा फेंट लें (ध्यान रहे कि बहुत ज्यादा न फेंटें वरना मक्खन निकल सकता है)। अब इसमें कंडेंस्ड मिल्क और बचा हुआ दूध मिलाएं। इस घोल को तब तक चलाएं जब तक कि सब कुछ एकसार न हो जाए।
- **फ्लेवर का तड़काः** तैयार क्रीमी घोल में अब वह हरा-भरा पान का पेस्ट डालें। साथ ही दरदरी पिसी हुई सौंफ, इलायची पाउडर और बारीक कटे हुए सूखे मेवे (बादाम-पिस्ता) डाल दें। इन सबको अच्छी तरह मिलाएं ताकि पान और गुलकंद का स्वाद पूरी क्रीम में अच्छी तरह बस जाए।
- **कुल्हड़ में जमानाः** यही वह चरण है जो इसे खास बनाता है। तैयार मिश्रण को छोटे-छोटे मिट्टी के कुल्हड़ों में भरें। कुल्हड़ों को ऊपर से एल्युमीनियम फॉयल या ढक्कन से अच्छी तरह ढक दें ताकि बर्फ के क्रिस्टल न जमें। अब इन्हें कम से कम 7 से 8 घंटे या पूरी रात के लिए फ्रीजर में रख दें।

परोसने का तरीका

जब आइसक्रीम पूरी तरह जम जाए, तो उसे फ्रीजर से निकालें। फॉयल हटाते ही आपको पान और मिट्टी की मिली-जुली एक सोंधी खुशबू आएगी। ऊपर से सूखी गुलाब की पंखुड़ियां और थोड़े से और पिस्ता छिड़कें। मिट्टी के कुल्हड़ में परोसी गई यह आइसक्रीम न केवल दिखने में बेहद आकर्षक और 'इंस्टाग्राम-वर्दी' लगती है, बल्कि इसका हर एक चम्मच आपको बनारस के घाटों की याद दिला देगा। यह मेहमानों के लिए एक बेहतरीन पार्टी डेजर्ट हो सकता है या परिवार के साथ एक शानदार वीकेंड ट्रीट। तो इस गर्मी, साधारण आइसक्रीम को छोड़िए और घर पर बनाइए यह राजसी बनारसी पान कुल्हड़ आइसक्रीम। यह स्वाद की एक ऐसी यात्रा है, जो जुबान से होते हुए सीधे दिल तक जाती है।

लद्दाख में शुरू हुआ 'एप्रिकॉट ब्लॉसम'... घाटी गुलाबी-सफेद चादर से ढकीं

लदाख (राजधानी चौपाल)| केंद्रशासित प्रदेश लदाख में खुबानी के फूलों (एप्रिकॉट ब्लॉसम) का सीजन शुरू हो गया है। खुबानी के पेड़ों पर खिले फूलों ने घाटियों को सफेद और हल्के गुलाबी रंग में रंग दिया है। इसी के साथ लद्दाख में आधिकारिक तौर पर पर्यटन सीजन की भी शुरुआत हो गई है। फूलों के खिलने की खुशी में लेह, कारगिल जैसे इलाकों में स्थानीय लोग पारंपरिक पोशाक में लद्दाखी नृत्य और संगीत कार्यक्रम आयोजित करते हैं। इसके साथ ही यहां स्थानीय उत्पादों और हस्तशिल्प की प्रदर्शनी भी लगाई जाती है। यहां बड़ी संख्या में पर्यटक लद्दाख पहुंच रहे हैं। फूलों का अच्छी तरह खिलना बेहतर फाल उत्पादन का संकेत माना जाता है। लद्दाख देश के प्रमुख खुबानी उत्पादक क्षेत्रों में शामिल है। यहां उगने वाली खुबानी का उपयोग मुख्य रूप से सूखे मेवे और तेल बनाने में किया जाता है। अप्रैल से जून के बीच यहां 5 लाख से ज्यादा पर्यटक पहुंचते हैं, जिससे स्थानीय लोगों को रोजगार के बड़े अवसर मिलते हैं।

सौगात | दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे का उद्घाटन

एक्सप्रेस-वे और इकोनॉमिक कॉरिडोर विकास के गेटवे : प्रधानमंत्री मोदी

देहरादून (राजधानी चौपाल) | प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे कॉरिडोर का उद्घाटन किया। इसके शुरू होने से दिल्ली से देहरादून का सफर 6 घंटे से घटकर करीब ढाई घंटे रह जाएगा। पीएम ने यूपी के सहारनपुर में एक्सप्रेसवे पर बने एशिया के सबसे लंबे 12 किमी एलिवेटेड वाइल्डलाइफ कॉरिडोर का निरीक्षण भी किया और रोड शो किया। पीएम मोदी ने देहरादून के जनसभा में कहा कि एक्सप्रेसवे और इकोनॉमिक कॉरिडोर विकास के गेटवे हैं। इससे समय और खर्च दोनों कम होंगे। रोजगार बढ़ेगा और किसानों की उपज तेजी से बाजार तक पहुंचेगी, जिससे पूरे क्षेत्र की अर्थव्यवस्था मजबूत होगी।

दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे कॉरिडोर 212 किमी लंबा, 6 लेन और एक्सेस कंट्रोल्ड है। यह करीब 12,000 करोड़ रुपए की लागत से बना है और दिल्ली, उत्तर प्रदेश व उत्तराखंड को जोड़ता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देहरादून-सहारनपुर हाईवे पर स्थित डाट काली मंदिर में दर्शन किए। पीएम मोदी ने कहा कि माता डाट काली के आशीर्वाद से इतना बड़ा इकोनॉमिक कॉरिडोर का प्रोजेक्ट परा हआ है।

अर्थव्यवस्था को मिलेगी गतिः इस अवसर पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने प्रधानमंत्री का स्वागत करते हुए कहा कि उनका प्रत्येक दौरा उत्तराखंड के लिए नई ऊर्जा और विकास की सौगात लेकर आता है। उन्होंने कहा कि 12 हजार करोड़ रुपए की लागत से बना यह कॉरिडोर एशिया के सबसे लंबे एलिवेटेड वाइल्डलाइफ कॉरिडोर के रूप में राज्य को नई पहचान देगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह परियोजना राज्य की अर्थव्यवस्था, पर्यटन और रोजगार को नई गति प्रदान करेगी।

बंगाल में जीत का अंतर बाहर हुए वोटर्स से ज्यादा होने पर चुनाव परिणाम प्रभावित नहीं माना जाएगाः सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली (राजधानी चौपाल)| बंगाल में विशेष गहन पुनरीक्षण (SIR) को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को अहम स्पष्टीकरण दिया। जस्टिस जॉयमाल्या बागची ने कहा, यदि जीत का अंतर बाहर किए गए मतदाताओं की संख्या से अधिक है, तो चुनाव परिणाम प्रभावित नहीं माना जाएगा। लेकिन यदि अंतर कम है, तो कोर्ट मामले पर विचार करेगा।

बागची ने टिप्पणी की कि प. बंगाल में मतदाता दो संवैधानिक संस्थाओं (राज्य व निर्वाचन आयोग) के बीच 'सैंडविच' बन गया है। कोर्ट ने इसे 'दोषारोपण का खेल' न बनाकर वोटर्स के अधिकारों पर ध्यान देने के लिए कहा। बेंच ने आयोग से पूछा कि केवल

बंगाल के लिए 'तार्किक विसंगति' जैसी नई सूची क्यों बनाई गई? साथ ही, 2002 की सूची को आधार बनाने में बिहार और बंगाल के बीच अलग अलग मापदंडों पर भी सवाल उठाए। न्यायमूर्ति बागची ने माना कि यदि न्यायिक अधिकारी एक दिन में 1,000 दस्तावेजों की जांच करते हैं, तो त्रुटि की संभावना बनी रहती है, इसलिए एक मजबूत अपीलीय तंत्र जरूरी है। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि मतदान का अधिकार केवल संवैधानिक ही नहीं, बल्कि एक भावनात्मक अधिकार भी है, जिसकी सुरक्षा जरूरी है।

सूची फ्रीज करने की तारीख भी बढ़ाई : याचिकाकर्ताओं ने मांग की थी कि मतदाता सूची फ्रीज करने की तारीख बढ़ाई जाए क्योंकि अपीलीय न्यायाधिकरण मामलों की सुनवाई नहीं कर रहे हैं। कोर्ट ने मतदाता सूची 'फ्रीज' करने की तारीख बढ़ाने से भी इनकार कर दिया है। याचिकाकर्ताओं को निर्देश दिया गया है कि वे अपनी शिकायतों के लिए सीधे अपीलीय न्यायाधिकरण के पास जाएं। इसी के साथ सुप्रीम कोर्ट ने चुनावी प्रक्रिया में तत्काल कोई हस्तक्षेप करने से मना कर दिया है।

सम्राट चौधरी बिहार के 24वें मुख्यमंत्री बने

शपथ के बाद नीतीश के पैर छुए ; जेडीयू से विजय चौधरी और बिजेंद्र डिप्टी सीएम

पटना (राजधानी चौपाल) | सम्राट चौधरी बिहार 24वें मुख्यमंत्री बन गए हैं। उन्होंने ईश्वर के नाम पर शपथ ली। राज्यपाल सैयद अता हसनैन ने लोकभवन में सुबह 11 बजे उन्हें पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई।

बिहार की नई सरकार में जदयू से विजय चौधरी और बिजेंद्र यादव ने भी शपथ ली। दोनों को डिप्टी सीएम बनाया गया है। नीतीश कुमार इस कार्यक्रम में मौजूद थे। बिहार में अभी मंत्रिमंडल का ऐलान नहीं किया गया है।

मुख्यमंत्री के पिता शकुनी चौधरी ने कहा, 'कभी-कभी ईश्वर की कृपा होती है। हमने कई पार्टियों के लिए पूरी लड़ाई लड़ी, लेकिन सफलता नहीं मिली। आज अमित शाह, नरेंद्र मोदी और नीतीश की कृपा से सम्राट आगे बढ़ गया। मेहनत रंग लाती है जो मेहनत करेगा वही आगे बढ़ेगा।'

शपथ से पहले हनुमान मंदिर पहुंचे सम्राट : सम्राट चौधरी ने सुबह पंचमुखी हनुमान मंदिर में पूजा की थी। शपथ से पहले ही उनकी सुरक्षा बढ़ा दी गई थी। सरकार में बदलाव सोमवार को नीतीश कुमार के इस्तीफा देने के बाद हुआ। वे अब राज्यसभा सदस्य हैं। वे 20 साल बिहार के सीएम रहे। सम्राट चौधरी के शपथ ग्रहण पर मंत्री दीपक प्रकाश ने कहा कि नई सरकार का गठन हो गया है। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और नए उपमुख्यमंत्री को भी शुभकामना और बधाई है। बिहार में जिस प्रकार से पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में काम होता आया है, बिहार के लिए जो उन्होंने लक्ष्य तय किया था, निश्चित तौर पर सरकार और अधिक ऊर्जा के साथ उस लक्ष्य की प्राप्ति करेगी।

देश में हर 10 में से 7 लोग यूट्यूबर्स की सलाह पर भरोसा करते हैं, जिनमें से 60% लोग बिना क्रॉस-चेक किए सही मान लेते हैं, यूट्यूब के ढाई करोड़ चैनल, 50 करोड़ यूजर... लेकिन जिम्मेदारी 0

नई दिल्ली (राजधानी चौपाल) | देश में 50 करोड़ मासिक सक्रिय यूजर्स के बीच यूट्यूब अब सिर्फ मनोरंजन नहीं, बल्कि एक डॉक्टर, मैकेनिक, जिम ट्रेनर और कानूनी सलाहकार तक बन चुका है। लगभग 2.5 करोड़ सक्रिय यूट्यूब चैनलों में से महज 30 लाख ही पेशेवर हैं, बाकी करोड़ों चैनलों में से कई बिना नियमन या कमाई के 'गलत सलाह' या 'कॉपी-पेस्ट' वाला कंटेंट फैला रहे हैं।

यदि इन चैनलों पर बताई गई किसी सलाह से किसी को नुकसान हो जाए, तो वर्तमान में न्याय पाने का रास्ता इतना पेचीदा है कि अपराधी साफ बच निकलता है। इन्फ्लुएंसर ट्रस्ट रिपोर्ट के मुताबिक, देश में हर 10 में से 7 लोग यूट्यूब की सलाह पर भरोसा करते हैं, जिनमें से 60% उसे बिना क्रॉस-चेक किए सही मान लेते हैं।

वो केस, जब यूट्यूबर्स की 'गलत' सलाह भारी पड़ी

- तमिलनाडु के कृष्णागिरी जिले में एक उच्च शिक्षित दंपती यूट्यूब पर 'होम डिलीवरी' के वीडियो देखता था। प्रसव के दौरान पति यूट्यूब वीडियो देखकर निर्देश फॉलो कर रहा था। गंभीर रक्तस्राव से स्थिति बिगड़ी, महिला की मौत हो गई। फरवरी 2026 में मद्रास हाईकोर्ट ने इस मामले में कहा- 'कुछ यूट्यूब चैनल केवल 'व्यूज' और 'सब्सक्राइबर्स' बढ़ाने के लिए कुछ भी सामग्री परोस रहे हैं। ये समाज के लिए खतरा बनते जा रहे हैं।'
- मो. नासिरुद्दीन अंसारी यूट्यूब पर 'बाप ऑफ चार्ट' नाम से चैनल चलाते थे। वे इस प्लेटफॉर्म से लोगों को शेयर बाजार में निवेश, खासकर 'ऑप्शंस ट्रेडिंग' की सलाह देते थे। सेबी की जांच में सामने आया कि अंसारी खुद शेयर बाजार में 2.89 करोड़ रु. के घाटे में थे। सेबी ने अंसारी को निवेशकों से अवैध तरीके से जुटाए गए 17.2 करोड़ रु. वापस करने का आदेश दिया। लेकिन इसमें भी यूट्यूब की कोई जिम्मेदारी तय नहीं हुई।
- साल 2020 के दिल्ली दंगों से जुड़े अजीत मोहन (फेसबुक) बनाम दिल्ली विधानसभा मामले में सुप्रीम कोर्ट ने साफ कहा था कि सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स को केवल 'बिचौलिया' नहीं माना जा सकता। उनकी एल्गोरिदम तय करती है कि कौन सी खबर फैलेगी, इसलिए दंगों के दौरान उनकी भूमिका की जांच की जा सकती है।

नियम, जिनमें एक्शन होता...

- **उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, 19:** भ्रामक विज्ञापन या गलत दावे पर 10-50 लाख तक का जुर्माना।
- **IT एक्ट की धारा 66D व 69A:** गलत जानकारी फैलाने पर वीडियो ब्लॉक व जेल हो सकती है।
- **भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस):** गलत सलाह से जान को खतरा हो तो धारा 318 में एफआईआर।

खामियां, जो बचा लेती हैं...

- **डिस्क्लेमरः** वीडियो में 'शैक्षिक उद्देश्य' लिखने से ये 'जानकारी' बन जाती है, जवाबदेही खत्म।
- **विशेषज्ञता की परिभाषाः** कानून में 'इन्फ्लुएंसर' के लिए कोई न्यूनतम योग्यता तय नहीं।
- **धीमी न्यायिक प्रक्रियाः** डिजिटल नुकसान के लिए 'फास्ट ट्रैक' कानून नहीं है। छोटे आर्थिक या शारीरिक नुकसान के लिए पीड़ित कोर्ट नहीं जाता।

वो सबकुछ, जो आपके लिए जानना जरूरी है

इन्हें टैक्सपेयर के रूप में रजिस्टर करें, तभी लगाम संभव

यूट्यूब/फेसबुक जैसी कंपनियों का तर्क है कि 'हम सिर्फ प्लेटफॉर्म दे रहे हैं, कंटेंट तो लोग डाल रहे हैं।' इंटरमीडियरी की वजह से उन्हें 'सेफ हार्बर' (धारा-79) की सुरक्षा मिलती है यानी यूजर के गलत वीडियो के लिए यूट्यूब को जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता। यह गलत है क्योंकि... यूट्यूब बिना किसी रजिस्ट्रेशन के चल रहा है। उसे 'बिचौलिया' नहीं, बल्कि 'मीडिया कंपनी' मानना चाहिए। कंपनी कानून व आयकर कानून के मुताबिक, देश में इनकी व्यापारिक उपस्थिति के आधार पर इन पर आयकर लगाने के साथ ही देश का कानून लागू होना चाहिए।

- **डेटा पर जीएसटीः** ये कंपनियां भारतीयों के डेटा का इस्तेमाल करके विज्ञापन से मोटा पैसा कमाती हैं। इस डेटा के कारोबार पर जीएसटी लगना चाहिए।
- **यूजर बेस पर टैक्सः** टैक्स सिर्फ विज्ञापन आय पर नहीं, ग्लोबल यूजर्स की संख्या के अनुपात में लगाया जाना चाहिए।
- **शिकायत निवारण अफसरः** आईटी नियमों के मुताबिक, इन कंपनियों की शिकायत व नामांकित अधिकारियों का विवरण सार्वजनिक होना चाहिए ताकि पुलिस और अदालतों को साइबर अपराधों के समाधान में इनसे आवश्यक मदद मिल सके।

RNI No. HARHIN/25/A3341, प्रकाशक, मुद्रक स्वामी एवं संपादक राहुल कुमार द्वारा सूचना प्रिंटर्स 33एस मॉडल टाउन, हिसार से छपवाकर कार्यालय आदमपुर मंडी हिसार, (किसी भी विवाद का न्याय क्षेत्र हिसार न्यायालय होगा)।
संपादक : राहुल कुमार, फोन : 9306813001, e-mail : rajdhanichoupal@gmail.com, प्रकाशन स्थल : मकान संख्या : 114, शांति पार्क के पास, मंडी आदमपुर, हिसार (हरियाणा)